RNI : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-01 ● अंक- 74 ● भिलाई, शुक्रवार 19 सितम्बर 2025 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

पहला कॉलम

रामभद्रचार्य के कथा आयोजकों पर टेंट कारोबारी का 42 लाख हड़पने का आरोप

मेरठ। उत्तर प्रदेश के मेरठ में स्वामी रामभद्रचार्य की कथा का आयोजन करने वाले आयोजकों पर 42 लाख रुपये हड़पने का आरोप लगा है। गाजियाबाद में एबी ग्रेशन एक्टिविटी कंपनी चलाने वाले टेंट व्यवसायी अनुज अग्रवाल ने बताया कि मेरठ में रामकथा के लिए ग्रेटर नोएडा में दिव्य शक्ति ट्रस्ट की महामंडलेश्वर लाडली सरस्वती से सौदा हुआ था। अग्रवाल ने बताया कि काम पूरा होने पर 42 लाख रुपये का आधा भुगतान नहीं किया जा रहा और धमकी मिल रही है। अग्रवाल ने बताया कि 8 से 14 सितंबर तक सिविल लाइंस के भामाशाह पार्क में कथा हुई थी, जिसमें पहले पंडाल का काम 1.21 करोड़ रुपये में बताया गया था, लेकिन सौदा 87 लाख रुपये में तय हुआ। आयोजकों ने 20 लाख रुपये एडवांस दिए और कथा के दौरान 25 लाख रुपये चुकाए। कथा अचानक 2 दिन पहले खत्म हो गई और अब 42 लाख रुपये नहीं मिल रहे हैं। अग्रवाल के पास सौदे का प्रमाण भी है।

कर्नाटक के विजयपुरा एसबीआई में नकाबपोश बदमाशों का धावा

बेंगलुरु। कर्नाटक के विजयपुरा जिले से चौंकाने वाली खबर आई है। यहां के भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) में मंगलवार शाम को हथियारों से लैस नकाबपोश बदमाशों ने धावा बोल दिया। उन्होंने जिले के चाडचन कस्बे की एसबीआई शाखा में घुसकर बैंक कर्मचारियों को बंधक बना लिया और 58 करोड़ रुपये का सोना और 8 करोड़ रुपये की नकदी लूट ली है। सभी बदमाश डकैती को अंजाम देकर फरार हो गए हैं। उनकी तलाश जारी है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, बदमाशों ने शाम को साढ़े 6 बजे उस समय धावा बोला, जब बैंक बंद हो चुका था और कर्मचारी अपना काम समेटकर घर जाने की तैयारी कर रहे थे। तभी सैन्य वर्दी पहने बदमाश देसी पिस्तौल लेकर अंदर घुस आए। उन्होंने प्रबंधक, कैशियर और कर्मचारियों को धमकाया और उन्हें अलार्म बटन दबाने से रोक दिया। इसके बाद बदमाश लॉकर और अन्य जगह रखा सोना और 8 करोड़ की नदी को बैग में भरकर निकल गए।

जॉली एलएलबी 3 की रिलीज पर रोक की मांग खारिज

मुंबई। पिछले काफी समय से अभिनेता अक्षय कुमार की फिल्म जॉली एलएलबी 3 की खूब चर्चा हो रही है। जहां एक ओर सिनेप्रेमी फिल्म की रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर बीते दिनों बॉम्बे हाई कोर्ट में इसकी रिलीज रोकने के लिए याचिका दायर की गई थी। अब अदालत ने जॉली एलएलबी 3 के निर्माताओं के पक्ष में फैसाला सुनाया है। बॉम्बे हाई कोर्ट ने फिल्म के खिलाफ दायर याचिका को खारिज कर दिया है। याचिका में आरोप लगाया गया था कि फिल्म में जजों और वकीलों का मजाक उड़ाया जा रहा है। जिससे न्याय व्यवस्था की गरिमा को ठेस पहुंचेगी। याचिकाकर्ता का कहना था कि फिल्म के ट्रेलर से ऐसा प्रतीत होता है।

राहुल ने ज्ञानेश कुमार को भी घेरा

प्रक्रिया हाईजैक कर वोट काटे जा रहे,निशाने पर दलित और ओबीसी

नई दिल्ली/ एजेंसी

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने गुरुवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान उन्होंने चुनावी धांधली के आरोपों को और धार दी। राहुल गांधी ने कहा, 'सबसे पहले, यह हाइड्रोजन बम नहीं है, हाइड्रोजन बम आने वाला है। यह इस देश के युवाओं को यह दिखाने और स्थापित करने में एक और मील का पत्थर है कि चुनावों में किस तरह धांधली की जा रही है।' उन्होंने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर जमकर निशाना साधा। राहुल गांधी ने कहा कि भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त उन लोगों को बचा रहे हैं, जिन्होंने भारतीय लोकतंत्र को नष्ट कर दिया है। वे उन्हें बचा रहे हैं, जिन्होंने वोट चोरी किया है।राहुल गांधी ने कहा, 'कर्नाटक में अलंद एक निर्वाचन क्षेत्र है। किसी ने 6018 वोटों को हटाने की कोशिश की। हमने पाया है कि महज 14 मिनट में 12 वोट डिलीट किए गए। हमें नहीं पता कि 2023 के चुनाव में अलंद में कुल कितने वोट हटाए गए। ये संख्या 6,018 से कहीं ज्यादा है, लेकिन कोई उन 6018 वोटों को हटाते हुए पकड़ा गया। यह संयोग से पकड़ा गया। हुआ यूं कि वहां के बूथ लेवल अधिकारी ने देखा कि उसके चाचा का वोट हटा दिया गया है, तो उसने जांच की कि उसके चाचा का वोट किसने हटाया और उसने पाया कि वोट हटाने वाला एक पड़ोसी था। उसने अपने पड़ोसी से पूछा, लेकिन उन्होंने कहा कि मैंने कोई वोट नहीं हटाया। न तो वोट हटाने वाले व्यक्ति को और न ही जिसका वोट हटाया गया था, उसे पता था। किसी और ताकत ने इस प्रक्रिया को हाईजैक कर लिया और वोट हटा दिया। वोटों को हटाने का काम किसी व्यक्ति के जरिए नहीं, बल्कि सॉफ्टवेयर का इस्तेमाल करके केंद्रीकृत तरीके से किया गया। राहुल गांधी ने कहा कि अलंद में मतदाताओं के नाम पर 6018 आवेदन दाखिल किए गए। जिन लोगों ने ये आवेदन दाखिल किए, उन्होंने वास्तव में इन्हें कभी दाखिल ही नहीं किया। यह आवेदन एक सॉफ्टवेयर का इस्तेमाल करके स्वचालित रूप से दाखिल किया गया। कर्नाटक के बाहर विभिन्न राज्यों के मोबाइल नंबरों का इस्तेमाल अलंद में नंबरों को हटाने के लिए किया गया और यह कांग्रेस के मतदाताओं को निशाना बनाकर किया गया। यह पूछे जाने पर कि क्या वह अदालत या किसी उच्चतर एजेंसी का रुख करेंगे ।

केवल संविधान-संविधान चिल्लाते हैं, सभी बम ढेर हो जाएंगे,भाजपा का राहुल गांधी पर पलटवार

नई दिल्ली: राहुल गांधी की वोट चोरी के नए आरोपों पर भाजपा ने पलटवार किया। भाजपा ने कहा कि राहुल को कानून के बारे में कुछ नहीं पता है। वे सुप्रीम कोर्ट के निर्देश भी नहीं समझते हैं। आरोपों पर भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद ने कहा, 'क्या राहुल गांधी संविधान को समझते हैं? वह सुप्रीम कोर्ट गए। सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश जारी किए। क्या उन्होंने कोई दांव लगाया? वह कानून या सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों को नहीं समझते हैं। वह केवल 'संविधान, संविधान' चिल्लाते हैं। मुख्य बात स्पष्ट है। अगर राहुल गांधी को वोट नहीं मिलते हैं, तो हम क्या कर सकते हैं? देश उनके कार्यों को कभी नहीं भूलेगा। वह विपक्ष के नेता हैं। उनके कुछ मूल्य होने चाहिए। वह देश के मतदाताओं का अपमान कर रहे हैं। जनता उन्हें फिर से करारा जवाब देगी। उनके सभी बम धराशायी हो जाएंगे। वह किसी पर भरोसा नहीं करते। मैं इसकी निंदा करता हूं।

अनुराग का कांग्रेस नेता पर पलटवार

भारत में बांग्लादेश-नेपाल जैसे हालात पैदा करना चाहते हैं राहुल

नयी दिल्ली/ एजेंसी

भारतीय जनता पार्टी ने बृहस्पतिवार को दावा किया कि राहुल गांधी द्वारा निर्वाचन आयोग जैसी संवैधानिक संस्थाओं के खिलाफ बार-बार लगाए गए आरोप भारतीय लोकतंत्र में उनके विश्वास के अभाव को दर्शाते हैं. भाजपा ने उनपर अराजकता फैलाने तथा भारत में नेपाल और बांग्लादेश जैसी अशांति पैदा करने का प्रयास करने का आरोप लगाया. पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि घुसपैठिए प्रथम की राजनीति गांधी का एकमात्र एजेंडा है. उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस नेता अनुसूचित जाति एससी, अनुसूचित जनजाति एसटी और अन्य पिछड़ा वर्ग ओबीसी के हितों की बात कर सकते हैं, लेकिन निर्वाचन आयोग द्वारा करायी जा रही मतदाता सूची की समीक्षा का विरोध करके अवैध मतदाताओं को बचाने की उनकी कोशिश इन समुदायों के हितों को नुकसान पहुंचाएगी. भाजपा ने गांधी पर पलटवार तब किया जब उन्होंने मीडिया के सामने एक प्रजेंटेशन पेश किया. गांधी ने इस प्रजेंटेशन में निर्वाचन आयोग के खिलाफ 'वोट चोरी' के अपने आरोप को पुष्ट करने की कोशिश की. गांधी ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर 'वोट चोरों' और लोकतंत्र को नष्ट करने वाले लोगों को बचाने का आरोप लगाया. उन्होंने कर्नाटक के विधानसभा क्षेत्र अलंद के आंकड़ों का हवाला देते हुए दावा किया कि चुनाव से पहले कांग्रेस समर्थकों के वोट व्यवस्थित तरीके से हटाए गये. इस पर आयोग ने कहा, राहुल गांधी द्वारा लगाए गए आरोप गलत और निराधार हैं. किसी भी वोट को ऑनलाइन किसी भी व्यक्ति द्वारा हटाया नहीं जा सकता। जैसा कि गांधी ने गलत धारणा बनाई है.

लालू-राहुल निशाने पर

आपके पेट में क्यों तेल उबल रहा है-अमित ने किससे पूछा सवाल...

बेगूसराय/ एजेंसी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बेगूसराय में कहा कि अभी-अभी राहुल बाबा यहां आए थे। एक यात्रा निकाली थी। उन्होंने जो यात्रा निकाली थी वह यात्रा घुसपैठियों को बचाने के लिए यात्रा थी। मुंगेर और पटना प्रमंडल के सभी कार्यकर्ताओं से मैं पूछना चाहता हूं कि इन घुसपैठियों का हमारी मतदाता सूची में नाम होना चाहिए? घुसपैठियों को हमारे गरीबों का राशन मिलना चाहिए क्या? इन घोस्ट पत्तियां को रोजगार, घर मिलना चाहिए क्या? 5 किलो अनाज मुफ्त में मिलना चाहिए क्या? 5 लाख तक का इलाज फ्री में मिलना चाहिए क्या? राहुल गांधी बिहार के गरीबों की बिहार के युवाओं की चिंता नहीं करते। बांग्लादेश से आए हुए घुसपैठियों की चिंता करते हैं। मैं आज बताना चाहता हूं कि बिहार में एक बार फिर से एनडीए की सरकार बना दो, मोदी जी के नेतृत्व में बिहार से चुन-चुन कर घुसपैठियों को निकालने का काम होगा। मतदाताओं के गहन पुनरीक्षण से मतदाताओं की सूची को घुसपैठियों के प्रदूषण से मुक्त करने के लिए है। आप हजारों लोग यहां बैठे हैं, किसी का वोट कटा है? अरे लालू जी, घुसपैठियों का वोट काटा है तो आपके पेट में तेल क्यों उबल रहा है? क्योंकि हम सबको मालूम है कि यह घुसपैठिए लालू और राहुल के वोट बैंक हैं। शाह ने कहा कि लालूजी क्या करना चाहते हैं?

कांग्रेस वालों ने तो पाकिस्तान की आदत बिगाड़ दी थी: शाह

भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष शाह ने कह कि कांग्रेस वालों ने तो पाकिस्तान की आदत बिगाड़ दी थी। आए दिन हमला करते थे। अब देखो, एक बार सर्जिकल स्ट्राइक, एक बार एयर स्ट्राइक और फिर भी नहीं सुधरे तो ऑपरेशन सिंदूर कर घर में घुसकर चीथड़े उड़ा दिए। मोदी जी ने देश को सुरक्षित करने का काम किया। बरौनी का कारखाना न जाने कितने वर्षों से बंद पड़ा था। डॉ. मनमोहन सिंह ने मोदीजी को 11 नंबर का अर्थतंत्र दिया था, मोदी जी ने उसे चौथे नंबर पर ला दिया। लेकिन, इतनी सफलता से खुश नहीं होना है।

कांग्रेस को हटाना होगा प्रधानमंत्री मोदी की मां का एआई वीडियो

पटना। बिहार की पटना हाई कोर्ट से मंगलवार को कांग्रेस को बड़ा झटका लगा है। कोर्ट ने पार्टी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दिवंगत मां हीराबेन का एआई -जेनरेटेड वीडियो हटाने को कहा है। यह आदेश कोर्ट के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश पीबी बजंत्री ने दिया है और पार्टी को सभी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से वीडियो हटाने को कहा है। कांग्रेस के खिलाफ भाजपा दिल्ली चुनाव प्रकोष्ठ के संयोजक संकेत गुप्ता ने शिकायत दर्ज कराई थी। वीडियो को 10 सितंबर को बिहार कांग्रेस इकाई ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया था, जो पूरी तरह एआई से बना है।

महिला नक्सली पर पांच लाख रूपये का था इनाम

सुकमा जिले में सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ में एक इनामी महिला नक्सली को मार गिराया........

सुकमा/ संवाददाता

छत्तीसगल्ढ़ के सुकमा जिले में सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ में एक इनामी महिला नक्सली को मार गिराया है. पुलिस अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी. पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जिले के गादीरास थाना क्षेत्र के अंतर्गत गुफ्ड़ी और पेरमापारा गांव के बीच जंगल में सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ में पांच लाख रूपये की इनामी मलांगीर एरिया कमेटी की सदस्य बूस्की नुप्पो को मार गिराया है. अधिकारियों ने बताया कि आज जिले के गादीरास थाना क्षेत्र के अंतर्गत गुफ्ड़ी और पेरमापारा गांव के बीच जंगल में माओवादियों की मौजूदगी की सूचना मिलने के बाद सुरक्षाबलों को नक्सल विरोधी अभियान के लिए रवाना किया गया था. उन्होंने बताया कि अभियान के दौरान आज सुबह से जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी) और माओवादियों के बीच मुठभेड़ हुई. अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षाबलों ने जब घटनास्थल पर खोजी अभियान चलाया तब वहां से एक महिला माओवादी का शव और हथियार बरामद किया गया. उन्होंने बताया कि मुठभेड़ में मारी गई माओवादी की पहचान बूस्की नुप्पो (35) के रूप में हुई है. वह मलांगीर एरिया कमेटी की सदस्य थी तथा उसके सिर पर पांच लाख रूपये का इनाम है. अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ स्थल से .315 बोर की एक राइफल, उसके पांच कारतूस, एक वायरलेस सेट, आठ डेटोनेटर, कोर्डेक्स वायर और अन्य सामान बरामद किया है. उन्होंने बताया कि नुप्पो के खिलाफ अरनपुर थाने में सात मामले तथा कुंआकोंडा और गादीरास थाने में एक-एक मामला दर्ज है. बस्तर क्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक सुंदरराज पी ने माओवादियों से अपील की है कि वे यह यथार्थ स्वीकार करें कि माओवाद समाप्ति के कगार पर है.

भारतीय युवा कांग्रेस के अध्यक्ष उदय भानु चिब ने पार्टी सदस्यों के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 75वें जन्मदिन के अवसर पर नई दिल्ली में नौकरी चोर, गड्डी छोड़ के नारे लगाते हुए विरोध प्रदर्शन किया।

ममता सरकार ने की घोषणा

2011से आजीवन कारावास की सजा काट रहे कैदी रिहा

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बृहस्पतिवार को कहा कि राज्य सरकार ने 2011 से आजीवन कारावास की सजा काट रहे 840 कैदियों को रिहा किया है, जिनमें से सभी ने 14 साल से अधिक की सजा काट ली थी। ममता ने यह भी घोषणा की कि उचित कानूनी प्रक्रिया के बाद अब 45 अतिरिक्त कैदियों को रिहा किया जा रहा है। उन्होंने रिहा किए गए व्यक्तियों और उनके परिवारों को बधाई दी और कहा कि कारावास के दौरान उनका अच्छा व्यवहार इस निर्णय का एक प्रमुख कारक था। ममता ने 'एक्स' पर पोस्ट में कहा, ''हमारी सरकार ने आजीवन कारावास की सज़ा काट चुके कई कैदियों को कानूनी तौर पर रिहा किया है।

इंफ्रास्ट्रक्चर में तेजी से हो रहा निवेश आने वाली पीढ़ियों के लिए नया भविष्य गढ़ेगा

राजिम क्षेत्र के लोगों को मिली सस्ती और सुलभ रेल सेवा

- राजिम क्षेत्र के लोगों को मिली सस्ती और सुलभ रेल सेवा, यात्रियों को होगा लाभ

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज राजिम में नई रेल सेवा का शुभारंभ किया। उन्होंने क्षेत्र के लोगों की आवागमन सुविधा में वृद्धि करते हुए राजिम से रायपुर के लिए नई मेमू ट्रेन सेवा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर उन्होंने राजिम-रायपुर-राजिम मेमू नई ट्रेन सेवा तथा रायपुर-अभनपुर 2 मेमू रेल सेवा का राजिम तक विस्तार भी प्रारंभ किया। भारी संख्या में यात्री इस अवसर पर ट्रेन में सवार हुए और उत्साहपूर्वक रायपुर की ओर रवाना हुए। सस्ती एवं सुलभ नई रेल सुविधा मिलने से पूरे क्षेत्र में हर्ष और उल्लास का वातावरण रहा। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि इस नई रेल सेवा से राजिम सहित गरियाबंद एवं देवभोग क्षेत्र के लोगों को भी राजधानी रायपुर तक सस्ती और किफायती यात्रा का विकल्प प्राप्त होगा। विद्यार्थी, नौकरीपेशा वर्ग और व्यापारी वर्ग सहित सभी के लिए यह ट्रेन अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगी। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ का प्रयाग, राजिम अब रेल नेटवर्क से जुड़ गया है। ग्रामीण अंचलों से राजधानी रायपुर का आवागमन अब और अधिक सुगम, सुविधाजनक और किफायती बन गया है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि हमारे छत्तीसगढ़ में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के आशीर्वाद से लगातार 19 महीनों से विकास की गति निरंतर अग्रसर है। मुख्यमंत्री ने कहा कि रेलवे इंफ्रास्ट्रक्चर में तेजी से हो रहा निवेश आने वाली पीढ़ियों के लिए नया भविष्य गढ़ेगा। उन्होंने बताया कि लगभग आठ वर्ष पूर्व धमतरी से रायपुर तक नैरोगेज ट्रेन चलती थी और अब आठ वर्षों के अंतराल के बाद यहां ब्रॉडगेज ट्रेन सुविधा उपलब्ध हुई है। इसके लिए उन्होंने पूरे छत्तीसगढ़ की जनता की ओर से प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के प्रति आभार व्यक्त किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि वर्तमान में छत्तीसगढ़ में रेलवे की लगभग 45,000 करोड़ रुपये की परियोजनाएं संचालित हो रही हैं। वित्त वर्ष 2025-26 के बजट में लगभग 7,000 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है, जिससे प्रदेश में रेल सेवाओं का तीव्र विस्तार और विकास सुनिश्चित हो रहा है।

सीएमएचओ का दावा : एक हड़ताली एनएचएम कर्मी लौटा काम पर, इधर संघ ने संघ ने कहा सभी हड़ताल पर कोई नही लौटा

हड़ताल के 31वे दिन एनएचएम संविदा हड़ताली कर्मचारियों ने प्रधानमंत्री मोदी का जन्मदिन हड़ताल स्तर पर मनाया और प्रसाद का किया वितरण

बालोद। सीएमएचओ जेएल उइके ने दावा किया है कि जिले में एक हड़ताली एनएचएम कर्मचारी ने कार्यभार ग्रहण कर लिया है, हालांकि सीएमएचओ ने काम में लौटे कर्मचारी का नाम गुप्त रखा है। तो वही जिले का एनएचएम कर्मचारी संघ ने साफ तौर पर कहा है कि संघ एकजुट है, सभी हड़ताल पर है, कोई भी कार्य पर नही लौटा है। जिसके बाद संघ में फूट पड़ता दिखाई पड़ रहा है। वही सीएमएचओ जेएल उइके ने कहा है कि आज गुरूवार को कुछ और कर्मी कार्यभार ग्रहण कर सकते है। दरअसल स्वास्थ्य सचिव द्वारा पत्र जारी किया गया था, जिसमें कर्मचारियों को 16 सितंबर शाम 5 बजे तक कार्यभार ग्रहण करने का अल्टीमेटम दिया गया था और ज्वाइन न करने पर सेवा से बर्खास्त करने आदेश दिया था। समीक्षा बैठक के दौरान कलेक्टर दिव्या मिश्रा ने भी 16 सितंबर तक कार्यभार ग्रहण करने के लिए कार्यालय में पहुचने वाले राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के कर्मचारियों को अनिवार्य रूप से कार्यभार ग्रहण कराने के निर्देश दिए है। बता दे कि एनएचएम कर्मचारियों पर बर्खास्तगी की गाज गिरने के बाद भी एनएचएम कर्मचारी बीते एक माह से हड़ताल पर डटे हुए हैं।

छत्तीसगढ़ प्रदेश एनएचएम कर्मचारी संघ द्वारा नियमितीकरण, सविलियन, ग्रेड पे, लंबित 27 प्रतिशत वेतन वृद्धि सहित 10 सूत्रीय मांगों को लेकर चल रहा अनिश्चितकालीन आंदोलन लगातार तेज हो रहा है। एनएचएम कर्मचारियों के हड़ताल का 31वां दिन रहा। नए बस स्टैंड बालोद में नये भारत के स्वप्न दृष्टा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कर्मचारियों ने संविदा मुक्त छत्तीसगढ़ बनाने हेतु रिटर्न गिफ्ट में नियमितिकरण करने की मांग की और नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर प्रसाद का वितरण हड़ताल स्थल पर किया। साथ ही साथ हड़ताली कर्मचारियों ने एक पेड़ मोदी की गारंटी के नाम पर भी लगाया। और हड़ताली कुछ साथियों ने प्रधानमंत्री के जन्मदिन के अवसर पर जिला अस्पताल जाकर रक्तदान भी किया।

हड़ताल से सेवाएं हो रही प्रभावित

कर्मचारियों की हड़ताल के कारण ग्रामीण स्वास्थ्य व्यवस्था तीतर-बितर हो चुकी है। ग्रामीण क्षेत्र में आयुष्मान आरोग्य मंदिर में ओपीडी पूर्ण रूप से बंद है। सीएससी और जिला अस्पताल में मरीजों की संख्या बढ़ गई है। पोषण पुनर्वास केंद्र बंद हो चुका है। स्कूल और आंगनवाड़ी में स्वास्थ्य परीक्षण पूर्ण रूप से बंद है। टीबी प्रभावित हो रहा है। नवजात शिशु देखभाल, वृद्ध स्वास्थ्य परीक्षण, एनसीडी स्क्रीनिंग प्रभावित हो रहा है

जायज मांगो के लिए हड़ताल निरंतर जारी

जिलाध्यक्ष खिलेश साहू ने बताया कि स्वास्थ्य सचिव द्वारा पत्र जारी किया गया था, जिसमें कर्मचारियों को 16 सितंबर शाम 5 बजे तक ज्वाइन करने का अल्टीमेटम दिया गया था और ज्वाइन न करने पर सेवा से बर्खास्त करने आदेश दिया था। जिसे कर्मचारियों ने प्रशासन की तानाशाही और दमनकारी नीति कहा और एक भी कर्मचारी द्वारा सीएमएचओ कार्यालय में जॉइनिंग नहीं कर अपनी एकता दिखाते हुए मांग पूरी होने तक हड़ताल में शामिल रहने का फैसला लिया है। उन्होंने कहा कि उन्हें आश्वासन नहीं, आदेश चाहिए। संविदा मुक्त प्रदेश चाहिए तक हड़ताल जारी रहेगा। शासन स्तर से जारी दमनकारी आदेश के बावजूद भी जिले में 502 कर्मचारी अपनी जायज मांगो के लिए हड़ताल को निरंतर जारी रखे हुए हैं। हड़ताल में जिला अध्यक्ष खिलेश साहू, उपाध्यक्ष प्रेम, संरक्षक दिनेश खर्कवाल, मीडिया प्रभारी चंदन गिरी, सदस्य मनोज, सुशील, सोनल गांधी, नीति यादव, मुनेश, यामिनी, प्रतिभा, चंद्रकला, मनीषा यादव, डॉ नीतू नारायण, योगिता साहू, दिव्या, कल्पना, डिंपल, रश्मि, मेघारानी, दिनेश्वरी, सुनील, योगेश साहू, डॉ इंद्र चंद्राकर, जीतेश्वरी, अनूप, विकास, सचिन, प्रकाश राठौर, यशवंत, सरस्वती, ओरियंत, सहित सभी कर्मचारी उपस्थित थे।

विशेष अभियान 5.0 : स्वच्छता से सुशासन की नई क्रांति

लोहरा मंडल अध्यक्ष शर्मा ने मोदी-साय की जोड़ी को बताया गेम-चेंजर, कुसुम ने अभियान को बताया ऐतिहासिक, कहा- यह केवल सफाई नहीं, व्यवस्था परिवर्तन का महायज्ञ है

बालोद। केंद्र सरकार द्वारा शुरू किए गए विशेष अभियान 5.0 को लेकर डौंडीलोहारा भाजपा मंडल अध्यक्ष कुसुम शर्मा ने इसे देश में स्वच्छता और सुशासन की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल करार दिया है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के संयुक्त प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि यह अभियान भारत को एक नई ऊंचाई पर ले जाएगा और प्रशासनिक व्यवस्था में क्रांतिकारी बदलाव लाएगा।

यह राष्ट्रव्यापी अभियान 15 से 30 सितंबर तक प्रारंभिक चरण और 2 से 31 अक्टूबर तक मुख्य क्रियान्वयन चरण के रूप में चलाया जा रहा है। कुसुम शर्मा ने बताया कि इसका उद्देश्य केवल सरकारी दफ्तरों की सफाई तक सीमित नहीं है, बल्कि लंबित मामलों का तेजी से निपटारा, ई-कचरे का वैज्ञानिक प्रबंधन और सरकारी कामकाज में पारदर्शिता एवं जवाबदेही सुनिश्चित करना भी है।

प्रदेश में जनहित के मुद्दों को दी जा रही सर्वोच्च प्राथमिकता

कुसुम शर्मा ने प्रधानमंत्री मोदी की दूरदृष्टि की प्रशंसा करते हुए कहा, विशेष अभियान 5.0 सिर्फ दफ्तरों की सफाई का अभियान नहीं, बल्कि यह सुशासन और जनसेवा की भावना को मजबूत करने का एक महायज्ञ है। इससे पूरी प्रशासनिक व्यवस्था अधिक जनहितकारी और प्रभावशाली बनेगी। उन्होंने इसे एक जनआंदोलन बताते हुए प्रत्येक नागरिक से इसमें सक्रिय भागीदारी का आह्वान किया। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि प्रदेश में जनहित के मुद्दों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। कुसुम शर्मा के अनुसार, केंद्र और राज्य सरकार की यह संयुक्त पहल पूरे देश के लिए एक मिसाल बनेगी। मुख्यमंत्री साय की सक्रियता से यह अभियान छत्तीसगढ़ में सफलता के नए कीर्तिमान स्थापित करेगा।

छत्तीसगढ़ सिख समाज ने शहीदी नगर कीर्तन यात्रा का स्वागत किया

बेमेतरा। छत्तीसगढ़ सिख समाज ने गुरु तेग बहादुर साहिब के साढ़े 3 सौ साला शहीदी दिवस की याद में निकली शहीदी नगर कीर्तन यात्रा का स्वागत किया। यह यात्रा असम के धुबरी साहिब से 21 अगस्त को निकली है और पूरे देश के सभी प्रमुख राज्यों और जिलों से निकल कर संगत का आशीर्वाद प्राप्त कर रही है। छत्तीसगढ़ सिख समाज के प्रदेश अध्यक्ष सुखबीर सिंह सिंघोत्रा ने छत्तीसगढ़ सिख समाज के बेमेतरा के जिला अध्यक्ष हरदीप सिंह राजा छाबड़ा को शहीदी नगर कीर्तन का मध्यप्रदेश, मंडला के बाद छत्तीसगढ़ बॉर्डर के चिल्फी एवं बेमेतरा जिला में प्रवेश पर स्वागत करने की जिम्मेदारी सौंपी। हरदीप सिंह राजा छाबड़ा के नेतृत्व में अन्य सदस्यों ने पांच प्यारों को सरोपाओं भेंट कर उनका स्वागत किया। हरदीप सिंह राजा छाबड़ा ने गुरु ग्रंथ साहिब के सामने माथा टेक कर छत्तीसगढ़ के विकास और खुशहाली के साथ-साथ छत्तीसगढ़ में रहने वाले सिक्ख परिवारों की चढ़दीकला के लिए अरदास की। छत्तीसगढ़ सिख समाज की तरफ से हरदीप सिंह राजा छाबड़ा ने शहीदी नगर कीर्तन का मध्यप्रदेश के मंडला में स्वागत किया। छत्तीसगढ़ की संगत का सौभाग्य है कि शहीदी नगर कीर्तन के दर्शन और आवभगत करने का सारी साध संगत को मौका मिल रहा है। यह यात्रा छत्तीसगढ़ के लोगों के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर है और सिख समुदाय के लिए एक पवित्र अनुभव है। बेमेतरा के हरदीप सिंघ राजा छाबड़ा ने शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी एवं अकाल तख्त साहिब जी के सिंघ साहिबान, कमेटी के सदस्य का स्वागत किया। अमृतसर शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के सदस्य ने छाबड़ा का जताया आभार।

सिंघौरी स्कूल में स्वच्छता ही सेवा अभियान का किया गया आयोजन

बेमेतरा। विकासखंड के अंतर्गत शासकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय सिंघौरी में स्वच्छता ही सेवा अभियान 2025 के तहत स्वक्षता पखवाड़ा कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रार्थना सभा पर बच्चों को स्वक्षता शपथ दिलाया गया। तत्पश्चात शिक्षक सहित स्कूली बच्चों ने शाला परिसर के साथ साथ आस पास की साफ सफाई की गई। शिक्षकों द्वारा बच्चों को जीवन में साफ सफाई क्यों जरूरी है, स्वच्छता पखवाड़ा क्यों मनाया जा रहा है इस पर विस्तार से चर्चा कर बताया गया। संस्था प्रमुख मीनाक्षी शर्मा द्वारा बताया गया कि स्वच्छता ही सेवा के भाव से काम करना है। हमारे प्रधानमंत्री ने देश में स्वच्छता की जो मशाल जलाई है, उसे निरंतर आगे बढ़ाने के लिए सभी गांव, सभी शहरों तक स्वच्छता की अलख जगानी होगी। हमें स्वच्छता को रोज की दिनचर्या में शामिल करना है। जिससे स्वच्छ और स्वस्थ भारत का निर्माण हो। इससे पूर्व हिंदी दिवस के पर्व पर भी बच्चों द्वारा सुंदर सुंदर चित्रकला, रंगोली एंव गीत कविता ड्राइंग चार्ट पर लिख कर प्रदर्शित किए गए। श्राद्ध पक्ष की मातृ नवमी के दिन शाला परिसर में माँ को समर्पित एक पेड़ माँ के नाम के तहत पौधा रोपण भी किया गया। इस दौरान स्कूल में सरस्वती साहू,देवेंद्र साहू,नुतेश्वर चंद्राकर एंव प्रशांत बघेल भी उपस्थित रहे।

विश्वकर्मा जयंती व प्रधानमंत्री के जन्मदिन पर पर्यावरण प्रेमी संगठन ने लगाए पौधे

बेमेतरा। पर्यावरण प्रेमी संगठन जिला बेमेतरा के द्वारा हाई स्कूल मैदान कठिया रांका में विश्वकर्मा जयंती व प्रधानमंत्री के जन्मदिन के अवसर पर पौधारोपण किया गया। विश्वकर्मा जयंती के संदर्भ में डॉक्टर डीपी वर्मा ने बताया कि विश्वकर्मा हिन्दू धर्म में सृजन और वास्तुकला के देवता हैं, जिन्हें आदि इंजीनियर और देवताओं का शिल्पी माना जाता है। उनका इतिहास पौराणिक कथाओं में वर्णित है, जहाँ वे ब्रह्मा के नाभि-कमल से निकले ब्रह्माजी के पुत्र, वास्तुदेव के पुत्र माने जाते हैं। उन्होंने स्वर्गलोक, द्वारका, हस्तिनापुर और लंका जैसे शहरों का निर्माण किया, साथ ही विष्णु के सुदर्शन चक्र और शिव के त्रिशूल जैसे दिव्य अस्त्रों का भी निर्माण किया। विश्वकर्मा का दिवस (विश्वकर्मा जयंती) 17 सितंबर को मनाया जाता है, और औद्योगिक क्षेत्रों में इस दिन उनके औजारों और मशीनों की पूजा की जाती है, जो कारीगरों, शिल्पकारों और इंजीनियरों के लिए सम्मान का प्रतीक है। स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल कठिया के शिक्षक शिक्षिकाओं के द्वारा ऑक्सीजन जोन कठिया में पौधारोपण किया गया। पौधारोपण में गौकरण साहू (राजा) जनपद सदस्य, अश्वनी मानिकपुरी, डॉक्टर डीपी वर्मा बीजेपी सदस्य कार्यकारिणी, डॉक्टर शिवेंद्र त्रिपाठी भाजपा चिकित्सा प्रकोष्ठ, अध्यक्ष कृष्ण कुमार साहू, सचिव गणेश कुमार साहू, सदस्य गणेश सेठ, राजेश साहू, राजेंद्र निषाद, अक्षय साहू, केदार साहू, प्रकाश साहू, ओंकार साहू, रामकृष्ण सेन उपस्थित थे।

नगर में दुकालू यादव की जगराता आज, छालीवुड के कलाकार भी करेंगे शिरकत

डोंगरगांव नगर। छत्तीसगढ़ के प्रख्यात जससम्राट दुकालू यादव का 18 सितंबर को नगर में जगराता आयोजित है। स्थानीय कालेज मैदान में रात्रि 9 बजे से आयोजित जगराता में छालीवुड के सुप्रसिद्ध कलाकार मोनिका वर्मा, डेविड निराला, अभिषेक सोनकर व गरिमा ठाकुर भी अपनी प्रस्तुति देंगे। नगर के श्रीसिद्धि विनायक मंडल के बैनरतले आयोजित दुकालू यादव के जगराता में छत्तीसगढ़ के सुप्रसिद्ध फिल्म निर्माता निर्देशक मोहित साहू भी छालीवुड के फिल्मी कलाकार के साथ शिरकत करेंगे। आयोजकों के मुताबिक निर्माता निर्देशक मोहित साहू के प्रयासों एवं सहयोग से जगराता आयोजित है। साहू के साथ फिल्मी कलाकार अनुकृति चौहान और दीलेश साहू भी शिरकत करेंगे।

प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी 2.0 अंतर्गत 'अंगीकार अभियान 2025' के सफल क्रियान्वयन हेतु समिति का गठन

दल्लीराजहरा। छत्तीसगढ़ शासन नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग रायपुर के निर्देशानुसार प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी 2.0 अंतर्गत 'अंगीकार अभियान 2025' के सफल क्रियान्वयन हेतु समिति का गठन किया गया है। जिसके अंतर्गत कलेक्टर दिव्या उमेश मिश्रा समिति की अध्यक्ष होंगी। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुनील चंद्रवंशी एवं अपर कलेक्टर चंद्रकांत कौशिक समिति के सदस्य होंगे। इसी तरह मुख्य नगर पालिका अधिकारी बालोद मोबिन अली को सचिव, मुख्य नगर पालिका अधिकारी दल्लीराजहरा भूपेन्द्र वारडेकर, मुख्य नगर पालिका अधिकारी गुरूर श्रीनिवास पटेल, मुख्य नगर पालिका अधिकारी अर्जुंदा चंद्रकांत शर्मा, मुख्य नगर पालिका अधिकारी चिखलाकसा अरविंद योगी, मुख्य नगर पालिका अधिकारी डौण्डी संतोष देवांगन, मुख्य नगर पालिका अधिकारी डौण्डीलोहारा राजेश बैनर्जी, मुख्य नगर पालिका अधिकारी गुण्डरदेही किरण पटेल, मुख्य नगर पालिका अधिकारी पलारी गिरीश साहू समिति के सदस्य होंगे।

प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिन पर बीएसपी के द्वारा संचालित वनवासी कल्याण आश्रम के बच्चों के साथ केक काटा गया

दल्लीराजहरा। चैंबर इकाई दल्लीराजहरा के अध्यक्ष अमित कुकरेजा ने बताया कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 75 वें जन्मदिन के अवसर पर छग चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के प्रदेश अध्यक्ष सतीश थोरानी के आव्हान पर प्रदेश के हर जिले एवं इकाई में प्रधानमंत्री जन्मदिन मनाया जाए। उसी कड़ी में दल्ली राजहरा इकाई द्वारा बीएसपी के द्वारा संचालित वनवासी कल्याण आश्रम के बच्चों के साथ केक काटा गया एवं उन बच्चों को पेन, केक, बिस्किट, और फल वितरण किया गया। इस अवसर पर राजहरा व्यापारी संघ अध्यक्ष एवं प्रदेश चेंबर सलाकार गोविंद वाधवानी, जिला महामंत्री स्वाधीन जैन, इकाई महामंत्री भूपेंद्र ड़हरवाल, उपाध्यक्ष रमेश मित्तल, अशोक लोहिया, रमेश जैन, गुलाब कुकरेजा, पंकज छाजेड़, आलोक गुणधर, जयदीप गुप्ता, उपस्थित थे।

प्रधानमंत्री के जन्मदिन पर सेवा पखवाडा तहत स्वच्छता अभियान में शामिल हुए विधायक साहू

बेमेतरा। देश के प्रधानमंत्र नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस अवसर पर सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम के अंतर्गत बेमेतरा नगर में स्वच्छता अभियान की शुरुआत की गई। इस अभियान का प्रथम आयोजन श्री राम मंदिर परिसर में भारतीय जनता पार्टी शहर मंडल बेमेतरा द्वारा किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में बेमेतरा विधायक दीपेश साहू, नगर पालिका अध्यक्ष विजय सिन्हा उपस्थित रहे। सभी ने स्वच्छता अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाई और परिसर में साफ-सफाई कर समाज को स्वच्छता का संदेश दिया। विधायक दीपेश साहू ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वच्छ भारत मिशन के माध्यम से पूरे देश में स्वच्छता को जन-आंदोलन का रूप दिया है। उनका जन्मदिवस हम सभी के लिए सेवा और संकल्प का दिन है। स्वच्छता केवल अभियान नहीं, बल्कि यह जीवनशैली का हिस्सा होना चाहिए। हमें अपने घर, मोहल्ले और नगर को स्वच्छ रखने की जिम्मेदारी खुद उठानी होगी। स्वच्छता में सहभागिता ही सच्चे अर्थों में प्रधानमंत्री मोदी जी को हमारी ओर से जन्मदिवस का उपहार है। इस अवसर पर कार्यक्रम में उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं कार्यकर्ताओं ने भी स्वच्छता बनाए रखने का संकल्प लिया। सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत 02 अक्टूबर तक नगर में विभिन्न सामाजिक सेवा कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। इस दौरान पूर्व जिलाध्यक्ष राजेंद्र शर्मा हर्षवर्धन तिवारी शहर मण्डल अध्यक्ष युगल देवांगन पूर्व शहर मण्डल अध्यक्ष मोंटी साहू ओबीसी मोर्चा जिलाध्यक्ष राजू देवांगन भाजपा नेत्री निशा चौबे पार्षद पंचू साहू विकाश तम्बोली गौरव साहू लक्की साहू आकिब मलकानी नीतू कोठारी रोशन दत्ता सिमरन ताम्रकार विजय सुखवानी ललिता साहू धर्मेंद्र साहू डॉ विनय साहू संदीप यादव ममता साहू सावित्री रजक प्रेमलता नेमा गुप्ता ओमेश्वरी साहू जीतेन्द्र मात्रे डॉ नरेश साहू नारद साहू दीनानाथ साहू आशीष साहू ओमकार साहू भानूराम साहू नगर पालिका के समस्त पार्षदगण एवं भाजपा कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

नियमित ग्रामीण स्वास्थ्य संयोजक महिला एवं ग्रामीण स्वास्थ्य संयोजक पुरूष के द्वारा स्वास्थ्य संबंधी कार्यों का निर्वहन

दल्लीराजहरा। जिले के सभी स्वास्थ्य केन्द्रों में मरीजों को सुचारू रूप से स्वास्थ्य सुविधाएं दी जा रही है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि जिले में 196 उप स्वास्थ्य केन्द्र स्थापित हैं। जिसमें एनएचएम कर्मचारी अनिश्चितकालीन हड़ताल में होने के कारण वहां पदस्थ नियमित ग्रामीण स्वास्थ्य संयोजक महिला एवं ग्रामीण स्वास्थ्य संयोजक पुरूष के द्वारा स्वास्थ्य संबंधी कार्यों का निर्वहन किया जा रहा है। जिस उप स्वास्थ्य केन्द्र में नियमित कर्मचारी पदस्थ नहीं हैं, वहां वैकल्पिक व्यवस्था कर स्वास्थ्य सुविधा को सुचारू रूप से संचालित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि जिले के सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में नियमित डॉक्टर, नियमित आरएमए एवं अन्य नियमित स्टॉफ के द्वारा स्वास्थ्य सुविधा को सुचारू रूप से संचालन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों में बीपी शुगर एवं अन्य स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक दवाई उपलब्ध है, जो नियमित कर्मचारी द्वारा मरीजों को समय समय पर उपलब्ध कराया जा रहा है।

स्वच्छता दौड़, हजारों लोगों ने लिया हिस्सा, विधायक दीपेश साहू ने दिलाई स्वच्छता की शपथ

स्वच्छता दौड़ के साथ स्वच्छता ही सेवा पखवाड़े की शुरुआत

बेमेतरा। जिले में शहर की सड़कों पर एक अनोखा नजारा देखने को मिला। हाथों में बैनर-पोस्टर और स्वच्छता के नारे लिखी तख्तियां लिए हजारों की भीड़ स्वच्छता दौड़ में शामिल हुई। हर उम्र के लोग, बच्चे, महिलाएं, युवा और बुजुर्ग कदम से कदम मिलाकर चलते नज़र आए। इस अवसर पर स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा का विधिवत शुभारंभ किया गया। विधायक दीपेश साहू ने कहा प्रधानमंत्री का संकल्प, सबकी जिम्मेदारी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का स्वच्छ भारत अभियान केवल सफाई करने का कार्यक्रम नहीं है, बल्कि यह सोच और आदतों को बदलने का आंदोलन है। जब तक हम सब अपनी-अपनी आदतें नहीं बदलेंगे, तब तक शहर और गाँव की तस्वीर नहीं बदलेगी। स्वच्छता से ही स्वास्थ्य सुधरेगा, पर्यटन बढ़ेगा और विकास की गति तेज होगी। उन्होंने आगे कहा कि मुझे गर्व है कि बेमेतरा के लोग इस अभियान में बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं। यह केवल सरकारी प्रयास नहीं बल्कि हर नागरिक का दायित्व है। आज हम सबने मिलकर शपथ ली है कि स्वयं स्वच्छ रहेंगे और दूसरों को भी प्रेरित करेंगे।

कलेक्टर रणबीर शर्मा ने कहा हर नागरिक निभाए जिम्मेदारी

कार्यक्रम का नेतृत्व करते हुए कलेक्टर रणबीर शर्मा ने कहा कि स्वच्छता केवल सरकारी योजना नहीं बल्कि समाज की साझा जिम्मेदारी है। यदि हम सब मिलकर संकल्प लें तो बेमेतरा स्वच्छता और जनभागीदारी में पूरे प्रदेश का मॉडल बन सकता है। उन्होंने आगे बताया कि यह स्वच्छता पखवाड़ा 15 दिन तक चलेगा, जिसमें जागरूकता रैली, साफ-सफाई अभियान, शपथ ग्रहण, निबंध व चित्रकला प्रतियोगिता जैसे विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।कलेक्टर ने यह भी कहा कि जहां स्वच्छता होती है, वहां ईश्वर का वास होता है। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को न केवल अपने घर बल्कि आसपास के वातावरण को भी स्वच्छ रखना चाहिए।

एसएसपी रामकृष्ण साहू का संदेश सुरक्षा और स्वच्छता, दोनों अनिवार्य

पुलिस अधीक्षक ने कहा कि जैसे समाज की सुरक्षा हमारी प्राथमिकता है, वैसे ही स्वच्छता को भी समान महत्व देना होगा। बीमारियों से बचाव, स्वस्थ जीवन और बेहतर वातावरण के लिए स्वच्छता ही सबसे बड़ा हथियार है। बच्चों, स्वच्छता दीदी और महिलाओं की रही खास भागीदारी रैली में स्कूली बच्चों ने स्वच्छ भारत स्वस्थ भारत के नारे लगाते हुए वातावरण को जीवंत कर दिया। वहीं बड़ी संख्या में स्वच्छता दीदी भी शामिल हुईं। उन्होंने हाथों में झाड़ू और संदेश लिखी तख्तियां लेकर लोगों को स्वच्छता अपनाने के लिए प्रेरित किया। महिलाओं और युवाओं की उपस्थिति ने इस आयोजन को और विशेष बना दिया।

जनमानस में उमड़ा उत्साह : विधायक दीपेश साहू ने हज़ारों की भीड़ को स्वच्छता की शपथ दिलाई

दौड़ के अंत में सामूहिक शपथ ग्रहण का आयोजन हुआ, जिसमें अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों, विद्यार्थियों, स्वच्छता दीदी और नागरिकों ने एक स्वर में संकल्प लिया कि वे स्वयं स्वच्छ रहेंगे और दूसरों को भी प्रेरित करेंगे। पूरे कार्यक्रम का माहौल उत्साह और सकारात्मक ऊर्जा से भरा रहा।

इस अवसर पर विधायक दीपेश साहू, कलेक्टर रणबीर शर्मा, पुलिस अधीक्षक रामकृष्ण साहू, जिलाध्यक्ष अजय साहू, छत्तीसगढ़ रजककार बोर्ड के अध्यक्ष प्रहलाद रजक, नगर पालिका अध्यक्ष विजय सिन्हा, मुख्य कार्यपालन अधिकारी प्रेमलता मंडावी, जनपद पंचायत अध्यक्ष हेमा दिवाकर, योगेश तिवारी, पूर्व जिलाध्यक्ष राजेंद्र शर्मा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी, स्वच्छता दीदी तथा बड़ी संख्या में बच्चे व नागरिक उपस्थित थे।

नपंअध्यक्ष द्वारा नए बस स्टैंड परिसर की सफाई, मंडल भाजपा के बैनरतले नमोवन में पौधारोपण

डोंगरगांव नगर। नगर के भाजपाईयों ने नए बस स्टैंड परिसर में स्वच्छता अभियान चलाते हुए परिसर की साफ सफाई की। सेवा पखवाड़ा अंतर्गत प्रथम दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 75वें जन्मदिन के मौके पर मंडल भाजपा के मार्गदर्शन में आयोजित सफाई अभियान में नगर पंचायत अध्यक्ष अंजू त्रिपाठी सहित भाजपाईयों ने नए बस स्टैंड परिसर में सफाई की। भाजपा के राष्ट्रीय नेतृत्व के आव्हान पर 17 सितंबर से 02 अक्टूबर तक सेवा पखवाड़ा के प्रथम दिवस मंडल भाजपा के मार्गदर्शन में आयोजित सफाई अभियान दरम्यान नए बस स्टैंड परिसर में नेतागण दिनेश गाँधी व लक्ष्मीनारायण गुप्ता, मंडल अध्यक्ष दीना पटेल, महामंत्रीद्वय हेमंत चोपड़ा व डिकेश साहू, गुलशन हिरवानी, नपंउपाध्यक्ष रोहित गुप्ता व सभापति पुरुषोत्तम साहू व महेश्वर साहू सहित अनेक पार्षदगण एवं नगर के भाजपाई शामिल थे। इस दौरान नगर पंचायत के अधिकारी कर्मचारी सहित स्वच्छता कर्मियों ने स्वच्छता रैली निकालकर नागरिकों को प्रेरित किया।

नमोवन के लिए पौधारोपण

मंडल भाजपा के मार्गदर्शन में सेवा पखवाड़ा अंतर्गत आयोजित पौधारोपण अंतर्गत नगर के किला पहाड़ी में नमोवन के लिए भाजपाईयों ने 75 पौधे रोपे। इस मौके पर वनविभाग के अमले ने सहयोग प्रदान किया। भाजपाईयों ने नमोवन में अनेक फलदार व छायादार पौधों सहित विभिन्न प्रजाति के औषधियुक्त पौधे रोपित किये।

संक्षिप्त समाचार

संदिग्ध शराब सेवन के बाद दो युवकों की मौत, परिजनों का हंगामा, सड़क जाम

रायपुर। जिले के बिर्रा थाना क्षेत्र अंतर्गत करही गांव में शराब पीने के बाद दो युवकों की मौत का मामला सामने आया है। मृतकों की पहचान मनोज कश्यप और सूरज यादव के रूप में हुई है। घटना के बाद परिजनों और ग्रामीणों में भारी आक्रोश है, जिन्होंने जहरीली शराब से मौत की आशंका जताई है। बताया गया कि सोमवार दोपहर दोनों युवकों ने देशी शराब का सेवन किया, जिसके कुछ देर बाद उनकी तबीयत अचानक बिगड़ गई और वे बेहोश हो गए। परिजन तुरंत उन्हें इलाज के लिए सारंगढ़ के एक निजी अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन इलाज के दौरान ही दोनों की मौत हो गई। मौत की खबर मिलते ही परिजनों में शोक के साथ-साथ गुस्सा भी फूट पड़ा। परिजनों ने घटनास्थल से एक देशी शराब की बोतल मिलने का दावा करते हुए इसे ही मौत का कारण बताया। इसके विरोध में मंगलवार सुबह ग्रामीणों ने बिर्रा चौक पर चक्काजाम कर दिया, जिससे हसौद-शिवरीनारायण मार्ग और भटगांव-चांपा-कोरबा मार्ग पर आवागमन पूरी तरह बाधित हो गया। सारंगढ़ पुलिस ने मौके पर पहुंचकर दोनों शवों का पंचनामा कर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा और जीरो में मर्ग कायम कर मामला बिर्रा थाने को सौंप दिया है। बिर्रा थाना पुलिस और एसडीओपी ने करही गांव पहुंचकर जांच शुरू कर दी है और स्थानीय लोगों से पूछताछ की जा रही है।

उप स्वास्थ्य केंद्र में महिला सहकर्मी से दुष्कर्म,आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। कांकेर के पटौद स्थित उप स्वास्थ्य केंद्र में महिला हेल्थ अफसर के साथ सहकर्मी द्वारा दुष्कर्म किये जाने का मामला सामने आया है। बताया जाता है कि दुष्कर्म के दौरान पति ने पहुंचकर किसी तरह आरोपी के चंगुल से छुड़ाया। मामले में कोतवाली थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई गई हैद्ध मिली जानकारी के अनुसार पटौद उप स्वास्थ्य केंद्र में पीड़िता रूरल हेल्थ अफसर के पद पर पदस्थ है। उसकी बातचीत उप स्वास्थ्य केंद्र में ही पदस्थ सहकर्मी सुरेश कुमार मरपल्ली से होती थी। वर्तमान में नेशनल हेल्थ मिशन के कर्मचारियों के हड़ताल में होने के चलते बिते 15 सितंबर को उप स्वास्थ्य केंद्र में सिर्फ दोनों ही मौजूद थे। इस दौरान महिला को अकेली देखकर सहकर्मी सुरेश कुमार की नीयत बिगड़ गई और उसने महिला के साथ जबरदस्ती करते हुए बलपूर्वक दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया। जिस दौरान आरोपी दुष्कर्म की घटना को अंजाम दे रहा था उसी दौरान पीड़िता का पति वहां आ गया और अपनी पत्नी को आरोपी से छुड़ाया।

वृक्षारोपण में लापर वाही पर वन परिक्षेत्र अधिकारी निलंबित

रायपुर। गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही जिले के मरवाही वनमंडल अंतर्गत खोडरी वनपरिक्षेत्र के प्रभारी रेंजर मनीष श्रीवास्तव को गंभीर लापरवाही के चलते निलंबित कर दिया गया है। यह कार्रवाई बिलासपुर के मुख्य वन संरक्षक द्वारा की गई है। रेंजर श्रीवास्तव पर आरोप है कि उन्होंने ग्रीन क्रेडिट योजना के तहत किए जा रहे पौधरोपण कार्य को अधूरा छोड़ दिया और निर्धारित मानकों के विपरीत छोटे और अविकसित पौधों का उपयोग कराया। जानकारी के अनुसार, बीट क्रमांक 2210, सधवानी क्षेत्र में लगभग 15 हेक्टेयर भूमि पर वृक्षारोपण किया जाना था।

मुख्यमंत्री ने आदि सेवा पर्व पखवाड़ा का किया शुभारंभ

आदि कर्मयोगी लाएंगे जनजातीय गांवों में जमीनी बदलाव-मुख्यमंत्री

- 8370 विद्यार्थियों को 6.2 करोड़ रुपये छात्रवृत्ति व भोजन सहायता राशि ऑन लाइन जारी

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के जन्म दिवस के अवसर पर राजधानी रायपुर स्थित सड्डू के प्रयास आवासीय विद्यालय में आदि सेवा पखवाड़ा का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि आदि कर्मयोगी अभियान जनजातीय गांवों के जमीनी बदलाव की दिशा में ऐतिहासिक भूमिका निभाएगा। मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रदेश की 3 करोड़ जनता की ओर से प्रधानमंत्री श्री मोदी को जन्मदिन की बधाई दी और उनके शतायु एवं दीर्घायु जीवन की कामना की। कार्यक्रम में अनुसूचित जाति विकास मंत्री गुरु खुशवंत साहेब, विधायक श्री मोतीलाल साहू सहित अनेक जनप्रतिनिधि उपस्थित थे। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि इस अभियान के अंतर्गत प्रदेश के सभी जनजातीय गांवों का ट्राइबल विजन डाक्यूमेंट 2030 तैयार किया जाएगा, जो दीर्घकालीन विकास का रोडमैप बनेगा। आगामी 2 अक्टूबर को आयोजित ग्राम सभाओं में इसका अनुमोदन किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने आज मध्यप्रदेश के धार से इस अभियान का राष्ट्रव्यापी शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि आदि कर्मयोगी अभियान का उद्देश्य जनजातीय गांवों में नेतृत्व क्षमता का विकास करना है। इसके तहत ऐसे वालंटियर चिन्हांकित किए जाएंगे जो गांव की बेहतरी के लिए विजन रखते हों

और उसे जमीनी स्तर पर लागू कर सकें। देशभर में 20 लाख वालंटियर तैयार करने का लक्ष्य है, जिनमें से छत्तीसगढ़ के 6,650 गांवों में 1 लाख 33 हजार वालंटियर तैयार किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि सरकार ने आदि सेवा केंद्रों की स्थापना भी की है, जहां ग्रामीण शासन की सेवाओं का लाभ उठा सकेंगे और अपनी शिकायतें भी दर्ज कर सकेंगे। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि हमारे देश की जनजातीय विरासत गौरवशाली रही है। राज्य सरकार शहीद वीरनारायण सिंह और गुंडाधुर जैसे जनजातीय नायकों के आदर्शों से प्रेरणा लेकर आगे बढ़ रही है। नवा रायपुर में जनजातीय नायकों की स्मृतियों को सहेजने के लिए म्यूजियम का निर्माण किया जा रहा है। वहीं ट्राइबल म्यूजियम में छत्तीसगढ़ की जनजातीय संस्कृति की सुंदर झलक प्रस्तुत की गई है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी द्वारा जनजातीय गांवों के लिए पीएम जनमन योजना तथा धरती आबा जनजातीय उत्कर्ष ग्राम अभियान के अंतर्गत दिए गए बजट के अनुरूप तेजी से कार्य हो रहा है। जिन क्षेत्रों तक विकास की गति अभी पूर्ण रूप से नहीं पहुँची है, वहाँ अब आदि कर्मयोगी अभियान के माध्यम से प्रत्येक घर तक विकास पहुँचाया जाएगा और समाज की मुख्यधारा से जोड़ा जाएगा। आदिम जाति विकास मंत्री श्री रामविचार नेताम ने कहा कि आदि कर्मयोगी अभियान प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की दूरदृष्टि का परिणाम है। इसके माध्यम से देश के 11 करोड़ से अधिक आदिवासियों के विकास को नई दिशा और गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि देश ही नहीं, बल्कि दुनिया में लोकप्रिय नेता और नए भारत के निर्माता प्रधानमंत्री श्री मोदी के प्रयास से ही 2047 तक विकसित भारत का संकल्प अवश्य पूरा होगा। हमारी सरकार सेवा, समर्पण और मिशन मोड पर आदि कर्मयोगी अभियान को आगे बढ़ा रही है। रायपुर लोकसभा सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी सबका साथ-सबका विकास के सिद्धांत पर कार्य कर रहे हैं और आदि कर्मयोगी अभियान से जनजातीय समाज का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित होगा। आदिम जाति विकास विभाग के प्रमुख सचिव श्री सोनमणी बोरा ने विभागीय प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए बताया कि प्रदेश के 6,650 गांवों में 1 लाख 33 हजार आदि साथी व आदि सहयोगी तैयार किए जा रहे हैं। ये सहयोगी आदिवासी परिवारों से उनकी भाषा में संवाद कर उनकी समस्याओं व अपेक्षाओं को समझेंगे और विकास की दिशा तय करने में सहभागी बनेंगे। उन्होंने कहा कि आगामी राज्योत्सव तक 50 हजार आदि कर्मयोगी तैयार करने का लक्ष्य है।

फर्जी सिम बेचने वाले 6 आरोपी पकड़ाये......

रायपुर। राजधानी रायपुर की सिविल लाईन थाना पुलिस ने ऑपरेशन साइबर शील्ड के तहत फर्जी सिम कार्ड बेचने वाले 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया है जिनमें 2 महाराष्ट्र के निवासी है। मामले में आरोपियों के खिलाफ धारा-317 (2), 317 (4), 317 (5), 3 (5) बीएनएस, 42 (3) टेलीग्राफ एक्ट पंजीबद्ध किया गया है। उक्त अपराध में छत्तीसगढ़ एवं अन्य राज्यों के पीड़ितों के साथ 18.52 लाख रुपए की साइबर धोखाधड़ी की रिपोर्ट दर्ज है, जिसमें 41 मोबाइल सिम कार्ड संलिप्त हैं। अपराध की विवेचना रेंज साइबर थाना रायपुर द्वारा की जा रही है। विवेचना क्रम में अपराध में संलिप्त मोबाइल सिम की जानकारी संबंधित सिम सेवा प्रदाता कंपनी से प्राप्त की गई। बता दें कि तकनीकी विश्लेषण, पीड़ितों एवं साक्षियों से पूछताछ से प्राप्त तथ्यों के आधार पर फ र्जी सिम कार्ड बेचने वाले 2 प्वाइंट ऑफ सेल को पूर्व में गिरफ्तार किया गया था। गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ और तकनीकी विश्लेषण से प्राप्त तथ्य के आधार पर अन्य आरोपी फर्जी सिम विक्रेता निखिल चावला, बॉबी खत्री, शिवानंद चौहान, नागेश्वर चक्रधारी, जगमोहन भारती, प्रियेश यादव को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया है। गिरफ्तार आरोपियों से 100 से अधिक प्री एक्टिवेटेड सिम बरामद हुए हैं जिनका विश्लेषण किया जा रहा है। मामले में पुलिस ने शिवानंद चौहान पिता लक्ष्मीप्रसाद चौहान उम्र 34 वर्ष पता देवला, नासिक, महाराष्ट,प्रियेष यादव पिता विनोद यादव।

अश्लील पार्टी का आयोजन यहां की संस्कृति को खत्म करने की साजिश

रायपुर। राजधानी रायपुर में न्यूड पार्टी ड्रग्स पार्टी अश्लील पार्टी की आयोजन की तैयारी के लिये भाजपा सरकार को जिम्मेदार ठहराते हुए प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि माता कौशल्या की नगरी भगवान मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम जी के ननिहाल में भाजपा सरकार में राजधानी में नग्न डांस न्यूड पार्टी ,ड्रग्स पार्टी अश्लीलता परोसने की तैयारी थी। पहले भी इस प्रकार से अश्लील पार्टियों का आयोजन हो चुका है लेकिन सरकार में बैठे लोग बेखबर रहे हैं बेहद निंदनीय और आपत्तिपूर्ण है। किस प्रकार से अश्लील कार्यक्रम आयोजित कर छत्तीसगढ़ की संस्कृति नष्ट करने की साजिश रची जा रही है। सोशल मीडिया में पोस्टर जारी

कर न्यूड पार्टी के आयोजन एवं पंजीयन कराने के लिए लड़कियों कपल को आमंत्रित किया जा रहा है बाकायदा उसमें मोबाइल नंबर भी अंकित है और महिलाओं एवं लड़कियों को निर्वस्त्र आने के लिए आमंत्रित किया जा रहा है। प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि न्यूड पार्टी को लेकर गृहमंत्री विजय शर्मा का मेरी जानकारी में नही है बयान देना गैर जिम्मेदाराना है चिंता जनक है।इससे पता चलता है कि गृहमंत्री कानून व्यवस्था को लेकर कितना सजग है तभी प्रदेश में अपराधिक घटनाएं बढ़ी है चंद लोग पैसा कमाने की होड़ में कानून को ठेका दिखाकर अनैतिक कार्यों को बढ़ावा दे रहे हैं। राजधानी में किस प्रकार से अनैतिक आयोजन हो जा रहे हैं और प्रशासन के कान में जु नही रेंगना बेहद दुर्भाग्य जनक है कांग्रेस पार्टी जब विरोध करने उतरी तब प्रशासन को चेत आया तब कार्यवाही कर रहे हैं। विरोध नहीं होता तो न्यूड़ पार्टी आयोजन करने वाले सफ्ल हो जाते और प्रदेश की संस्कृति और संस्कार को अपमानित करते। इस प्रकार के आयोजन से युवा पीढ़ी में गलत संदेश जाता है युवा पीढ़ी भटकाव की ओर बढ़ता है।

मछली पालन के साथ-साथ झींगा पालन हेतु कार्यशाला का आयोजन किया गया

रायपुर/ संवाददाता

जिला पंचायत सभाकक्ष में कलेक्टर श्री एस. जयवर्धन एवं जिला पंचायत सीईओ श्री विजेन्द्र पाटले के मार्गदर्शन में डॉ. पौलोभी बनर्जी, हेड ई.एस.जी. आई बी ग्रुप राजनांदगांव, डॉ0 मोहन दास, हेड श्रींफ फ्डि आई बी ग्रुप, श्री षिवेन्द्र कुमार दुबे, सीएसआर मैनेजर आई बी ग्रुप, श्री सूर्य प्रकाश नेताम, तकनीकी मैनेजर आई बी ग्रुप की उपस्थिति में मछली पालन के साथ-साथ झींगा पालन हेतु कार्यशाला का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम श्री एम.एस. सोनवानी सहायक संचालक मछली पालन द्वारा जिले में मत्स्य पालन हेतु उपलब्ध जल संसाधनों एवं अद्योसंरचनाओं के संबंध में आधारभूत जानकारी दिया गया। जहां कुल 1158 ग्रामीण तालाब/सिंचाई जलाशय जलक्षेत्र 1973.00 हे0 उपलब्ध है। जिले में पंजीकृत मछुआ सहकारी समिति एवं मछुआ स्वयं सहायता समूह व निजी 1790 मत्स्य कृषक मछली पालन व्यवसाय से जुड़े हुये हैं। डॉ0 पौलोभी बनर्जी, हेड ई.एस.जी. आई बी ग्रुप द्वारा झींगा पालन के उद्देश्य एवं पूर्ति हेतु जिला सूरजपुर में अपार संभावनाओं के संबंध में चर्चा किया गया। वैज्ञानिक डॉ. मोहन दास ने झींगा पालन के संबंध में स्थान का चयन, पानी का परीक्षण, तालाब निर्माण, जल प्रवाह की व्यवस्था, झींगा बीज का चयन, वृद्धि पर निगरानी, खाद्य प्रबंधन, स्वास्थ्य एवं रोग नियंत्रण, जल परिवर्तन और सफाई, संग्रहण व विपणन के संबंध में विस्तृत जानकारी दिया। श्री शिवेन्द्र कुमार दुबे एवं श्री सूर्य प्रकाश नेताम ने भी तकनीकी मार्गदर्शन दिया। प्रगतिशील मत्स्य कृषक श्री नरेन्द्र सिंह ग्राम बसदेई, श्री राकेश गुप्ता ग्राम केंवटाली, श्री शैलेन्द्र सिंह ग्राम आमगांव, श्री भोले सिंह ग्राम लक्ष्मीपुर के द्वारा भी अपने अनुभव का साझा करते हुये समस्याओं के बारे में अपना-अपना बात रखा। कलेक्टर श्री एस. जयवर्धन के द्वारा उपस्थित कृषकों को मत्स्य पालन एवं उत्पादकता पर विशेष ध्यान देने हेतु संबोधित किया जिससे कृषकों की आय में वृद्धि हो सके। साथ ही सहायक संचालक मछली पालन एवं एनआरएलएम की टीम को जिले में मत्स्य पालन के साथ झींगा पालन की संभावनाओं को देखते हुये हैचरी/संवर्धन, कृषकों को उपलब्ध संसाधन, उन्नत किस्म के बीज एवं फीड की उपलब्धता के संबंध में विस्तृत कार्य योजना तैयार करने हेतु निर्देशित किया गया।

भाजपा सरकार मुफ्त बिजली का झांसा देकर जनता को लूट रही...

रायपुर। साय सरकार के द्वारा बिजली बिल हाफयोजना बंद किये जाने से जनता परेशान हो गयी है। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि भाजपा सरकार द्वारा बिजली बिल हाफ योजना बंद किये जाने का असर इस माह के बिजली बिल में साफदिखने लगा है। इस माह लोगों को बिजली बिल दुगुना आया है। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार ने 400 यूनिट तक की खपत पर हाफबिल योजना शुरू की थी। उस समय 400 यूनिट से अधिक खपत होने पर भी 400 यूनिट तक का आधा बिल ही आता था। लेकिन वर्तमान सरकार ने नियम बदल दिया है। अब केवल 100 यूनिट तक की

खपत पर ही आधे बिल का लाभ दिया जा रहा है। 100 यूनिट से एक यूनिट भी अधिक होने पर पूरा बिल जनता को देना पड़ रहा है। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि कांग्रेस की सरकार ने 5 वर्षों तक विपरीत परिस्थितियों में भी बिजली उपभोक्ताओं को राहत देने के लिए बिजली बिल हाफ योजना शुरू किया था जिसका लाभ प्रदेश के 54 लाख घरेलू उपभोक्ताओं को मिलता था जिसे 5 साल में लगभग प्रत्येक उपभोक्ता का 40 से 50 हजार रु. तक की बचत हुई है। कांग्रेस सरकार द्वारा शुरू किये गये 400 यूनिट बिजली बिल हॉफ के दायरे में प्रदेश का लगभग हर उपभोक्ता आता था। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि हाफ बिजली योजना बंद करने और मीटर बदलने के कारण प्रदेश भर से अनाप-शनाप बिजली बिल आने की शिकायत लगातार आ रही है, स्मार्ट मीटर के नाम पर अधिक बिल उपभोक्ताओं को भेजा जा रहा है, अब तो जनता को लूटने के लिए अडानी की कंपनी का प्रीपेड मीटर भी लगाने की तैयारी है।

अवैध शराब के साथ एक गिरफ्तार हुए......

रायपुर। जिले की बिरेझर चौकी पुलिस ने ग्राम मड़ेली में अवैध शराब बिक्री ने करने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार किया है तथा उसके पास से 33 पौवा शोले देशी शराब तथा बिक्री रकम जब्त किया है। मामले में आरोपी के खिलाफ धारा 34(2) आबकारी एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया है। बता दें कि एसपी धमतरी के निर्देश पर अवैध रूप से मादक पदार्थों की बिक्री एवं परिवहन के विरुद्ध धमतरी पुलिस द्वारा लगातार कड़ी कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में चौकी बिरेझर को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम मड़ेली भाटापारा में एक व्यक्ति अपने घर के सामने सफेद बोरी में शराब रखकर अवैध बिक्री कर रहा है। सूचना मिलते ही चौकी प्रभारी एवं स्टाफ ने तत्काल घेराबंदी कर शराब रेड कार्यवाही की। पुलिस को देखकर शराब खरीदने आए लोग भाग खड़े हुए और संदेही भी भागने का प्रयास कर रहा था, जिसे दौड़ाकर पकड़ा गया। पूछताछ में संदेही ने अपना नाम जितेन्द्र साहू उर्फ राजु पिता स्व. दिनदयाल साहू उम्र 36 वर्ष, निवासी मड़ेली भाठापारा बताया। तलाशी के दौरान आरोपी के पास से 33 नग देशी शोले मसाला शराब (प्रत्येक 180 एमएल) कुल 5.940 बल्क लीटर, जिसकी अनुमानित कीमत 3300 है, तथा बिक्री की नकद रकम 210 रूपये सहित कुल 3510 रूपये की सामग्री जब्त की गई। आरोपी के विरुद्ध धारा 34(2) आबकारी एक्ट के तहत अपराध दर्ज करते हुए उसे गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया।

स्वच्छता की दिलाई शपथ

सीएम साय ने स्वच्छता सुपर लीग के टूल-किट का किया विमोचन

- अनेक शहरों में पीएम आवास योजना के 11 हजार लाभार्थियों को कराया गृहप्रवेश
- आवास योजना के हितग्राहियो को भवन निर्माण अनुज्ञा पत्र और पीएम स्वनिधि के लाभार्थियों को वितरित किए चेक

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय आज नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के स्वच्छता, आवास और लोक कल्याण उत्सव में शामिल हुए। उन्होंने राजधानी रायपुर के पंडित जवाहर लाल नेहरू शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय के श्री अटल बिहारी बाजपेयी सभागार में आयोजित कार्यक्रम में 'स्वच्छता ही सेवा' और 'अंगीकार-2025' अभियान तथा प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना 2.0 एवं लोक कल्याण मेला का राज्य स्तरीय शुभारंभ किया। उन्होंने विभिन्न नगरीय निकायों में प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के 11 हजार लाभार्थियों को गृहप्रवेश भी कराया। उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री श्री अरुण साव, सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल, विधायकद्वय श्री राजेश मूणत और श्री सुनील सोनी तथा रायपुर नगर निगम की महापौर श्रीमती मीनल चौबे भी कार्यक्रम में शामिल हुईं। मुख्यमंत्री श्री साय और अन्य अतिथियों ने कार्यक्रम में राज्य स्तरीय स्वच्छता सुपर लीग के टूल-किट का विमोचन किया। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0 के अंतर्गत हितग्राहियों को उनके स्वीकृत आवासों के भवन निर्माण अनुज्ञा पत्र तथा पीएम स्वनिधि के लाभार्थियों को चेक वितरित किए। उन्होंने रायपुर नगर निगम के दिवंगत कर्मियों के परिजनों को अनुकंपा नियुक्ति पत्र भी दिए। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में मौजूद सभी लोगों को स्वच्छता की शपथ भी दिलाई। उन्होंने रायपुर नगर निगम और अन्य नगरीय निकायों में स्वच्छता को समर्पित डोर-टू-डोर कचरा कलेक्शन वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कार्यक्रम में विश्वकर्मा जयंती

और प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को जन्मदिन की बधाई देते हुए कहा कि देश को स्वच्छता और स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने में प्रधानमंत्री श्री मोदी ने बड़ा काम किया है। स्वच्छता अब लोगों की आदत में शुमार हो गया है। उन्होंने कहा कि घर के अंदर और बाहर साफ-सफाई केवल महिलाओं का ही दायित्व नहीं है, बल्कि यह पुरूषों का भी काम है। उन्होंने देश में स्वच्छता को इस मुकाम तक पहुंचाने के लिए प्रधानमंत्री को धन्यवाद दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वच्छ सर्वेक्षण-2024-25 में छत्तीसगढ़ को सात राष्ट्रीय पुरस्कार मिले हैं। बीस हजार से कम आबादी वाले देश के 100 सबसे स्वच्छ शहरों में अकेले छत्तीसगढ़ के 58 शहर शामिल हैं। उन्होंने इस उपलब्धि के लिए नगरीय निकायों में काम कर रहे स्वच्छता दीदियों, सफाई कर्मियों और वहां के नागरिकों को धन्यवाद देते हुए रैंकिंग में आगे और भी सुधार करने को कहा। उन्होंने कहा कि हम विकसित छत्तीसगढ़ और विकसित भारत बनाने के लिए अपने विजन डॉक्युमेंट-2047 के अनुरूप काम कर रहे हैं। उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने अपने संबोधन में कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने पिछले 11 वर्षों में देश के एक-एक व्यक्ति की चिंता की है। 'सबका साथ सबका विकास' के ध्येय पर चलते हुए देश को आगे बढ़ाने का काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0 में 'अंगीकार-2025' अभियान के तहत हर पात्र परिवार तक आवास पहुंचाने का काम किया जा रहा है। इसके लिए 4 सितम्बर से 31 अक्टूबर तक यह विशेष अभियान संचालित है। स्ट्रीट वेंडर्स को आगे बढ़ाने और उनके कल्याण के लिए भारत सरकार प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना 2.0 लेकर आई है। आज से पूरे प्रदेश में यह लागू हो रहा है। उन्होंने कहा कि आज से प्रारंभ हो रहे स्वच्छता ही सेवा अभियान से हर व्यक्ति को जोड़कर स्वच्छता को जन आंदोलन बनाया जाएगा। श्री साव ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में हम राज्य के सभी शहरों को स्वच्छ, सुंदर और सुविधापूर्ण बनाने के लिए काम कर रहे हैं। हर शहर में नागरिकों के लिए सुविधाएं बढ़ा रहे हैं। नगरीय प्रशासन विभाग के सचिव डॉ. बसवराजु एस. ने कार्यक्रम में अपने स्वागत भाषण में आज से प्रारंभ हो रहे अभियानों और योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आज से शुरू हो रहा स्वच्छता पखवाड़ा इस बार 'स्वच्छोत्सव' के रूप में मनाया जा रहा है।

संपादकीय

नेपाल की चुनौती

नेपाल में जेन-जेड ने जिस आंदोलन की शुरुआत की, अब वक्त है उसे अंजाम तक ले जाने का। हिंसा और अराजकता की स्थिति को जल्द से जल्द खत्म करने की जरूरत है। अंतरिम सरकार संभालने के लिए चर्चा में कई नाम हैं और इनमें से किसी एक पर सहमति बनाना चुनौतीपूर्ण हो सकता है।

इसमें राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल और नेपाली सेना की भूमिका अहम हो जाती है। अच्छी बात यह है कि सड़कों पर आक्रोश जताने वाली नई पीढ़ी अब संवाद की तरफ बढ़ रही है। जेन-जेड ने इतना बड़ा आंदोलन बिना किसी चेहरे के खड़ा किया। यह भ्रष्टाचार, बेरोजगारी, भाई-भतीजावाद और सरकार की नाकामी से उपजा गुस्सा था, जिसके चलते युवा सड़कों पर उतरते चले गए। उन्होंने केपीएस ओली की सरकार को तो उखाड़ दिया, लेकिन अब देश को नया नेतृत्व चाहिए। युवाओं को मौजूदा राजनीतिक व्यवस्था पर भरोसा नहीं और इसलिए वे बाहर से किसी ईमानदार छवि वाले शख्स को चाहते हैं। अंतरिम सरकार के सामने सबसे पहली चुनौती कानून-व्यवस्था को बहाल करने की होगी। अभी पूरे देश में सेना ने कमान संभाल रखी है, हालात तनावपूर्ण बने हुए हैं।

नेपाल पहले भी इस तरह का संकट देख चुका है और कोई नहीं चाहता कि वैसी स्थिति दोबारा बने। दूसरी चुनौती होगी जितनी जल्दी हो सके, निष्पक्ष चुनाव कराकर चुनी हुई सरकार को सत्ता सौंपने की। राजनेताओं और मौजूदा राजनीतिक पार्टियों को लेकर जनता में गहरी नाराजगी है, लेकिन लोकतांत्रिक प्रक्रिया में किसी को भागीदारी से रोका नहीं जा सकता। देखना होगा कि अंतरिम सरकार कैसे बैलेंस बनाती है। संवैधानिक व्यवस्था पर भरोसा । नेपाल में कुछ अरसे से राजशाही की वापसी की मांग चल रही है। इस आंदोलन के दौरान भी यह चर्चा फिर जोर पकड़ी। हालांकि इसे सकारात्मक माना जाना चाहिए कि राजनेताओं के प्रति अविश्वास के बावजूद जेन जेड का भरोसा संवैधानिक व्यवस्था में बना हुआ है। हालांकि वे 2015 के संविधान में संशोधन की मांग कर रहे हैं। नेपाल का लोकतंत्र अभी दो दशक पुराना भी नहीं हुआ और दुर्भाग्य से इतने कम समय में ही इस देश ने चुनावी राजनीति की सारी बुराइयां देख लीं। जेन जेड का आक्रोश बरसों से जनता के मन में दबे असंतोष का परिणाम है। यह वो पॉइंट है, जहां लिया गया हर एक फैसला नेपाल का भविष्य तय करेगा। और किसी भी फैसले में आम लोगों की आकांक्षाओं को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

उन्होंने घोषणा की राममंदिर जाति-भेद का नहीं, समरसता और समर्पण का प्रतीक होगा। यह शिला हिंदू समाज की एकता की नींव बनेगी ।उस दिन की शिला ईंट नहीं, एकता की आधारशिला थी। पत्थर नहीं, परस्पर प्रेम का प्रतीक थी। 1990 की कारसेवा में अयोध्या को सैनिक छावनी में बदलकर जब मुलायम सिंह यादव ने कहा कि यहां परिंदा भी पर नहीं मार सकता तो उस परिंदे के पंखों में प्राण-शक्ति फूंकने वाले महंत अवेद्यनाथ जी ही थे। जब पुलिस की गोलियां कारसेवकों पर बरसीं, तब भी महंतश्री का संकल्प अडिग रहा। 30 अक्टूबर 1991 को कारसेवकों को श्रद्धांजलि देते हुए उनका उद्घोष गूंजा कि राम मंदिर किसी की दया से नहीं, हिंदुओं के शौर्य से बनेगा। उनके इस वचन ने आंदोलन को अमराग्नि की ज्वाला में बदल दिया।

राष्ट्रसंत की राष्ट्र आराधना का सनातन पथ

(प्रणय विक्रम सिंह)

समाज के आकाश में जब-जब अंधकार के बादल गहराए, जब अन्याय और असमानता की आंधियां जनमानस को झकझोरने लगीं, और जब सनातन संस्कृति की सरिता पर संक्रमण की छाया छाने लगी, तब कोई संत दीप बनकर दिशा दिखाने आता है, ज्योति बनकर जनपथ को आलोकित करता है। राष्ट्रसंत, ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी महाराज वही दिव्य दीप थे, जो स्वयं जलकर भी युगों तक समूचे समाज को उजियारा देते रहे।

वे उस दीपशिखा की तरह थे, जो तमस को तपाकर प्रकाश में बदल देती है। उस पावन गंगा-धारा की तरह, जो ऊंच-नीच की शिलाओं को चीरकर समरसता का समतल रचती है। और उस वज्र-संकल्प जैसे, जो राममंदिर आंदोलन के रण में आस्था को विजय का वरण कराता है।

हिमालय की उपत्यकाओं में 1921 में जन्मे कृपाल सिंह बिष्ट ने समय की धाराओं को चीरते हुए गोरक्षपीठ के महंत अवेद्यनाथ का रूप धारण किया। गुरु महंत दिग्विजयनाथ से मिली विरासत केवल मठ की परंपरा नहीं, बल्कि धर्म, समाज और राष्ट्र की दिशा दिखाने का दायित्व था। अवेद्यनाथ जी ने इस पावन ध्वज को न केवल संभाला, बल्कि उसे आकाश की ऊंचाइयों तक पहुंचाया। वे तपस्वी भी थे और तर्कशक्ति से परिपूर्ण योद्धा भी। समाज के सेवक भी थे और राष्ट्रधर्म के संगठक भी।

सामाजिक समरसता के साधक -भेदभाव के विरुद्ध भव्य पुकार

महंत अवेद्यनाथ जी ने गोरक्षपीठ को केवल साधना और उपासना का केंद्र नहीं रहने दिया, बल्कि उसे सेवा, संस्कार और समरसता का सशक्त सेतु बना दिया। मीनाक्षीपुरम में हुए सामूहिक धर्मांतरण ने उनके अंतर्मन को गहराई तक उद्वेलित किया। यह आघात केवल आस्था पर आक्रमण नहीं था, बल्कि समाज की संवेदना पर असमानता का असहनीय आघात था। उसी क्षण उन्होंने प्रण किया कि भेदभाव की दीवार ढहाना और भाईचारे की बुनियाद गढ़ना ही उनकी तपस्या होगी।

उन्होंने समाज को यह स्मरण कराया कि सनातन की मूल आत्मा ही समरसता है। वह संस्कृति, जो प्राणि मात्र से प्रेम का संदेश देती है, और वह जीवन-पद्धति, जो नर-सेवा को नारायण-सेवा के समतुल्य मानती है, उसमें छुआछूत और ऊंच-नीच का कोई स्थान नहीं हो सकता। इसी दृष्टि से आरंभ हुआ सहभोज का समरस अभियान।

वे स्वयं दलित बस्तियों में पहुंचे, संतों और आचार्यों को साथ लेकर वंचित समाज के बीच बैठे, और थालियों में प्रेम परोसकर समानता का संदेश दिया। काशी में डोमराजा के घर संत-महात्माओं के संग भोजन करना केवल परंपरा को चुनौती देना नहीं था, बल्कि यह शताब्दियों से जमी विषमता पर वज्राघात और समानता की संजीवनी, समरसता की सरस्वती का सजीव उद्घोष था। गोरखपुर और पूर्वांचल के गांवों में जब उन्होंने सहभोज किया, तो वह भोजन नहीं रहा, वह बंधुत्व का बिगुल और भाईचारे का ब्रह्मनाद बन गया।

वे बार-बार स्मरण कराते थे कि श्रीराम ने शबरी के बेर स्वीकारे, निषादराज को गले लगाया और जटायु का संस्कार किया, यही है समरस समाज का सनातन संदेश।

उनकी दृष्टि में दुर्गा की आठ भुजाएं केवल दैवीय आयुध नहीं थीं, बल्कि समाज के चारों वर्णों की संयुक्त शक्ति का प्रतीक थीं। वे कहा करते थे कि जब वर्ण मिलेंगे, वर्ग संगठित होंगे और समाज एक सूत्र में बंधेगा, तभी वह दुर्गा-शक्ति की भांति दुर्जेय और अजेय बनेगा।

इस प्रकार महंत अवेद्यनाथ जी का प्रत्येक कार्य भेदभाव के विरुद्ध भव्य पुकार, प्रत्येक अभियान समरसता का सशक्त संदेश और प्रत्येक संकल्प समानता के संग्राम का साक्षी था।

छुआछूत की जड़ें जलाकर,
समरसता का दीप जलाया।
भेद मिटाकर, भक्ति मिलाकर,
बंधुत्व का बिगुल बजाया॥
नर-सेवा में नारायण देखा,
प्राणि-मात्र में परमात्मा पाया।
महंत अवेद्यनाथ ने जीवनभर,
सनातन का सन्देश सुनाया॥

राम मंदिर आंदोलन के अग्रदूत - आस्था के अरुणोदय

महंत दिग्विजयनाथ जी से मिली परंपरा को महंत अवेद्यनाथ जी ने संकल्प की सरिता और संघर्ष की सरस्वती में रूपांतरित कर दिया। यह केवल विरासत का निर्वाह नहीं था, बल्कि उसे जन-जन की चेतना और राष्ट्र की धड़कन में बदल देने का संकल्प था। उनका योगदान संगठनात्मक कौशल से कहीं आगे, समाज की आत्मा को जाग्रत करने का अभियान था।

सन 1984 में जब श्रीराम जन्मभूमि मुक्ति यज्ञ समिति का गठन हुआ, तो महंत अवेद्यनाथ सर्वसम्मति से अध्यक्ष चुने गए। उद्घाटन सभा में उनका उद्घोष गूंजा राम केवल अयोध्या के राजा नहीं, वे भारत की आत्मा हैं। जब तक जन्मभूमि बंधनमुक्त नहीं होगी, तब तक यह आत्मा चैन से नहीं बैठ सकती।

उनकी पुकार पर शैव और वैष्णव, संत और महात्मा, धर्माचार्य और तपस्वी सभी एक मंच पर संगठित हुए। यह दृश्य ऐसा था, मानो विभिन्न नदियां मिलकर गंगा का रूप ले रही हों।

1986 में जब अदालत के आदेश से रामलला का ताला खुला, तो यह केवल एक ताले का खुलना नहीं था, बल्कि शताब्दियों से जकड़ी आस्था का कपाट खुलना था। महंतश्री ने उसी समय घोषणा की आज अयोध्या में केवल द्वार नहीं खुले हैं, आज हिंदू समाज की आत्मा के बंधन टूटे हैं। उनका स्वर उस क्षण आस्था का आलोक बनकर पूरे राष्ट्र में फैल गया।

9 नवंबर 1989 को शिलान्यास का शुभक्षण आया। महंत अवेद्यनाथ जी ने पहली शिला रखने का सम्मान अनुसूचित जाति के साधक कामेश्वर चौपाल को दिया। यह केवल शिलान्यास नहीं, बल्कि समरसता का शंखनाद था। उन्होंने घोषणा की राममंदिर जाति-भेद का नहीं, समरसता और समर्पण का प्रतीक होगा। यह शिला हिंदू समाज की एकता की नींव बनेगी।उस दिन की शिला ईंट नहीं, एकता की आधारशिला थी। पत्थर नहीं, परस्पर प्रेम का प्रतीक थी।

1990 की कारसेवा में अयोध्या को सैनिक छावनी में बदलकर जब मुलायम सिंह यादव ने कहा कि यहां परिंदा भी पर नहीं मार सकता तो उस परिंदे के पंखों में प्राण-शक्ति फूंकने वाले महंत अवेद्यनाथ जी ही थे। जब पुलिस की गोलियां कारसेवकों पर बरसीं, तब भी महंतश्री का संकल्प अडिग रहा। 30 अक्टूबर 1991 को कारसेवकों को श्रद्धांजलि देते हुए उनका उद्घोष गूंजा कि राम मंदिर किसी की दया से नहीं, हिंदुओं के शौर्य से बनेगा। उनके इस वचन ने आंदोलन को अमराग्नि की ज्वाला में बदल दिया।

और फिर 6 दिसंबर 1992 का दिन आया। जब विवादित ढांचा गिरा, तो यह केवल पत्थरों का ढेर नहीं टूटा, बल्कि युगों का बोझ ढहकर गिर पड़ा। भारत की आत्मा ने शताब्दियों बाद स्वाभिमान की सांस ली। उस क्षण का अग्रदूत भी यही गोरक्षपीठ और उसके महंतश्री थे। महंत अवेद्यनाथ जी ने उस ऐतिहासिक क्षण पर कहा कि आज अन्याय का प्रतीक टूटा है। कल इसी भूमि पर न्याय का मंदिर खड़ा होगा। रामलला का भव्य मंदिर बनकर रहेगा। यह इतिहास की नहीं, आस्था की प्रतिज्ञा है।

महंत अवेद्यनाथ जी का यह संघर्ष केवल ईंट और पत्थर का नहीं था। यह आस्था का आंदोलन था, समरसता का संग्राम था, सनातन का स्वाभिमान था। उनके शब्दों में राममंदिर का निर्माण केवल अयोध्या का नहीं, भारत की आत्मा का पुनर्जन्म है।

अवेद्यनाथ अडिग रहे,
टूटी ताले की रोक।
राममंदिर की ज्योति से,
जगमग भारत लोक।।

शिक्षा में संस्कार-बीज से वटवृक्ष तक

महंत दिग्विजयनाथ जी ने जिस महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद का बीज रोपा था, उसे महंत अवेद्यनाथ जी ने अपने परिश्रम, दूरदृष्टि और दृढ़ संकल्प से वटवृक्ष में परिणत कर दिया। उनके लिए शिक्षा केवल रोजगार प्राप्त करने का साधन नहीं थी, बल्कि राष्ट्रनिर्माण की आधारशिला थी। वे मानते थे कि पुस्तकों में बंद ज्ञान अधूरा है, जब तक उसमें भारतीयता का भाव, राष्ट्रवाद की चेतना और संस्कारों की सुगंध न मिले। इसीलिए उन्होंने शिक्षा को केवल कक्षा और पाठ्यक्रम तक सीमित न रखकर उसमें सेवा, अनुशासन और संस्कृति का समावेश किया।

आज उनके प्रयत्नों का परिणाम है कि गोरक्षपीठ से संचालित पांच दर्जन से अधिक विद्यालय, महाविद्यालय, तकनीकी और चिकित्सा संस्थान पूर्वी उत्तर प्रदेश की शिक्षा का मेरुदंड बने हुए हैं। इन संस्थानों से हर वर्ष हजारों छात्र- छात्राएं केवल डिग्रियां लेकर नहीं निकलते, बल्कि जीवन-मूल्यों, राष्ट्रप्रेम और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना लेकर आगे बढ़ते हैं।

इन संस्थानों में शिक्षा का वातावरण केवल आधुनिक विषयों का अध्यापन नहीं करता, बल्कि भारतीय ज्ञान परंपरा से भी जोड़ता है। तकनीकी और चिकित्सा महाविद्यालयों में जहां विज्ञान और शोध की साधना होती है, वहीं प्राथमिक और माध्यमिक विद्यालयों में प्रार्थना, योग, अनुशासन और राष्ट्रगान से बच्चों के भीतर 'नैतिकता और राष्ट्रीयता' का बीजारोपण किया जाता है।

ग्रामीण परिवेश से आए हजारों विद्यार्थियों ने यहां से शिक्षा पाकर प्रशासन, सेना, शिक्षा और समाज सेवा के क्षेत्र में देश का गौरव बढ़ाया है। इसी तरह गोरखपुर का महाराणा प्रताप इंजीनियरिंग कॉलेज और गोरखपुर मेडिकल कॉलेज उत्तर भारत की उस शिक्षा-धारा के प्रतीक हैं, जहां आधुनिक विज्ञान और भारतीय संस्कार का संगम होता है।

महंत अवेद्यनाथ जी का यह प्रयास केवल संस्थानों की संख्या बढ़ाने का नहीं था, बल्कि शिक्षा को 'संस्कार और समर्पण की संजीवनी' बनाने का था। उनके लिए शिक्षा वही है, जो विद्या के साथ विनय और ज्ञान के साथ सेवा भी सिखाए।

राजनीति में साधुता - सत्ता नहीं, साधना का संकल्प

महंत अवेद्यनाथ जी का राजनीति में प्रवेश सत्ता की सीढ़ियां चढ़ने के लिए नहीं था, बल्कि समाज को समरस और राष्ट्र को सशक्त करने के लिए था। वे मानते थे कि साधुता यदि समाज तक न पहुंचे और समाज-सुधार राजनीति में न बहे, तो धर्म अधूरा रह जाता है। उनकी राजनीति का लक्ष्य सिंहासन नहीं, सेवा थी। कुर्सी नहीं, कर्तव्य था। और शासन नहीं, शुचिता थी। इसीलिए वे कहते थे राजनीति यदि समाज-सुधार का साधन न बने, तो वह केवल स्वार्थ का साधन रह जाती है।

उन्होंने पांच बार उत्तर प्रदेश विधानसभा और चार बार लोकसभा में जनता का प्रतिनिधित्व किया। लेकिन उनका स्वर हमेशा सत्ता के गलियारों की गूंज से परे, जनसाधारण की वेदना का व्याख्यान रहा। वे संसद और विधानमंडल की बहसों में केवल क्षेत्रीय प्रश्न नहीं उठाते थे, बल्कि राष्ट्रीय एकता, सांस्कृतिक चेतना और समाज-सुधार का स्वर मुखर करते थे।

अखिल भारतीय हिंदू महासभा में उपाध्यक्ष और महासचिव के रूप में उनका योगदान विशेष उल्लेखनीय रहा। उन्होंने संगठन को केवल राजनीतिक मंच नहीं रहने दिया, बल्कि उसे एक राष्ट्रधर्मी आंदोलन का रूप दिया। उनके नेतृत्व में महासभा ने शिक्षा के पुनर्जागरण, सांस्कृतिक स्वाभिमान और राष्ट्रीय अखंडता को अपनी प्राथमिकताओं का केंद्र बनाया।

उनकी राजनीति में साधुता का संतुलन और संघर्ष की सजगता का अनूठा संगम था। वे न कभी स्वार्थ के लिए झुके, न कभी दबाव के लिए रुके। वे राजनीति को तपस्या मानते थे, जिसमें ईमानदारी धूप की तरह तपाती है और जनता का विश्वास गंगाजल की तरह पवित्र करता है।

उनकी छवि केवल संत-नेता की नहीं थी, बल्कि 'संत-सैनिक' की थी, जो लोकसभा के मंच पर भी उसी साहस से बोलते थे, जिस साहस से समाज की जटिलताओं का सामना करते थे।

महंत अवेद्यनाथ जी ने सिद्ध कर दिया कि संत राजनीति को भी साधना बना सकता है। उन्होंने गोरक्षपीठ की परंपरा को संसद और विधानमंडल तक पहुंचाकर यह दिखा दिया कि जब नेतृत्व में सत्य, तप और सेवा हो, तो सत्ता भी साधना का साधन बन जाती है।

शिष्य निर्माण - योगी के रूप में युग-उपहार

यही आंदोलन, यही जनजागरण, यही संघर्ष वह भूमि थी जहां नियति ने नया इतिहास गढ़ा। महंत अवेद्यनाथ जी का सबसे बड़ा योगदान केवल अपने युग का नेतृत्व करना नहीं था, बल्कि आने वाले युग का नेतृत्व गढ़ना था। उन्होंने समझ लिया था कि संस्था, समाज और राष्ट्र का वैभव केवल वर्तमान पर निर्भर नहीं करता, उसका भविष्य भी उतना ही महत्वपूर्ण है। इसी दूरदृष्टि से उन्होंने अजय सिंह बिष्ट को अपना शिष्य बनाया।

यह शिष्यत्व केवल धार्मिक संस्कार तक सीमित नहीं था, बल्कि उसमें सामाजिक सेवा की संवेदना और राजनीतिक नेतृत्व की सजगता भी थी। महंत अवेद्यनाथ जी ने उन्हें तप और त्याग की शिक्षा दी, संघर्ष और समरसता की साधना कराई, और साथ ही समाज व राष्ट्र के व्यापक नेतृत्व के लिए तैयार किया।

आज वही शिष्य योगी आदित्यनाथ उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री हैं। वे गुरु के आदर्शों को केवल मठ की परंपरा में नहीं, बल्कि शासन और समाज की नीतियों में साकार कर रहे हैं। कानून-व्यवस्था से लेकर शिक्षा, संस्कृति और विकास की योजनाओं में गुरु का मार्गदर्शन उनकी कार्यशैली में स्पष्ट दिखाई देता है।

यह गुरु-शिष्य परंपरा का एक अद्वितीय उदाहरण है, जहां गुरु ने केवल शिष्य को नहीं गढ़ा, बल्कि आने वाले समय के लिए संपूर्ण युग का उपहार दिया।

महंत अवेद्यनाथ जी का ब्रह्मलीन होना कोई सामान्य घटना नहीं था, यह तो मानो एक संत की इच्छा-मृत्यु थी। उनके शिष्य योगी आदित्यनाथ के शब्दों में मेरे गुरुदेव की इच्छा थी कि वे अपने गुरु महंत दिग्विजयनाथ जी की पुण्यतिथि पर ही मंदिर में ब्रह्मलीन हों और हुआ भी वही।

योगी आदित्यनाथ जी ने अपने पूज्य गुरु जी के कान में कहा कि आप मंदिर में आ चुके हैं। और बड़े महाराज जी के चेहरे पर संतुष्टि की आभा झलक आई। आश्विन कृष्ण चतुर्थी (12 सितंबर 2014) को गोरखनाथ मंदिर में गुरु की स्मृति के दिन ही उन्होंने अंतिम श्वास ली।

विस्मृत करने वाली बात है कि 2001 में कैंसर से घिरे होने पर भी वे चौदह वर्षों तक जीवित रहे। यह केवल चिकित्सा का परिणाम नहीं, बल्कि साधना की सिद्धि और इच्छाशक्ति का चमत्कार था।

हिंदी मेरी मातृभाषा

आज हिंदी दिवस मना रहे है, 14सितंबर 1949 को संविधान सभा ने संकल्प पारित किया था हिंदी भारत की राजभाषा होगी , आजादी के बाद 26जनवरी सन 1950 को भारत पुर्ण गण राज्य बना।

14 सितंबर 1953 को संसद में हिंदी को राज भाषा का दर्जा दिया गया , आज भारत में 22 भाषा को राज भाषा का दर्जा प्राप्त है। भारत में हर 100 किलोमीटर में भाषा बोली बदल जाती है। हिंदी भाषी राज्य में तो शब्दो के उच्चारण बदल जाता है। भारत में एक अनुमान के अनुसार 77 प्रतिशत लोग हिंदी भाषा का इस्तेमाल करते है। फिर भी भारत में आजादी के 78 वर्षो के बाद भी भारत देश में राष्ट्र भाषा घोषित नही हो सका।

राष्ट्र कवि मैथिलीशरण गुप्त जी की यह पंक्ति आज भी सटीक बैठती है

अंधकार है वहां जहां आदित्य नही है।
मुर्दा है वह देश जहां साहित्य नही है।

गांधी जी ने कहा था कि राष्ट्र भाषा के बिना देश गूंगा समान है।

कथा सम्राट मुंशी प्रेमचंद जी की कलम से *भाषा राष्ट्र की बुनियाद है* ।

हम खूब खुशियां मना ले हिंदी दिवस मना ले हिंदी का गुणगान कर ले हिंदी के प्रख्यात साहित्य कारों के कलम बद्ध रचनाओं का बखान कर ले,हिंदी की वृहद्‌ता का अनुसरण कर ले, हिंदी के विस्तार के लिए कार्यक्रम कर ले किंतु जब तक भारत में हिंदी को राष्ट्र भाषा के रूप अंगीकृत नही करेंगे,तब तक प्राथमिक रूप मे हिंदी की वृहदतता संकीर्ण रूप मे प्रदर्शित होते रहेगी।

आज की परिस्थिति मे भारत मे छोटे छोटे गाँव कस्बों खोले गए हिंदी माध्यम की प्राथमिक शाला बंद हो रहे हैं या अन्य शाला मे संविलियन किया जा रहा है कारण आजादी के पूर्व मैकाले के द्वारा भारत मे थोपी गई शिक्षा नीति जिसमे अंग्रेजी क़ो बढ़ावा देते हुए भारत की प्राचीन शिक्षा पद्धति गुरुकुल क़ो तहस नहस करने की व्यवस्था की गई।

अब आजादी के अठहत्तर वर्ष बाद गाँव शहर मे बच्चों क़ो अंग्रेजी माध्यम के शाला पढ़ाने की सोच प्रबल हो गई।

मैकाले की नीति आज वृह्द रूप मे भारत मे मकड़ी की जाल की तरह फ़ैल चुकी है।

आज हिंदी माध्यम की प्राथमिक शालाये शासन को बंद करने का निर्णय लेना पड़ रहा है। यह हिंदी के विकास और भारत देश की अस्मिता पर विपरीत प्रभाव है।

गजेंद्र बख्शी अधिवक्ता
32 रिद्धि सिद्धि कालोनी फेस 3
राजनादगांव

सी.पी. राधाकृष्णन- एक नये अध्याय की शुरुआत

एनडीए के प्रत्याशी के रूप में राधाकृष्णन ने इंडिया गठबंधन के उम्मीदवार बी. सुदर्शन रेड्डी को परास्त किया, इसकी संभावनाएं पहले से व्यक्त की जा रही थी। यह जीत केवल संख्याओं का खेल नहीं है, बल्कि यह विचारधारा, दृष्टि और नेतृत्व की जीत है।

(ललित गर्ग)

भारत के अगले उपराष्ट्रपति के चुनाव के लिए संसद के दोनों सदनों के सांसदों ने अपने वोट डालें। सत्तारूढ़ एनडीए के उम्मीदवार तमिलनाडु भाजपा के पूर्व अध्यक्ष सीपी राधाकृष्णन ने विपक्ष के उम्मीदवार वरिष्ठ अधिवक्ता बी सुदर्शन रेड्डी को परास्त कर 15वें उपराष्ट्रपति के रूप में जीत दर्ज की और एक नये इतिहास का सृजन किया है। निर्वाचन अधिकारी राज्यसभा महासचिव पीसी मोदी के अनुसार मतदान संसद भवन के वसुधा स्थित कमरा संख्या एफ-101 में सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक चला। यह ऐतिहासिक घटना केवल उपराष्ट्रपति पद के चुनाव तक सीमित नहीं है, बल्कि भारतीय राजनीति में बदलते समीकरणों और भविष्य की दिशा का संकेत भी देती है। सी.पी. राधाकृष्णन का 17वें उपराष्ट्रपति के रूप में निर्वाचित होना न केवल एनडीए और भाजपा की रणनीतिक सूझबूझ का परिणाम है, बल्कि यह इस बात का भी प्रमाण है कि व्यक्ति चयन की प्रक्रिया को उन्होंने केवल राजनीतिक समीकरण तक सीमित नहीं रखा, बल्कि उसमें व्यापक सामाजिक और राष्ट्रीय दृष्टिकोण को जोड़ा।

एनडीए के प्रत्याशी के रूप में राधाकृष्णन ने इंडिया गठबंधन के उम्मीदवार बी. सुदर्शन रेड्डी को परास्त किया, इसकी संभावनाएं पहले से व्यक्त की जा रही थी। यह जीत केवल संख्याओं का खेल नहीं है, बल्कि यह विचारधारा, दृष्टि और नेतृत्व की जीत है। उपराष्ट्रपति पद संवैधानिक गरिमा का प्रतीक होता है, जहाँ राजनीति से ऊपर उठकर राष्ट्रहित सर्वोपरि हो जाता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा नेतृत्व ने राधाकृष्णन जैसे व्यक्ति को चुनकर यह स्पष्ट कर दिया है कि उनके लिए संवैधानिक पदों पर आसीन व्यक्ति का व्यक्तित्व, नैतिकता और राष्ट्रीय दृष्टिकोण सर्वोपरि है। इस शानदार जीत के कई निहितार्थ हैं। पहला, यह भाजपा और एनडीए की राजनीतिक पकड़ और संगठनात्मक शक्ति को और मजबूत करता है। दूसरा, यह विपक्षी इंडिया गठबंधन की कमजोरियों और आंतरिक मतभेदों को उजागर करता है। तीसरा, यह भविष्य की राजनीति की उस दिशा को दर्शाता है जहाँ व्यक्तिगत ईमानदारी, सामाजिक स्वीकार्यता और राष्ट्रीय दृष्टि को अधिक महत्व मिलेगा।

सी.पी. राधाकृष्णन का चयन इस मायने में भी ऐतिहासिक है कि वे राजनीति के व्यावहारिक धरातल पर काम करने वाले ऐसे नेता माने जाते हैं जिनकी पहचान केवल पार्टी तक सीमित नहीं, बल्कि एक व्यापक सामाजिक-सांस्कृतिक प्रतिनिधि के रूप में भी है। यह कदम भाजपा की उस राजनीति की भी झलक देता है जहाँ वह केवल चुनावी जीत की ओर नहीं, बल्कि दीर्घकालीन सांस्कृतिक और वैचारिक स्थिरता की ओर अग्रसर है। यह कहा जा सकता है कि इस चुनाव में एक तीर से अनेक निशाने साधे गए हैं, एनडीए की शक्ति का प्रदर्शन, विपक्ष को स्पष्ट संदेश, संवैधानिक गरिमा की रक्षा, और भविष्य की राजनीति में व्यक्ति चयन की एक नई परंपरा का सूत्रपात। भारत की राजनीति में यह एक ऐसा क्षण है जिसे केवल चुनावी जीत के रूप में नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण की व्यापक प्रक्रिया के रूप में देखा जाना चाहिए।

भाजपा ने एक और तीर साधा है। जैसाकि तमिलनाडु की राजनीति परंपरागत रूप से द्रविड़ आंदोलनों और क्षेत्रीय पहचान से प्रभावित रही है, जहां पिछले कई दशकों से

डीएमके और एआईएडीएमके का दबदबा रहा है। भाजपा के लिए इस राज्य में राजनीतिक ज़मीन तैयार करना हमेशा चुनौतीपूर्ण रहा है। 2021 के विधानसभा चुनाव में भाजपा को महज़ 4 सीटें मिलीं, जबकि एनडीए गठबंधन को कुल 66 सीटों पर सफलता हासिल हुई। यह स्पष्ट करता है कि तमिलनाडु में भाजपा की पकड़ अभी कमजोर है और उसे क्षेत्रीय भावनाओं, भाषा और संस्कृति से जुड़े सवालों पर गहरी पैठ बनाने की जरूरत है। इसी परिप्रेक्ष्य में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राधाकृष्णन को उपराष्ट्रपति उम्मीदवार बनाकर एक रणनीतिक दांव खेला है। राधाकृष्णन तमिलनाडु से आते हैं और उनकी पहचान को आगे रखकर भाजपा राज्य की राजनीति में अपनी स्वीकार्यता बढ़ाना चाहती है। इससे भाजपा यह संदेश देना चाहती है कि वह तमिल अस्मिता, संस्कृति और क्षेत्रीय नेतृत्व को सम्मान देती है। राधाकृष्णन की उम्मीदवारी से भाजपा को उम्मीद है कि वह आने वाले विधानसभा चुनावों में अपनी उपस्थिति और प्रभाव को विस्तार दे सकेगी और द्रविड़ राजनीति के लंबे प्रभुत्व को चुनौती देने का आधार बना सकेगी।

भारत का उपराष्ट्रपति पद एवं उपराष्ट्रपति मंत्रालय भारतीय लोकतंत्र की गरिमा और संतुलन का प्रतीक है। यह पद केवल औपचारिकता का केंद्र न होकर भारतीय संसद के उच्च सदन का अध्यक्ष होने के कारण संवाद, विचार और लोकतांत्रिक विमर्श की आत्मा को दिशा देता है। स्वतंत्र भारत की इस परंपरा को जब डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन जैसे दार्शनिक, विचारक और शिक्षाविद ने अपने व्यक्तित्व और कार्य से ऊँचाई दी, तब यह पद राष्ट्र के सांस्कृतिक, नैतिक और बौद्धिक आदर्शों का संवाहक बन गया। उनके माध्यम से यह संदेश गया कि उपराष्ट्रपति का पद केवल राजनीतिक महत्व का नहीं बल्कि राष्ट्रीय मूल्यों के संरक्षण और विकास का भी दायित्व वहन करता है। आज एनडीए द्वारा इस परंपरा में नई ऊर्जा का संचार करते हुए प्रभावी और रचनात्मक व्यक्तित्व को उपराष्ट्रपति पद पर प्रतिष्ठित करना भारतीय राजनीति की उज्जवल परंपरा को आगे बढ़ाने का संकेत है। यह प्रयास बताता है कि भारतीय लोकतंत्र की मजबूती केवल सत्ता-संघर्ष में नहीं बल्कि उच्च पदों पर ऐसे व्यक्तित्वों के चयन में निहित है जो नैतिकता, विद्वत्ता और संवेदनशीलता से लोकतंत्र की गुणवत्ता को बढ़ाएं। डॉ. राधाकृष्णन की परंपरा को स्मरण करते हुए यह आवश्यक है कि उपराष्ट्रपति संस्था निरंतर आदर्शवाद, विमर्श की गहराई और राष्ट्रीय मूल्यों की ऊर्जा का केंद्र बनी रहे। सी.पी. राधाकृष्णन का जीवन संघर्ष, साधना और निरंतर सक्रियता का एक प्रेरणादायक उदाहरण है। 20 अक्तूबर 1957 को तमिलनाडु के तिरुप्पुर में जन्मे राधाकृष्णन का विद्यार्थी जीवन खेलकूद और सामाजिक गतिविधियों से जुड़ा रहा। वे टेबल टेनिस के चैम्पियन रहे और उच्च शिक्षा पूरी करने के बाद राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़कर सामाजिक सेवा के मार्ग पर आगे बढ़े। सत्तर के दशक में जनसंघ की राज्य कार्यकारिणी से राजनीतिक जीवन की शुरुआत करने वाले राधाकृष्णन धीरे-धीरे भारतीय जनता पार्टी के प्रमुख चेहरे बने। कोयंबटूर से वे 1998 और 1999 में लगातार दो बार लोकसभा सदस्य चुने गए। संसद में उनकी सक्रियता, समितियों में भागीदारी और जनता से जुड़े मुद्दों पर बेबाकी ने उन्हें एक सशक्त जननेता के रूप में पहचान दी। वर्ष 2004 से 2007 तक उन्होंने भाजपा तमिलनाडु का नेतृत्व किया और संगठन विस्तार के लिए यात्रा, आंदोलन और संवाद को प्रमुखता दी। इसके बाद कोइर बोर्ड के अध्यक्ष रहते हुए उन्होंने नारियल उद्योग और उसके निर्यात को बढ़ावा देने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। राधाकृष्णन की प्रशासनिक यात्रा उन्हें राज्यपाल पद तक ले गई। वे झारखंड, तेलंगाना और महाराष्ट्र के राज्यपाल रहे। इन पदों पर रहते हुए उन्होंने पारदर्शिता, सौम्यता और संवैधानिक मूल्यों का पालन करते हुए जनता और सरकार के बीच सेतु का कार्य किया। उनकी छवि एक सहज, सरल और संतुलित व्यक्ति की है जो संवाद से समाधान तलाशने में विश्वास रखते हैं। जब तत्कालीन उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने स्वास्थ्य कारणों से पद छोड़ा तो इस पद पर चुनाव की आवश्यकता पड़ी। एनडीए ने सर्वसम्मति से राधाकृष्णन को उम्मीदवार बनाया। विपक्ष ने भी अपना प्रत्याशी उतारा, परंतु संख्या बल के कारण यह साफ था कि राधाकृष्णन की विजय लगभग सुनिश्चित है। कुछ क्षेत्रीय दलों ने मतदान से दूरी बना ली, जिससे समीकरण और भी सरल हो गए। राधाकृष्णन के उपराष्ट्रपति बनने से राज्यसभा की कार्यवाही में संयम और संवाद की संस्कृति मजबूत होगी। उपराष्ट्रपति का दायित्व केवल औपचारिक नहीं होता, बल्कि यह संसद की गरिमा और संविधान की मर्यादा का संरक्षक भी होता है। दक्षिण भारत से आना और ओबीसी समुदाय से होना उन्हें सामाजिक और राजनीतिक संतुलन का प्रतिनिधि बनाता है। उनका पूरा जीवन एक कर्मयोगी की तरह रहा है। उन्होंने किसी भी पद को केवल शक्ति के रूप में नहीं देखा बल्कि सेवा और कर्तव्य निभाने का अवसर माना। अब वे 15वें उपराष्ट्रपति के रूप में अपना कार्यकाल प्रारंभ रहें हैं तो यह आशा की जा सकती है कि वे संसद में शांति, लोकतांत्रिक परंपराओं और संवाद के स्तर को ऊँचाई देंगे। उनका अनुभव, धैर्य और समर्पण देश की लोकतांत्रिक संरचना को और अधिक सुदृढ़ बनाने में सहायक सिद्ध होगा। लेखक, पत्रकार, स्तंभकार हैं।

-(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

गुण्डाधुर महाविद्यालय में विश्व ओजोन दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया

कोण्डागांव। शासकीय गुंडाधुर स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कोंडागांव में प्राचार्य डॉ सरला आत्राम के निर्देशन में रसायन शास्त्र विभाग की केमिकल सोसायटी तत्वावधान में विश्व ओजोन दिवस का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के उद्घाटन में रसायनशास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ. अलका शुक्ला ने बताया कि विश्व ओजोन दिवस एक वैश्विक कार्यक्रम है जो हर साल 16 सितंबर को ओजोन परत के महत्व और इसके क्षरण के खतरों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए आयोजित किया जाता है। विश्व ओजोन दिवस 2025 की थीम विज्ञान से वैश्विक कार्रवाई तकष् है, जिसे संयुक्त राष्ट्र ने जारी किया है। यह थीम मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल के 40 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में ओजोन परत के संरक्षण और जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए विज्ञान की भूमिका और आवश्यक वैश्विक सहयोग पर केंद्रित है। विश्व ओजोन दिवस हमें स्मरण कराता है कि पृथ्वी पर जीवन के लिए ओजोन परत आवश्यक है और यह विषय भविष्य की पीढ़ियों के लिए इसे बचाने हेतु निरंतर जलवायु कार्रवाई की आवश्यकता पर प्रकाश डालता है। वनस्पतिशास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष शशिभूषण कन्नौजे ने बताया कि भारत ने वर्ष 2047 तक ओज़ोन परत की सुरक्षा के लिए उत्पन्न होने वाली क्लोरो फ्लोरो कार्बन गैसों तथा हाइड्रो फ्लोरो कार्बन गैसों के उत्पादन व उपयोग में कमी लाने का लक्ष्य रखा है, इसके लिए मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल का तहत किगाली संशोधन पास किया गया है। गृह विज्ञान विभागाध्यक्ष नेहा बंजारे ने मॉन्ट्रियल और क्योटो प्रोटोकॉल का हवाला देते हुए इस विषय की गम्भीरता को सबके समक्ष रखा और ओज़ोन संरक्षण और पर्यावरण को बेहतर बनाने के लिए सबको वृक्षारोपण करने के लिए प्रेरित किया। भूगोल विभाग के विभागाध्यक्ष समलेश पोटाई ने केमिकल सोसायटी के सदस्यों को इस आयोजन के लिए बधाई देते हुए अपने उद्बोधन में कहा गया कि दैनिक जीवन में साधारण परिवर्तन कर हम आधुनिक विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन बना सकते हैं।

कार्यक्रम में रसायनशास्त्र विभाग की पूर्व छात्रा मानसी ठाकुर ने कहा कि विश्व के अधिकांश क्षेत्रों में आज जलवायु परिवर्तन के चलते विनाश का जो दौर देखा जा रहा है, उसके लिए काफी हद तक ओजोन परत की कमी मुख्य रूप से जिम्मेदार है और हमें अब यह भी भली-भांति समझ लेना चाहिए कि हमारी लापरवाही और पर्यावरण से बड़े पैमाने पर खिलवाड़ ही पर्यावरण विनाश की सबसे बड़ी जड़ है। एमएससी रसायन अंतिम वर्ष के छात्र भूपेंद्र कोर्राम द्वारा कार्बन फुटप्रिंट और ओज़ोन परत क्षरण को लेकर बनाई गई एक बेहतरीन डॉक्यूमेंट्री का मंचन कार्यक्रम के दौरान किया गया जिसकी सभी ने खुले कंठ से सराहना की। कार्यक्रम में पूरे महाविद्यालय के अधिकारी, कर्मचारियों और विद्यार्थियों द्वारा ओज़ोन परत संरक्षण हेतु आवश्यक कदम उठाने का संकल्प लिया गया तथा मुक्ताकाश मंच पर केमिकल सोसायटी के सदस्यों द्वारा एक नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया गया जिसमें रासायनिक रूप से ओज़ोन पर्त का पराबैंगनी किरणों को रोकने और सीएफसी से इसके क्षरण की प्रक्रिया समझाई गयी। इस अवसर पर छात्रों में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से महाविद्यालय में पोस्टर प्रतियोगिता, रंगोली प्रतियोगिता, भाषण प्रतियोगिता तथा क्विज़ प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन केमिकल सोसायटी के अध्यक्ष श्वेता सिंह, उपाध्यक्ष त्रिलोचन पटेल एवं यामिनी पाणिग्रही ने किया तथा आभार प्रदर्शन एमएससी रसायनशास्त्र विभाग की अतिथि व्याख्याता नीता नेताम ने किया। इन प्रतियोगिताओं में महाविद्यालय के सहायक प्राध्यापक शोभाराम यादव, समलेश पोटाई, नीता नेताम पूर्णिमा कंवर, पुष्पा जायसवाल तथा अंबर बैरागी निर्णायक की भूमिका में मौजूद रहे।

नक्सल प्रभावित क्षेत्र में विकास की नई इबारत

सुकमा। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत विशेष परियोजना के तहत नक्सल प्रभावित क्षेत्र में निवासरत आत्मसमर्पित हितग्राही सोड़ी बुधरी के जीवन में नया संबल और सुरक्षा का एहसास आया है। कलेक्टर देवेश कुमार ध्रुव के मार्गदर्शन में जनपद पंचायत कोन्टा के ग्राम चिचोरगुड़ा, ग्राम पंचायत सामसट्टी में बुधरी का पक्का आवास स्वीकृत हुआ, जिससे उनके परिवार का जीवनस्तर बेहतर हुआ है। ग्राम पंचायत सामसट्टी पहाड़ी, घने जंगलों से घिरा संवेदनशील क्षेत्र है, जहाँ कच्चे मकान में रहने से हर समय सांप, बिच्छू जैसे जीव-जन्तुओं का खतरा बना रहता था। बदलते मौसम और असुरक्षित परिस्थितियों ने जीवन को कठिन बना दिया था। सोड़ी बुधरी ने बताया कि हम पूर्व में नक्सल गतिविधियों में शामिल थे। उस जीवन में न भोजन की सुरक्षा थी, न आश्रय, न भविष्य की कोई उम्मीद। आत्मसमर्पण के बाद शासन ने न केवल हमें सम्मान दिया, बल्कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पक्का मकान देकर जीवन में स्थिरता और खुशहाली दी। प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत कुल 1,43,085 रुपये की राशि प्रदान की गई, जिसमें 1,20,000 रुपये आवास निर्माण हेतु तथा मनरेगा के तहत 90 दिनों की मजदूरी के रूप में 23,085 रुपये शामिल हैं। पति-पत्नी ने स्वयं श्रमदान कर अपने घर का निर्माण पूर्ण किया। आज उनका घर न केवल सुरक्षा का प्रतीक है, बल्कि आत्मनिर्भर जीवन की नई शुरुआत भी है। बुधरी ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय तथा जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा, यह घर केवल ईट-पत्थर का ढाँचा नहीं है, यह हमारी नई ज़िंदगी है। अब हमें सुरक्षित छत मिली है, बच्चों का भविष्य बेहतर होगा और हम सपरिवार समाज में सम्मान से जी सकते हैं। जिला सीईओ मुकुन्द ठाकुर ने कहा कि नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में आत्मसमर्पण करने वाले नागरिकों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ना हमारा दायित्व है। प्रधानमंत्री आवास योजना जैसी हितग्राहीमूलक योजनाएँ उन्हें सुरक्षा, सम्मान और विकास का अवसर प्रदान कर रही हैं। हम सभी आत्मसमर्पित और नक्सल पीड़ित परिवारों तक शासकीय योजनाओं का लाभ पहुँचाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

किरन्दुल बीटीओए में किया गया विश्वकर्मा पूजा

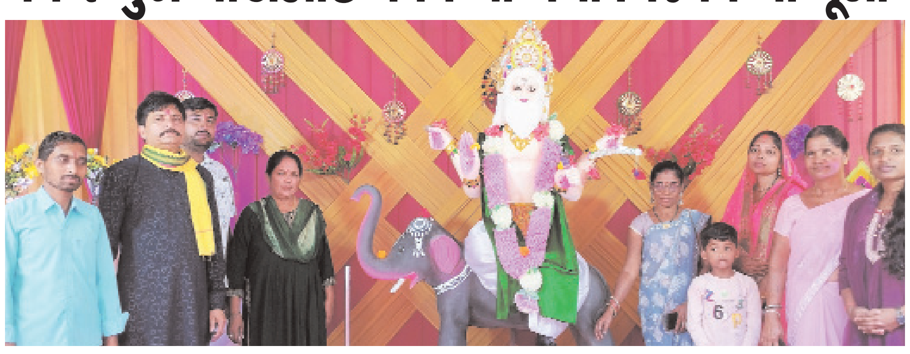

किरंदुल। लौहनगरी किरन्दुल रिंग रोड न. 04 स्थित बैलाडीला ट्रक ओनर्स एसोसिएशन कार्यालय में बुधवार को देवशिल्पी भगवान विश्वकर्मा जी की पूजन की गई। बता दें बीटीओए में विश्वकर्मा जी का प्रतिमा स्थापित कर पूरे विधि विधान से पूजन हवन एवं आरती किया गया एवं सदस्यों द्वारा संस्था एवम नगरवासियों के लिए मंगलकामना की गई। तत्पश्चात श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरण किया गया।इस अवसर पर अध्यक्ष मनोज सिंह सचिव आकाश गोयल एवम बीटीओए के पदाधिकारी सदस्यगण उपस्थित थे।

एनएमडीसी किरंदुल सिविल विभाग में किया गया विश्वकर्मा पूजा

किरंदुल। विश्व की सर्वोत्तम गुणवत्तायुक्त एवं देश की सबसे बड़ी लौह अयस्क उत्पादक नवर कंपनी एनएमडीसी लिमिटेड किरंदुल परियोजना के सिविल विभाग में बुधवार को विश्वकर्मा पूजन का आयोजन किया गया।सिविल विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा पूरे विधि विधान से पूजा अर्चना किया गया।ततपश्चात प्रसाद वितरण की गई।इस दौरान एस के पांडेय महाप्रबंधक (सिविल), सहायक महाप्रबंधक (सिविल),महेश कुमार संबेटा वरिष्ठ प्रबंधक (सिविल),भास्कर राव, सौरभ कुमार उपस्थित थे।

कोण्डागांव जिले के समस्त ब्लॉकों में अंदकुरी गाड़ा समाज ने हर्षोल्लास से मनाया नवा खाई सगा जोहार भेट कार्यक्रम

कोण्डागांव। जिले के सभी ब्लॉकों में 14 सितंबर को अंदकुरी गाड़ा समाज द्वारा ब्लॉक स्तरीय नवा खाई सगा जोहार भेट कार्यक्रम पारंपरिक रीति-रिवाज और हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। समाज की सदियों पुरानी परंपराओं के अनुरूप कार्यक्रम की शुरुआत गांव की मुख्य देवी माता मावली, जिम्मेदारी, बुढ़ादेव, डूमा एवं डायना की अगवानी और पूजा-अर्चना से हुई। इसके उपरांत समाज के नाईक, पाइप, सगा और सियान की उपस्थिति में विधिवत पूजा कर एक-दूसरे को आत्मीयता से गले लगाया गया। इस अवसर पर समाज की बेटियों एवं बहनों द्वारा नए चावल से बनी चिवड़ा कुढ़ाई पान में रखकर एक-दूसरे के मस्तक पर टिक्का लगाया गया। मोहरी वादन की गूंज के बीच पूरे समाज ने हर्ष और उल्लास के साथ नवा खाई सगा जोहार भेट का पर्व मनाया।

छोटेडोंगर लौह अयस्क खदान नारायणपुर में मनाया गया विश्व ओज़ोन दिवस

नारायणपुर। छोटेडोंगर लौह अयस्क खदान नारायणपुर में विज्ञान से वैश्विक कार्यवाही तक की थीम पर ओजोन दिवस मनाया गया। इस अवसर पर छोटेडोंगर खदान में अधिकारियों और कर्मचारियों के द्वारा जामुन, आम, कटहल और गुलमोहर आदि पौधों का वृहद स्तर पर वृक्षारोपण किया गया। इसके अलावा ओजोन परत बचाना है अधिक से अधिक पौधा लगाना है के नारे लगाते हुए जागरूकता अभियान भी चलाया गया। कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए खदान द्वारा शासकीय स्वामी आत्मानंद स्कूल छोटेडोंगर में 150 बच्चों के मध्य प्राचार्य और समस्त शिक्षकों की अगुवाई में निबंध, रंगोली, चित्रकला और स्लोगन प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया एवं पुरस्कार वितरण भी किया गया। इस अवसर पर छोटेडोंगर लौह अयस्क खदान से आशीष मिश्रा (महा प्रबंधक खनन), प्रदीप कुमार (प्रबंधक खनन), रंजन पटेल (वरिष्ठ प्रबंधक, मैकेनिकल), दशरथी बुधिया (वरिष्ठ प्रबंधक, मानव संसाधन) एवं खदान के अन्य अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

पत्रकारों के लिए एआई कार्यशाला का आयोजन

बीजापुर। जिला मुख्यालय स्थित सेंट्रल लाइब्रेरी में 17 सितंबर से दो दिवसीय आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) कार्यशाला की शुरुआत हुई। प्रेस क्लब बीजापुर द्वारा आयोजित और जनसंपर्क विभाग के सहयोग से हो रहे इस प्रशिक्षण में जिले के कई पत्रकार शामिल हुए। कार्यशाला के पहले दिन प्रशिक्षक ने प्रतिभागियों को एआई की बुनियादी जानकारी दी। इस अवसर पर पूर्व मंत्री महेश गागड़ा ने कहा कि पत्रकारिता का मूल आधार खोज और समझ है। उन्होंने कहा कि एआई एक सहायक साधन है, लेकिन उस पर अत्यधिक निर्भर रहना ठीक नहीं होगा। पत्रकारों को अपनी बुद्धिमत्ता और अनुभव पर भरोसा करना चाहिए। इस मौके पर वरिष्ठ पत्रकार याकूब खान को पूर्वमंत्री ने शाल भेंट कर सम्मानित भी किया। कार्यक्रम में प्रेस क्लब अध्यक्ष के संतोष ने कहा कि समय के साथ पत्रकारों को नई तकनीक से खुद को अपडेट रखना जरूरी है। उन्होंने पुराने दिनों को याद करते हुए बताया कि पहले खबरें लिखकर बस से भेजनी पड़ती थीं और अखबार में छपने के लिए दो-तीन दिन तक इंतजार करना पड़ता था, जबकि अब डिजिटल माध्यमों से मिनटों में खबर प्रसारित की जा सकती है। प्रेस क्लब के पूर्व अध्यक्ष कमलेश पैकरा ने कहां कि पत्रकारों को एआई सीखना चाहिए, ताकि बदलते समय के साथ पेशेवर मजबूती हासिल हो ।साथ ही पत्रकारों को अध्यनशील रहते हुए तथ्य और आंकड़ों की जानकारी जुटानी चाहिए और एआई को केवल सहायक साधन के रूप में इस्तेमाल करना चाहिए। कार्यशाला का समापन 18 सितंबर को होगा।

पूर्व मंत्री महेश गागड़ा ने वृद्ध माताओं संग मनाया प्रधानमंत्री मोदी का जन्मदिन

बीजापुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का जन्मदिन जिले में सेवा-संकल्प दिवस के रूप में मनाया गया। अटल सदन कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में नगर पालिका क्षेत्र की वृद्ध माताओं ने सामूहिक रूप से केक काटकर प्रधानमंत्री के दीर्घायु होने की कामना की। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ शासन के पूर्व मंत्री महेश गागड़ा ने माताओं को साड़ियां भेंट कीं और उनका आशीर्वाद लिया। गागड़ा ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत ने बीते वर्षों में उल्लेखनीय प्रगति की है। गरीब कल्याण, महिला सशक्तिकरण, उज्ज्वला योजना, जन-धन योजना, आयुष्मान भारत और डिजिटल इंडिया जैसी योजनाओं ने समाज के अंतिम व्यक्ति तक लाभ पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई है। गागड़ा ने कहा मोदी जी ने सबका साथ, सबका विकास की सोच के साथ देश को नई दिशा दी है। उनके नेतृत्व में भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है। कार्यक्रम में उपस्थित महिलाओं ने प्रधानमंत्री मोदी को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उज्ज्वला योजना जैसी योजनाओं से उन्हें रसोई की कठिनाइयों से राहत मिली है।इस अवसर पर प्रदेश उपाध्यक्ष जी. वेंकटेश्वर, भाजपा जिलाध्यक्ष घासीराम नाग, पूर्व जिलाध्यक्ष श्रीनिवास मुदलियार, जिला कोषाध्यक्ष संजय लुंकड़, जिला महामंत्री गोपाल सिंह पवार, सतेंद्र सिंह ठाकुर, मंडल अध्यक्ष अशोक राव, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य फूलचंद गागड़ा समेत नगर अध्यक्ष, पार्षदगण और अन्य पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

छत्तीसगढ़ लघु वेतन शासकीय चतुर्थ वर्ग कर्मचारी संघ ने विभिन्न मांगों को लेकर कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

नारायणपुर। छत्तीसगढ़ लघु वेतन शासकीय चतुर्थ वर्ग कर्मचारी संघ के द्वारा आदिवासी विकास विभाग में कार्यरंत चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों के नियमित वेतनमान, वार्षिक वेतन वृद्धि, समयमान वेतनमान, सर्विस बुक संधारण, युक्ति युक्तकरण एवं प्रतिवर्ष अप्रैल 1 अप्रैल की स्थिति में वरिष्ठता सूची जारी करने जैसे महत्वपूर्ण अपनी वाजिब मांगो को लेकर कलेक्ट्रेट जनदर्शन में पहुंचकर कलेक्टर महोदया को कर्मचारी समस्या निराकरण हेतू दिया ज्ञापन..! जिस पर कलेक्टर महोदया के द्वारा इस आवेदन को टी. एल.के लिए मार्कर कर मैं पहले विभागीय जांच कराती हूँ का आश्वासन दिया। इस अवसर में संरक्षक कुंजन सिंह बघेल,अध्यक्ष मंगलू राम उसेण्डी,जिला महामंत्री जगदीश नाग, उपाध्यक्ष दानेश प्रसाद जैन, उपाध्यक्ष कमलू राम नुरेटी, जिला सचिव कुशल नाग,दिलीप आमड़े,ओमकार ठाकुर, पुलचंद कुर्रे,नितेश साहू।

कलेक्टर देवेश कुमार ध्रुव का छिंदगढ़ दौरा

सुकमा। कलेक्टर देवेश कुमार ध्रुव ने सुकमा जिले के छिंदगढ़ विकासखंड का व्यापक निरीक्षण कर ग्रामवासियों की समस्याओं का समाधान सुनिश्चित करने और शासकीय योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कुन्दनपाल, कुन्ना, धनीकोड़ता, लखापारा और तराईटिकरा सहित कई ग्रामों का दौरा कर ग्रामवासियों से संवाद किया और योजनाओं का लाभ सीधे हितग्राहियों तक पहुँचाने पर विशेष बल दिया। कुन्दनपाल एवं कुन्ना पंचायत में कलेक्टर ध्रुव ने पात्र हितग्राहियों को पशु शेड निर्माण की स्वीकृति प्रदान करने हेतु अधिकारियों को निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि पशुपालकों को शासन की योजनाओं का लाभ शीघ्र प्रदान किया जाए ताकि उनके आजीविका साधन सशक्त बनें।

पिछले पांच वर्षों में बस्तर में बढ़ रही नाबालिक युवतियों की गुमशुदगी, मानव तस्करी का बड़ा खतरा : दीपिका शोरी

सुकमा। बस्तर संभाग से लगातार नाबालिक युवतियां एवं महिलाएं के लापता होने की संख्या में बढ़ते जा रही है। विगत 5 वर्षों में सबसे अधिक आदिवासी नाबालिक युवतियां एवं महिलाओं को शिकार बनाया गया है। नाबालिक युवतियां एवं महिलाएं जाने- अनजाने ट्रैप में फंस जाते है और इसके बाद मानव तस्करी एवं देह व्यापार जैसे अनैतिक कार्यो की शिकार भी हो सकती है, जो चिंता का विषय है। यह एक गंभीर चुनौती है जिस पर ध्यान देने की जरूरत है ताकि ऐसी घटनाओं को रोका जा सके और महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। उक्त बातें राज्य महिला आयोग की सदस्य दीपिका शोरी ने प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कही। दीपिका शोरी ने आगे कहा कि बस्तर संभाग के सुकमा, दंतेवाड़ा, बीजापुर,कोंडागांव, कांकेर आदि जिलों से जो आंकड़े आए हैं उनके अनुसार पिछले 5 वर्षों में लगातार आदिवासी नाबालिक युवतियां एवं महिलाओं का लापता हो रहे हैं जो काफी गंभीर मामला है। उन्होंने बताया कि ह्यूमन ट्रैकिंग, देह व्यापार, जैसे मकड़ जाल में लापता महिलाओं के धकेलना का काम भी हो सकता है, इसीलिए सतर्क रहने की बहुत जरूरत है। लेकिन पुलिस की मदद से अधिकांश महिलाओं को ढूंढ निकाला गया है। जबकि पिछले पांच वर्षों में सुकमा जिले में 82 नाबालिक युवतियां लापता हुई थी। जिसमें से 80 को ढूंढ निकाला और अभी 2 लापता है, इसके अलावा बालिक महिलाएं की लापता होने की संख्या 133 है जिसमें से 121 महिलाओं को ढूंढ निकाला गया एवं 12 महिलाएं अभी भी लापता है। जबकि दंतेवाड़ा जिले में 2021 से 2025 तक 35 बालिक एवं दो नाबालिक लापता हुए थे, बीजापुर जिले में इन 5 वर्षों में पांच महिलाएं लापता हुए हैं। लापता महिलाओं को पुलिस भी ढूंढने में लगी हुई है, लेकिन अब तक उनका कोई सुराग नहीं लग पा रहा है।

सोशल मीडिया में युवतियां हो रही है शिकार

सोशल मीडिया के जरिए सबसे अधिक नाबालिक युवतियां सैकड़ो किमी दूर बैठे किसी अनजाने व्यक्ति से दोस्ती कर लेते हैं। नाबालिक युवतियां दोस्ती और प्रेम प्रसंग के नाम पर उन्हें फंस लिया जाता है।जिसके बाद यह सामने वाले व्यक्तियों के इशारे पर अपने अपने माता-पिता और घर परिवार को बिना बताए गायब हो जाते हैं। यह एक प्लानिंग और सुनियोजित तरीके से नाबालिक युवतियां ट्रैप में फंसाया जा रहा है, जबकि अगर कोई युवती इस तरह से फंस जाती है तो उसके साथ कुछ भी होता है, उसकी जानकारी किसी को नहीं लगती है, इसीलिए उन्होंने कहा कि किसी भी अनजान व्यक्ति से सोशल मीडिया में दोस्ती एवं बातचीत करने से बचे। अगर आप समय रहते अपने आप को नहीं संभले तो आप किसी बड़ी मुसीबत में फंसना तय हैं। उन्होंने कहा कि बस्तर ही नहीं पूरे प्रदेश में इस तरह की घटनाएं सामने आ रही है जो चिंता का विषय है।

माता-पिता को भी अपने बच्चों को अच्छे संस्कार दे

दीपिका शोरी ने कहा कि मुझे लगता था कि बस्तर संभाग में मानव तस्करी जैसी घटनाएं नहीं होती है, लेकिन लगातार नाबालिक युवतियां और महिलाओं के लापता होने जो आंकड़े सामने आए हैं, जो चौंकाने वाले आंकड़े हैं इससे मानव तस्करी की और इशारा करता है, जो चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि नाबालिक युवतियां सोशल मीडिया में अधिकांश समय बिताती है, ऐसे में उनका आसानी से शिकार हो जाती है। इसलिए माता-पिता को भी अपने बच्चों को अच्छे संस्कार दे, ताकि इस तरह की घटना का शिकार ना हो सके।

बीजापुर में आदि सेवा पर्व, सेवा पखवाड़ा और 'विकसित भारत-मोदी की संकल्पना' पर छायाचित्र प्रदर्शनी

बीजापुर। आदि सेवा पर्व, सेवा पखवाड़ा और ÷विकसित भारत- मोदी की संकल्पना÷ पर आधारित एक विशेष छायाचित्र प्रदर्शनी का आयोजन किया गया है। यह प्रदर्शनी स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय बीजापुर के समीप लगाई गई है, जो आमजन के लिए प्रेरणा का केंद्र बन रही है। प्रदर्शनी में भारत सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं, आदिवासी विकास कार्यों, सेवा भाव से जुड़े जन-अभियानों तथा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत की परिकल्पना से जुड़ी झलकियों को छायाचित्रों के माध्यम से आकर्षक रूप में प्रस्तुत किया गया है। इस आयोजन का उद्देश्य नागरिकों, विशेषकर युवाओं और विद्यार्थियों को देश के विकास, सेवा कार्यों और सामाजिक समर्पण की भावना से अवगत कराना है। प्रदर्शनी में ÷सेवा, समर्पण और विकास÷ की थीम को प्रमुखता दी गई है। प्रदर्शनी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल की उपलब्धियों तथा उनके जीवन काल के महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रदर्शित किया गया. जिसमें उनके जीवन में मां से मिली शिक्षा से एक कर्मयोगी बनकर देश के लिए समर्पण भाव से कार्य करना, वडनगर में प्रारंभिक शिक्षा, पुस्तकालय से जुड़कर ज्ञान प्राप्ति, जनभागीदारी के माध्यम से विकास के लक्ष्य को किस तरह से हासिल किया जा रहा है उसे दिखाया गया है। इसके अलावा प्रदर्शनी में दिखाया गया है कि समाज सेवा और देश सेवा को ही अपना लक्ष्य मानने वाले प्रधामनंत्री मोदी का पूरा जीवन राष्ट्र को समर्पित रहा है। प्रदर्शनी में गरीबों को आवास देने प्रधानमंत्री का संकल्प स्वरूप प्रधानमंत्री आवास योजना, सौभाग्य योजना के तहत लोगों के घरों में बिजली को पहुंचाना, उरी, पुलवामा हमले के बाद से पाकिस्तान के दुस्साहस का सर्जिकल स्ट्राइक कर मुहतोड़ जवाब देना, माओवादी हिंसा के खिलाफ कठोर कार्यवाही से घटता माओवादी क्षेत्र, कोविड महामारी के दौरान होने वाली चुनौतियां का कुशलतापूर्व निपटारा करना। डिजिटल इंडिया, स्टार्टअप इंडिया, स्टार्टअप इकोसिस्टम के माध्यम से आत्मनिर्भर भारत को मजबूती देने जैसे कार्यक्रमों से भारत को एक नई पहचान देना7प्रदर्शनी में एक पेड़ मां के तहत मातृशक्ति के सम्मान देने के साथ ही पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने जैसे जनजागरण अभियान, देश की नई पीढ़ी को आज की आधुनिक शिक्षा से जोड़ने और रोजगारनुमुखी बनाने नई शिक्षा नीति लागू करने सहित विभिन्न पहलुओं को प्रदर्शित किया गया।

संक्षिप्त समाचार

दगौरी एवं जोंधरा शराब दुकान में अहाता संचालन के लिए आवेदन 19 सितम्बर से

बिलासपुर। आबकारी विभाग द्वारा वर्ष 2025-26 की शेष अवधि एवं वर्ष 2026-27 के लिए देशी कम्पोजिट मदिरा अहाता दगौरी एवं जोंधरा से संलग्न मदिरा अहाता के लिए पुनः ऑनलाईन निविदा आमंत्रित किये गये है। ऑनलाईन आवेदन 19 सितम्बर को सवेरे 10.30 से प्रारंभ होगी, जो 24 घंटे और सप्ताह के सभी सातों दिन अनवरत जारी रहेगी। ऑनलाईन आवेदन पर कर सकते है। लाइसेंस का आबंटन छत्तीसगढ़ आबकारी अधिनियम 1915 एवं इसके अधीन बनाए गए छत्तीसगढ़ आबकारी देशी एवं विदेशी मदिरा की फुटकर बिक्री के अनुज्ञापनों के व्यवस्थापन नियम, 2018 (संशोधित) के अंतर्गत किया जाएगा। यह प्रक्रिया ऑनलाईन के माध्यम से पहले आओ पहले पाओ के आधार पर निष्पादित की जाएगी। अनुज्ञप्तियों की वैधता वित्तीय वर्ष 2025-26 की शेष अवधि एवं वर्ष 2026-27 तक होगी।

ग्रैंड सेलिब्रेशन व अवार्ड नाईट के साथ जेसीआई वीक का समापन

कोरबा। जेसीआई कोरबा सेंट्रल द्वारा 15 सितम्बर की शाम जेसीआई वीक ग्रैंड सेलिब्रेशन किया गया जिसके अंतर्गत अवॉर्ड नाइट, गेम्स एवं रैम्प वॉक का आयोजन किया गया। संस्था के सचिव सीए अंकित अग्रवाल ने बताया कि कार्यक्रम की शुरुआत में आतिशबाजी, गाजे-बाजे व नाच के साथ अध्यक्ष सीए अभिषेक अग्रवाल एवं फर्स्ट लेडी ऑफ लोम जेसीरेट माधुरी अग्रवाल की जेसीआई बरात निकाली गयी। तत्पश्चात मंचीय कार्यक्रम से हुआ जिसमें जेसीआई वीक के दौरान आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों के बारे बताया गया एवं जेसीआई वीक के विभिन्न कार्यक्रमों में उत्कृष्ट योगदान देने वाले सदस्यों और प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रहे पूर्व-अध्यक्ष जेसी एस.के. सिल्ला, जिन्होंने युवाओं को प्रेरित करते हुए कहा कि, आज के युवा केवल अपने करियर तक सीमित नहीं हैं, वे समाज में बदलाव लाने की क्षमता रखते हैं और जेसीआई उन्हें नेतृत्व और सेवा का अवसर प्रदान करती हैं। विशिष्ट अतिथि पूर्व-अध्यक्ष जेसी आनंद रैकवार ने संस्था द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना की और युवा नेतृत्व को भविष्य की ताकत बताया। कार्यक्रम का सबसे आकर्षक भाग रहा फैशन शो रैम्प वॉक, जिसमें प्रतिभागियों ने आत्मविश्वास, स्टाइल और क्रिएटिविटी का बेहतरीन प्रदर्शन किया, साथ ही गेम्स भी खेले गएद्य इस दौरान जेसीआई के पूर्व अध्यक्ष-गण, जेसीआई लीजेंड से अध्यक्ष शिवशंकर अग्रवाल, कार्यक्रम-निदेशक प्रतीक अग्रवाल, जेसी वीक समन्वयक हर्ष गुप्ता, जेसीरेट अध्यक्षा सीए आयुषी अग्रवाल, जेसीलेट बच्चे सहित पूरा जेसीआई परिवार उपस्थित रहे।

जिनी अग्रवाल पर एफआईआर दर्ज, एएल से फोटो एडिट कर किया ब्लैकमेलिंग

कोरबा। गिरवी रखे मोबाइल को अनलॉक कर एआई के जरिए फोटो एडिट करते हुए ब्लैकमेल करने के मामले में जिनी अग्रवाल के विरुध्द अपराध दर्ज कर लिया गया है। प्रार्थी साहिल खान पिता याकूब खान 28 वर्ष, निवासी एमपी नगर अटल आवास थाना सिविल लाईन रामपुर ने अंचल अग्रवाल (जिनी) निवासी- एमआईजी 1/55 रविशंकर नगर पर ब्लैकमेल करने का आरोप लगाया है। सिविल लाईन रामपुर थाना में दर्ज रिपोर्ट के मुताबिक अंचल अग्रवाल (जिनी) पिता अनिल अग्रवाल से साहिल खान ने अपनी निजी जरूरत हेतु वर्ष 2022 में 10 हजार रुपये नगद लिया था। उसके एवज में अपना ओप्पो का मोबाईल दिया था। अंचल अग्रवाल (जिनी) द्वारा उक्त मोबाईल का लॉक खोलकर उसके निजी फोटो को एडिट कर वायरल कर ब्लैकमेल और मारपीट करने लगा। अंचल अग्रवाल (जिनी) के द्वारा पीड़ित को लगातार ब्लैकमेल करते हुये जबरन धमका- चमकाकर 25000 रुपये की वसूली कर लिया, फिर भी और पैसे की मांग कर रहा है जिससे वह बहुत ही ज्यादा प्रताड़ित हो रहा है।

इलाज कराने की बात पर पति ने पत्नी को बेरहमीपूर्वक से की पिटाई

कोरबा। बीमार होने पर जब पत्नी ने पति से इलाज कराने की बात कही तो इलाज कराना दूर, उसके साथ बेरहमीपूर्वक मारपीट को अंजाम दिया गया। पीड़िता का पति गजपाल दास महंत ग्राम कल?गामार, थाना करतला का निवासी है। वर्ष 2021 में गजपाल दास महंत के साथ सामाजिक रीति रिवाज से विवाह हुआ था। घटना दिनांक 13 सितम्बर को पीड़िता ने अपनी तबीयत खराब होने से अपने पति को बोली कि मेरा तबियत खराब है, ईलाज कराने ले चलो। उसी समय सुबह करीब 10 से 11 बजे के म?य पति गजपाल ने बोला कि तुम बार- बार ईलाज के लिये अस?पताल ले जाने के लिये बोलती हो, हमारा शादी हुए पांच साल हो गया है, अभी तक बच्चा नहीं दे पा रहीं हो।

बेलपान मंदिर परिसर में चलाया गया स्वच्छता अभियान

कलेक्टर ने ग्रामीणों को दिलाई स्वच्छता की शपथ

- जीवन की अनेक समस्याओं का समाधान है स्वच्छता : राजेश सूर्यवंशी
- मंदिर परिसर में एक पेड़ मां के नाम लगाए गए पौधे

बिलासपुर। स्वच्छता एवं सेवा पखवाड़ा के दूसरे दिन ऐतिहासिक ग्राम बेलपान (तखतपुर)में साफ सफाई अभियान चलाया गया। जिला पंचायत अध्यक्ष राजेश सूर्यवंशी और कलेक्टर संजय अग्रवाल ने अभियान में हाथ बटाया। उन्होंने मंदिर परिसर में ग्रामीणों और स्वच्छता तथा बिहान दीदियों की बैठक लेकर वर्ष 2047 में विकसित भारत और विकसित छत्तीसगढ़ की परिकल्पना को साकार करने की कार्ययोजना समझाई। महिलाओं को स्वास्थ्य कार्ड वितरित किए गए। स्वच्छता को आदत में शामिल करने की शपथ दिलाई गई। परिसर में एक पेड़ मां के नाम धार्मिक महत्व के आमला, बेल के पौधे भी लगाए गए। नर्मदा कुंड और परिसर में झाड़ू लगाकर स्वच्छता का संदेश दिया गया। जिला पंचायत उपाध्यक्ष ललिता कश्यप, जनपद पंचायत तखतपुर के अध्यक्ष डॉक्टर माधवी वस्त्रकार, जिला पंचायत सीईओ संदीप अग्रवाल, एसडीएम अरुण खलखो सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि और ग्रामीणजन उपस्थित थे। जिला पंचायत अध्यक्ष राजेश सूर्यवंशी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के प्रथम कार्यकाल में वर्ष 2014 में स्वच्छता अभियान की जोरदार शुरुआत हुई । उस समय मुख्य रूप से शौचालय निर्माण पर जोर था । इसकी सफलता को लेकर कई लोगों ने शंका जाहिर की थी। बावजूद यह योजना सफल हुई। अब के समय में ज्यादा जोर संपूर्ण पर्यावरण की स्वच्छता पर है। लोगों में स्वच्छता के प्रति शुरुआती दौर में हिचकिचाहट थी लेकिन इसे लोग स्वेच्छा

से अपना रहे हैं । उन्होंने कहा कि 2047 तक समृद्ध छत्तीसगढ़ तब बनेगा जब हम स्वच्छता को अपने जीवन का एक हिस्सा बना लें। जीवन में अनेक समस्याओं का समाधान स्वच्छता ही है । कलेक्टर संजय अग्रवाल ने कहा की प्रधानमंत्री के आह्वान पर संपूर्ण देश में 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक विशेष स्वच्छता एवं सेवा अभियान चलाया जा रहा है। स्वच्छता को एक सीमित समय में बांधा नहीं जा सकता। ये संपूर्ण जीवनकाल तक चलने वाला एक आदत है। लेकिन अभियान के दौरान इसे जीवन में अपनाने का संकल्प ले सकते हैं।उन्होंने कहा की स्वच्छता अभियान को लेकर हम क्या छोटी-छोटी चीज कर सकते हैं, इस पर विचार करना चाहिए ।उन्होंने कहा की गंदगी हम स्वयं करते हैं, इसे कैसे कम कर सकें इस पर चर्चा किया जाए ।उन्होंने कहा कि सड़क पर से मवेशी बैठने की समस्या से कैसे निदान पाएं । ग्रामवासी मिलजुल कर इसका समाधान निकालसकते हैं। उन्होंने आह्वान किया कि इस समस्या को ग्रामवासी अपनी समस्या मानकर सामूहिक जिम्मेदारी लें तो निदान संभव है। कलेक्टर की अपील पर ग्रामीणों ने स्वच्छता दीदियों को सेवा शुल्क देने पर सहमति जताई। उन्होंने दीदियों की सराहना करते हुए कहा वे हमारे घर से कचरा नहीं बल्कि बीमारी उठा ले जाते हैं। हमें उनकी भूमिका को सकारात्मक रूप से समझना चाहिए। कलेक्टर ने लोगों को नशा पान से भी दूर रहने का सुझाव दिया। नशे का पैसा यदि बाल बच्चों की शिक्षा एवं स्वास्थ्य पर लगे तो इससे बढ़िया कोई हो नहीं सकता । सीपत क्षेत्र में महिलाएं नशे के खिलाफअभियान छेड़ी हुई हैं जो की बहुत ही प्रशंसनीय है। इस तरह के प्रयास बेलपान क्षेत्र में भी महिलाओं को उठाना चाहिए ।

कलेक्टर ने हाई स्कूल का किया आकस्मिक निरीक्षण

- प्राचार्य एवं शिक्षक नदारद, शो-कॉज नोटिस के निर्देश
- कलेक्टर बने गणित के शिक्षक, पढ़ाया पाईथागोरस के नियम

बिलासपुर। स्वच्छता एवं सेवा अभियान के तहत तखतपुर विकासखण्ड के दौरे पर पहुंचे कलेक्टर संजय अग्रवाल ने आज हाई स्कूल हरदी का अचानक दौरा किया। जिला पंचायत के सीईओ संदीप अग्रवाल भी दौरे में साथ थे। बिना अवकाश स्वीकृति के प्रभारी प्राचार्य रमेश साहू एवं शिक्षक निर्मल शर्मा नदारद पाये गये। उनके विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई के लिए जिला शिक्षा अधिकारी को शो-कॉज नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। स्कूल के अंदर और बाहर गंदगी का आलम देख कलेक्टर बेहद नाराज हुए। उन्होंने विशेष स्वच्छता अभियान चलाकर संपूर्ण परिसर को साफ-सफाई करने की सख्त लहजे में हिदायत दी। कलेक्टर ने बच्चों की कक्षा में पहुंचकर शिक्षा गुणवत्ता का भी परीक्षण किया। कक्षा नवमीं में सामान्य अंग्रेजी और दसवीं में गणित की पढ़ाई हो रही थी। पूछताछ में सामान्य से सवालों के जवाब बच्चे नहीं दे पाए। अंग्रेजी की लाईनें ठीक से पढ़ने एवं हिज्जे में उन्हें दिक्कतें हो रही थीं। कक्षा दसवीं में बच्चों को कलेक्टर ने पाईथागोरम नियम की सरल व्याख्या कर समझाए। कलेक्टर ने बच्चों से उनके भावी केरियर की जानकारी ली। कलेक्टर ने कहा कि अपने जीवन का लक्ष्य बनाकर उसे प्राप्त करने में लग जाइए। सफलता जरूर हाथ लगेगी। देश एवं समाज में जितने भी बड़े लोग हुए हैं, सबने जीवन की शुरूआत में ही सपने देखे और उसे प्राप्त करने के लिए जी-तोड़ मेहनत किया। स्कूल के अलावा घर में भी पाठ को दुहराने की सलाह कलेक्टर ने दी। कलेक्टर ने पढ़ाई के साथ शारीरिक स्वास्थ्य एवं खेल कूद के साथ भी जीवन में संतुलन बनाने की जरूरत बताई।

एसईसीएल मुख्यालय में हिंदी पखवाड़ा सम्पन्न....

बिलासपुर। एसईसीएल मुख्यालय में दिनांक 15 सितम्बर 2025 को ''राजभाषा पखवाड़ा उद्घाटन समारोह'' अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक श्री हरीश दुहन की अध्यक्षता, निदेशक (मानव संसाधन) श्री बिरंची दास, निदेशक (वित्त) श्री डी. सुनील कुमार, मुख्य सतर्कता अधिकारी श्री हिमांशु जैन के विशिष्ट आतिथ्य, विभिन्न विभागाध्यक्षों, अधिकारियों-कर्मचारियों, श्रमसंघ प्रतिनिधियों की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। राजभाषा पखवाड़ा का यह आयोजन एसईसीएल के समस्त क्षेत्रों में किया जा रहा है। इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक श्री हरीश दुहन ने हिंदी हमें एकसूत्र में पिरोने का कार्य करती है। हिंदी के उन्नयन के लिए उच्च

स्तर से जो निर्देश प्राप्त होते हैं उसका अक्षरशः पालन करें। हिंदी सरल, सुगम, सुबोध, संपर्क व रोजगार की भाषा है इसलिए पूरे देश में इसकी स्वीकार्यता है और यह हमारी एकता और अखण्डता को प्रदर्शित करती है। इस अवसर पर माननीय केन्द्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह, माननीय केन्द्रीय कोयला व खान मंत्री श्री जी. किशन रेड्डी , केन्द्रीय कोयला राज्य मंत्री श्री सतीश चन्द्र दुबे एवं चेयरमेन कोल इण्डिया श्री पीएम प्रसाद के संदेशों का पठन किया गया। 14 सितंबर से 28 सितंबर के बीच आयोजित राजभाषा पखवाड़ा के दौरान मुख्यालय एवं संचालन क्षेत्रों में हिंदी पत्र व टिप्पण लेखन, हिंदी ज्ञान प्रतियोगिता, चित्र आधारित हिंदी कहानी लेखन, गृहणियों हेतु हिंदी निबंध लेखन प्रतियोगिता, कम्प्यूटर आधारित हिंदी टंकण प्रतियोगिता, हिंदी अंताक्षरी प्रतियोगिता, हिंदी भाषण आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा।

छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव के तहत श्रम विभाग,स्वास्थ्य शिविर का आयोजन,1072 श्रमिकों की हुई जांच.....

- बिल्हा विधायक श्री धरमलाल कौशिक और कलेक्टर हुए शामिल, नुक्कड़ नाटक से दिया सुरक्षा का संदेश

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ रजत जयंती महोत्सव के उपलक्ष्य में श्रम विभाग द्वारा निःशुल्क श्रमवीर स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर जय दुर्गा ऑयल प्रा.लि., से बी इंडस्ट्रियल एरिया, सिरगिट्टी में संपन्न हुआ द्व शिविर में कुल 1072 श्रमिकों की स्वास्थ्य जांच की गई, जिसमें बीपी, शुगर, आंख, मुख एवं दंत जांच, स्त्रीरोग जांच तथा जनरल हेल्थ चेकअप शामिल रहा। स्वास्थ्य सेवाएं जिला चिकित्सा अधिकारी कार्यालय, कर्मचारी राज्य बीमा निगम एवंअपोलो अस्पताल के डॉक्टरों की टीम द्वारा प्रदान की गईं। आवश्यकतानुसार दवाइयों का निःशुल्क वितरण भी किया गया।इस स्वास्थ्य शिविर में बिल्हा विधायक श्री धरमलाल कौशिक, कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल, जिला पंचायत सीईओ श्री संदीप अग्रवाल, सहायक

श्रमायुक्त श्रीमती ज्योति शर्मा, तथा उप संचालक औद्योगिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा श्री विजय कुमार सोनी विशेष रूप से उपस्थित रहे। अधिकारियों ने शिविर का निरीक्षण कर श्रमिकों से संवाद भी किया और उनकी समस्याएं जानी। बिलासपुर क्षेत्र के विभिन्न कारखानों से आए महिला एवं पुरुष श्रमिकों ने इस शिविर में भाग लिया। शिविर की व्यवस्था और संचालन में श्रम विभाग का सहयोग सराहनीय रहा। कार्यक्रम के दौरान बी.ई.सी. फर्टिलाइज़र, सिरगिट्टी एवं एन.टी.पी.सी., सीपत द्वारा औद्योगिक सुरक्षा विषय पर नाटक प्रस्तुत किया गया, जिसे उपस्थित श्रमिकों और अधिकारियों ने खूब सराहा। नाट्य प्रस्तुति के माध्यम से सुरक्षा नियमों की महत्ता को प्रभावी ढंग से दर्शाया गया।

सात दिवस के भीतर ज्वॉइन नहीं करने वाले शिक्षकों को नो-वर्क नो-पेमेंट के निर्देश

- कलेक्टर ने युक्ति युक्तकरण के तहत पदस्थापना स्थल पर ज्वॉइन नहीं करने पर सर्विस बेक्र करने के दिए निर्देश
- बंद पड़ी योजनाओं के खाते बंद होंगे, बची हुई राशि शासन के खाते में जमा करने कलेक्टर ने दिए निर्देश

कोरबा। कलेक्टर अजीत वसन्त ने समय सीमा की बैठक लेकर विभागीय कामकाजों की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने एक माह से अधिक समय के लम्बित प्रकरणों पर शीघ्र कार्यवाही करते हुए प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री वसंत ने राज्य षासन के दिषा निर्देषों के तहत अपनाई गई युक्ति युक्तकरण की प्रक्रिया में पदस्थापना वाले विद्यालयों में अब तक ज्वॉइन नहीं करने वाले षिक्षकों के विरूद्ध कड़ी कार्यवाही के निर्देष दिए हैं। उन्होंने जिला षिक्षा अधिकारी को निर्देषित किया है कि माननीय न्यायालय में लंबित प्रकरणों को छोड़कर अन्य सभी षिक्षकों को सात दिवस के भीतर संबंधित विद्यालयों में ज्वॉनिंग कराएं। सात दिवस के भीतर ज्वॉइन नहीं करने पर नो वर्क, नो पेंमेंट की कार्यवाही करें। कलेक्टर ने ऐसे षिक्षकों के विरूद्ध सर्विस बेक्र की कार्यवाही के निर्देष भी दिए हैं। कलेक्टर ने 17 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत सभी विभागों को षासन के निर्देषों के तहत कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देष दिए। कलेक्टर श्री वसन्त ने समय सीमा की बैठक में नगर निगम आयुक्त, जिला पंचायत सीईओ, अपर कलेक्टर सहित प्रभारी अधिकारियों को निर्देषित किया कि जिन विभागों की ष्षासकीय योजनाएं बंद हो चुकी है, उसके बैंक खाते बंद कराकार ष्षेष राषि को ष्षासन के खाते में जमा कराई जाए। उन्होंने खाता बंद कराकर प्रमाण पत्र भी लेने के निर्देष दिए। कलेक्टर ने जिले में संचालित पीएम श्री विद्यालय के नये भवन के प्रषासकीय स्वीकृति, आत्मानंद विद्यालयों में रिक्त षिक्षकों के पदों पर भर्ती की समीक्षा की। उन्होंने आत्मानंद विद्यालय मेंयोग्य षिक्षकों की भर्ती करने तथा भर्ती प्रक्रिया पारदर्षिता से सम्पन्न कराने के निर्देष दिए। कलेक्टर ने सभी एसडीएम को निर्देषित किया कि वे विकास खण्ड षिक्षा अधिकारियों के माध्यम से सभी हायर सेकेण्डरी विद्यालयों के प्रयोगषालाओं की स्टेटस लेकर अगली बैठक से पूर्व रिपोर्ट प्रस्तुत करें। समय सीमा की बैठक में कलेक्टर श्री वसंत ने सभी विभागों को ई-ऑफिस के माध्यम से फाइलों को आगे बढ़ाने के निर्देश दिए। बैठक में उन्होंने सीएसआर अंतर्गत विद्यालय भवन निर्माण की स्थिति की समीक्षा करते हुए निर्देषित किया कि गुणवत्ताविहीन निर्माण वाले भवनों का भुगतान न किया जाए।

एसईसीएल में विश्वकर्मा जयंती एवं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के जन्मदिन पर 75 श्रमवीरों को सम्मानित किया गया

- स्वच्छता ही सेवा अभियान 2025 का भी हुआ शुभारंभ, कर्मियों ने ली स्वच्छता की शपथ

बिलासपुर। एसईसीएल में आज दिनांक 17 सितम्बर 2025 को भगवान विश्वकर्मा जयंती एवं माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के जन्मदिन के शुभ अवसर पर 75 कोयला खनिक श्रमवीरों को सम्मानित किया गया। यह गरिमामयी समारोह एसईसीएल वसंत विहार स्थित रवीन्द्र भवन में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में माननीय केंद्रीय शहरी एवं आवासन कार्य राज्य मंत्री तथा सांसद (बिलासपुर) श्री तोखन साहू जी, विशिष्ट अतिथि के रूप में माननीय विधायक (बेलतरा) श्री सुशांत शुक्ला जी उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता एसईसीएल के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक श्री हरीश दुहन ने की। इस अवसर पर निदेशक (तकनीकी /संचालन) श्री एन. फ्रैंकलिन जयकुमार, निदेशक (मानव संसाधन) श्री बिरंची दास, निदेशक (वित्त) श्री डी. सुनील कुमार, संचालन समिति, कल्याण बोर्ड, सुरक्षा समिति, श्रमसंघ प्रतिनिधि, सिस्टा/ ओबीसी/ एससी-एसटी/एसोसिएशन के सम्मानित सदस्य, विभागाध्यक्षगण, क्षेत्रों से आए कामगार साथी एवं महिलाएं उपस्थित रहे। इस अवसर पर मुख्य अतिथि माननीय राज्यमंत्री श्री तोखन साहू ने अपने उद्बोधन में विश्वकर्मा जयंती एवं माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदीजी के जन्मदिन के अवसर पर एसईसीएल द्वारा शुरू किए गए विश्वकर्मा अवाड्र्स की पहल की सराहना की और कहा देश को ऊर्जावान बनाए रखने में इन श्रमवीरों का अहम योगदान है। विशिष्ट अतिथि

माननीय विधायक श्री सुशांत शुक्ला ने कहा कि देश की ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने में खनिकों का श्रम और समर्पण अनुपम है, इसलिए वे सच्चे श्रमयोगी हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे सीएमडी एसईसीएल श्री हरीश दुहन ने कहा कि आज एसईसीएल के सच्चे विश्वकर्मों हमारे खनिक श्रमवीरों को सम्मानित कर पूरा एसईसीएल परिवार गौरवान्वित महसूस कर रहा है। आगमन पर सभी अतिथियों ने 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के अंतर्गत पौधरोपण किया। इसके पश्चात् एसईसीएल की खदानों में ऑपरेशन, मेंटेनेंस, सुपरवाइजरी आदि कार्यों में संलग्न 75 नियमित एवं संविदा कर्मियों को सम्मानित किया गया। इसके साथ ही कार्यक्रम के शुरुआत में मुख्य अतिथि द्वारा आज से शुरू हो रहे स्वच्छता ही सेवा अभियान अंतर्गत सभी को स्वच्छता शपथ भी दिलाई गई। विश्वकर्मा जयंती अवसर पर एसईसीएल द्वारा श्रमिकों के सम्मान में मुख्यालय एवं संचालन क्षेत्रों में एसईसीएल-17: विश्वकर्मा सेवा संकल्प अभियान आयोजित किया गया, जिसके अंतर्गत मुख्यालय एवं सभी संचालन क्षेत्रों में श्रमिक कल्याण हेतु 17 विविध गतिविधियों का संचालन किया गया। इनमें स्वास्थ्य शिविर, सतर्कता शपथ, रक्तदान, वित्तीय जागरूकता शिविर, एक पेड़ माँ के नाम अभियान, सुरक्षा जागरूकता, डिजिटल साक्षरता तथा नशामुक्ति जैसे विषयों पर विशेष कार्यक्रम शामिल रहे।

जोड़ों और मांसपेशियों का बढ़ता दर्द

एक अध्ययन के मुताबिक 1999-2010 के बीच मांसपेशियों एवं जोड़ों में दर्द से जुड़ी बीमारियों में 45 फीसदी का इजाफा हुआ है। शोध बताते हैं कि भविष्य में मानसिक रोगों के बाद मांसपेशियों एवं जोड़ों में दर्द की बीमारी दूसरी सबसे बड़ी स्वास्थ्य समस्या होगी। समय पर सही जांच व उपचार के बारे में बता रही हैं एम्स के डिपार्टमेंट ऑफ रूमैटॉलजी में विभागाध्यक्ष - प्रोफेसर उमा कुमार

देश में जीवनशैली से जुड़ी बीमारियां मधुमेह, रक्तचाप, दिल के रोग आदि बढ़ रहे हैं, लेकिन एक और बीमारी है, जो तेजी से अपने पैर पसार रही है। खेद की बात यह है कि इसकी ओर नीति-निर्माताओं का ध्यान भी कम है। यह रोग है मांसपेशियों एवं जोड़ों में दर्द से जुड़ा गठिया या आर्थ्राइटिस।

इसमें मांसपेशियों एवं जोड़ों में दर्द, सूजन, लालिमा पैदा होती है। इसके रोगी को उठने-बैठने, चलने-फिरने, झुकने या किसी खास किस्म का कार्य करने में तकलीफ होती है। इसे रूमैटिज्म या गठिया कहते हैं। गठिया की बीमारी करीब दो सौ किस्म की होती है। कई बार कई किस्म के बुखार या कभी-कभी मांसपेशियों के दबने या उन पर दबाव पड़ने की वजह से भी मांसपेशियों और जोड़ों में दर्द होता है। मोटे तौर पर यदि सुबह उठने के बाद आधे घंटे के भीतर शरीर की जकड़न दूर नहीं हो रही है तो यह गठिया के लक्षण हो सकते हैं।

गठिया क्यों बढ़ रहा है?

इसके लिए पर्यावरण से जुड़े कारण सबसे ज्यादा जिम्मेदार होते हैं। अध्ययन बताते हैं कि जहां प्रदूषण की समस्या ज्यादा गंभीर है, वहां गठिया ज्यादा हो रहा है। आर्थ्राइटिस आंतों में संक्रमण की वजह से भी होता है, जिसकी वजह दूषित खान-पान हो सकता है।

नए अध्ययन संकेत दे रहे हैं कि जीवनशैली भी इस बीमारी को बढ़ा रही है। ज्यादा खाने-पीने के कारण मोटापे की चपेट में आने, एक स्थिति में ज्यादा देर तक बैठे रहने, कंप्यूटर पर लंबे समय तक कार्य करने, कंधे व गर्दन के बीच मोबाइल दबा कर लंबे समय तक बात करने जैसी स्थितियों से भी मांसपेशियों एवं जोड़ों का दर्द होता है। हालांकि यह गठिया नहीं है, लेकिन इसके प्रभाव गठिया जैसे ही महसूस होते हैं। दूसरे ज्यादा उम्र वालों में ही नहीं, बच्चों व जवानों में भी गठिया हो रहा है।

प्रदूषण बड़ा कारक

गठिया को लेकर हमने एम्स की ओपीडी में आने वाले 300 मरीजों के आंकड़े जुटाए हैं। आरंभिक जांच में यह पाया गया कि जब दिल्ली में पीएम-2.5 की मात्रा हवा में ज्यादा पाई गई, तब गठिया के रोगी ज्यादा सामने आए। ऐसे मरीजों के आंकड़े एकत्र किए गए, जिससे यह बात सामने आती है कि जब हवा में पीएम-2.5 ज्यादा मात्रा में घुल जाते हैं तो यह सांस लेने के साथ शरीर में प्रवेश कर जाते हैं। रक्त के साथ ये शरीर के सभी अंगों में पहुंचते हैं। इसी प्रक्रिया में पीएम-2.5 की मात्रा जोड़ों के ईद-गिर्द कोशिकाओं में रक्त एवं ऑक्सीजन के प्रवाह को बाधित करती है।

सही जांच जरूरी

मांसपेशियों एवं जोड़ों में दर्द की शिकायत आज आम बात हो गई है। शहरों में यह स्थिति ज्यादा गंभीर है, जहां शारीरिक गतिविधियां लोगों में कम हैं। इसलिए सही जांच जरूरी है। इसके लिए हड्डी रोग विशेषज्ञ की बजाय गठिया रोग विशेषज्ञ के पास जाएं। दूसरे बिना जांच के गठिया या आर्थ्राइटिस की दवा का सेवन नहीं करना चाहिए। इससे दवाओं के दुष्प्रभाव हो सकते हैं। स्टेरॉइड वाली दवाओं का तो सेवन कतई नहीं किया जाना चाहिए।

जरूरी है सही जांच

बीमारी का गलत इलाज ज्यादा घातक हो सकता है। हाल में एक व्यक्ति पीठ की दर्द की शिकायत के साथ पहुंचे। उन्हें डॉक्टर ने स्लिप डिस्क बता कर ऑपरेशन की सलाह दे दी थी। वह सेकेंड ओपिनियन के लिए आए थे। जांच के बाद पाया कि यह स्लिप डिस्क का मामला नहीं था और न ही गठिया का। उन्हें सिर्फ पीठ दर्द की शिकायत थी। वह हवाई यात्राएं व कंप्यूटर कार्य ज्यादा कर रहे थे, जिससे एक स्थिति में बैठने के कारण यह बीमारी हुई। हमने उन्हें कुछ व्यायाम बताए एवं हवाई जहाज में बैठते समय सावधानियां बरतने को कहा। छह-सात महीनों में जब वे दोबारा आए तो समस्या खत्म हो गई थी।

दूसरा, एक 23 वर्षीय महिला हाथों में आर्थ्राइटिस की समस्या लेकर आईं। वह आर्थ्राइटिस की दवा ले रही थीं। लेकिन हमने जब रिपोर्ट देखी तो उन्हें आर्थ्राइटिस नहीं था, बल्कि लिवर में कुछ समस्या थी, पर आर्थ्राइटिस की दवा देने के बाद उन्हें पीलिया ने पकड़ लिया था। एक अन्य मामले में एक 63 वर्षीया महिला नसों में सूजन के आर्थ्राइटिस से पीड़ित थीं, जिससे
उनके मुंह से खून आ रहा था, पर डॉक्टर टीबी की दवा दे रहे थे।

सिर्फ जांच ही काफी नहीं

यह देखा गया है कि अकसर लोग ईएसआर, सीआरपी जैसे टैस्ट पॉजिटिव निकलने पर उसे गठिया मान लेते हैं। यह सही नहीं है। यह शरीर में सिर्फ सूजन व संक्रमण दर्शाते हैं। यह हमेशा गठिया का पैमाना नहीं होता। इसी प्रकार रूमैटाइड फैक्टर (आरएफ) एंटी न्यूक्लियर एंटीबॉडीज (एएनए) के पॉजिटिव निकलने का मतलब भी गठिया संक्रमण जरूरी नहीं है। पांच फीसदी स्वस्थ लोगों में भी यह टैस्ट पॉजिटिव निकलते हैं।

इलाज की सुविधाओं की कमी

देश में 7 से 18 फीसदी आबादी के गठिया या मांसपेशियों से जुड़ी बीमारियों से ग्रस्त होने का अनुमान है, लेकिन इलाज की सुविधाएं बेहद कम हैं। रूमैटॉलॉजिस्ट की देश में सिर्फ 15 पोस्ट ग्रेजुएट सीटें हैं। देश में आधा दर्जन अस्पतालों में ही रूमैटॉलजी विभाग है। इसे गैर संचारी रोगों की श्रेणी में भी नहीं रखा गया है, इसलिए सरकारी नीतियों में इस बीमारी पर खास जोर नहीं है।

कुछ तथ्य

- यह नवजात शिशुओं से लेकर वृद्धों में पाया जाता है। मां से बच्चे में भी आ सकता है।
- स्त्रियां अधिक शिकार हैं। ताजा शोध बताते हैं कि युवाओं में भी इसके मामले बढ़ रहे हैं।
- ऑस्टियोआर्थ्राइटिस सबसे अधिक पाया जाने वाला गठिया है। गठिया होने पर रूमैटॉलॉजिस्ट से सलाह लें, हड्डी रोग विशेषज्ञ से नहीं। यह दवा से ठीक होने वाली बीमारी है, शल्य क्रिया से नहीं।
- दुनिया में प्रतिवर्ष आर्थ्राइटिस से सौ अरब डॉलर की क्षति होती है। करीब दस लाख लोग अस्पताल में भर्ती होते हैं और पांच करोड़ लोग ओपीडी में जाते हैं।

– (मदन जैड़ा से बातचीत पर आधारित)

सेहत के साथ कदमताल

मौजूदा दौर में हमारी लाइफस्टाइल ही कुछ ऐसी हो चली है कि कम उम्र मे ही कई स्वास्थ्य समस्याएं घेरने लगी हैं। जिन्दगी की भगमभाग में सेहत की संभाल कहीं पीछें छूट गयी है। ऐसे में निर्धारित दिनचर्या के अनुसार कसरक करना और खानपान का संयम रखना सबके लिए मुमकिन नहीं। कई सारी जिम्मेदारियां हैं जो ऐसे तयशुदा नियमों के आड़े आती हैं। नतीजा ये होती है कि सेहत खराब होती जाती है। इन हालातों में एक उपाय है जो कई समस्याओ से बचा सकता है। वो है पैदल चलना। आज की जद्दोजहद में खुद को बीमारियों से बचाना है तो पैदल चलना बेहद जरूरी है। हालांकि हम हमेशा से ही सुनते आये हैं कि पैदल चलना सेहत के लिए बहुत अच्छा है। लेकिन इसके कितने फायदे हैं इस बारे में अच्छे से नहीं जानते। यही कारण है आज की जीवनशैली में पैदल चलने की आदत ही छूट गयी है। अब इस ओर फिर लौटिये। खुद को बीमारियों से बचाइये और जारी रखिये सेहत की कदमताल

दिमाग के लिए फायदा

आज के तनाव भरे जीवन में मानसिक स्वास्य की देखभाल सबसे अहम है। हफ्ते में दो घंटे पैदल चलने से ब्रेन स्ट्रोक का खतरा 30 फीसदी कम हो जाता है। दिमागी सेहत के लिए इतना मुफीद होने बावजूद आजकल सभी पैदल चलने से कतराते हैं। सुबह-शाम की नियमित सैर करने से शरीर सक्रिय और मन प्रफुल्लित रहता है। नतीजतन बीमारियों की गिरफ्त में आने की आशंका कम होती है। पैदल चलने से कई तरह के विषैले तत्व बाहर निकलते हैं। विशेषज्ञ मानते हैं कि सिर्फ सैर करने से ही कसरत के 90 फीसदी फायदे मिल जाते हैं। डिप्रेशन व चिड़िचड़ापन कम होता है। अध्ययन बताते हैं कि जो महिलाएं नियमित सैर करती हैं उनमें कोलेन कैंसर की आशंका व्यायाम या सैर न करने वाली महिलाओं की तुलना में 31 प्रतिशत कम हो जाती है। इसीलिए कहा जाता है कि पैदल चलने का कोई विकल्प नहीं। अवसाद और तनाव पर विजय पाने का सबसे सरल तरीका है वॉकिंग। जो हमें कुदरत के भी करीब लाता है। नियमित सैर करने से सकारात्मक भावनाओं का संचार होता है जो सीधे-सीधे हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाता है।

याददाश्त बढ़ेगी

जब भी कुछ कदम चलने का मौका मिले उसे टालें नहीं। हो सके तो सुबह या शाम की सैर के लिए समय जरूर निकालें। क्योंकि विशेषज्ञों का मानना है कि हफ्ते में तीन बार 40-40 मिनट की चहलकदमी से दिमाग तेज होता है और याददाश्त बढ़ती है। इसीलिए शरीर और मन दोनों को चुस्त-दुरुस्त रखने के लिए चलना जरूरी है। खासकर सुबह की सैर सबसे अच्छी होती है क्योंकि उस समय पैदल चलने वाले ताजी हवा में सांस लेते हैं जो मानसिक तनाव कम करने और शरीर को फिट रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से याददाश्त को बढ़ाता है। एक शोध के अनुसार जो लोग नियमित रूप से पैदल चलते हैं उनमें बढ़ती उम्र के साथ याददाश्त कम होने और नींद ना आने जैसी समस्याओं की आशंका कम हो जाती है। साथ ही कोलेस्ट्रॉल और ब्लड प्रेशर पर काबू पाने में भी मदद मिलती है। पैदल चलना वाकई पूरी तरह कायाकल्प कर सकता है। वाकिंग करते समय खुली हवा में सांस लेने से शरीर को ज्यादा ऑक्सीजन मिलती है, जो मस्तिष्क की सोचने और विश्लेषण करने की क्षमता बढ़ाती है। इसमें कोई शक ही नहीं कि शारीरिक सक्रियता से दिमाग भी सक्रिय रहता है जो हमारी बौद्धिक क्षमता को बनाये रखने में अहम भूमिका निभाता है। आज के दौर में शारीरिक श्रम की कमी ने हमें जाने अनजाने कई बीमारियों का शिकार बना दिया है। ऐसे में हर दिन पैदल चलना सक्रिय रहने का सबसे आसान तरीका है जिसके अनगिनत लाभ भी मिलते हैं। अमेरिका के पिट्सबर्ग विविद्यालय के अध्ययनकर्ताओं के मुताबिक हर सप्ताह औसतन 8 किलोमीटर आराम से पैदल चलने या खुली हवा में रहने वाले लोगों की मस्तिष्क की कोशिकाओं का जीवनकाल लंबा होता है जिसके चलते उनकी याददाश्त लंबे समय तक बनी रहती है।

सुधरेगी मन की सेहत

पैदल चलना इंसानी शरीर की प्राकृतिक गतिविधि है। इसीलिए इसका असर केवल शरीर पर ही नहीं बल्कि मन पर भी पड़ता है। शोध बताते हैं कि दिन में 30 मिनट की कदमताल से डिप्रेशन का खतरा 36 फीसदी नीचे आ जाता है। आज के समय में हर कोई तनाव और अवसाद से जूझ रहा है। ऐसे में कुछ कदम चलना अगर तनाव से मुक्ति दिलाये तो इससे बेहतर और क्या हो सकता है? पैदल चलने से शरीर की भीतरी और बाहरी नकारात्मकता का खात्मा होता है। यानी तन और मन दोनों को स्वस्थ रखता है वॉकिंग। आमतौर पर पैदल चलना मजबूरी माना जाता है। जबकि सही मायने में देखा जाए तो वॉकिंग सेहत के हर पहलू पर सकारात्मक असर डालती है। यह एक कड़वा सच है कि हम जितनी सहूलियतों को जी रहे हैं उतने ही स्वास्य समस्याओं से घिर रहे हैं। सुबह की सैर मन को प्रकृति से जोड़ती है। मेंटल हेल्थ एंड फिजिकल एक्टिविटी पत्रिका में छपी एक रिसर्च के मुताबिक अवसाद को कम करने में सुबह की सैर की अहम भूमिका है। यही वजह है कि विशेषज्ञ मानते भी हैं कि स्वस्थ एवं तनावरहित रहने के लिए प्रत्येक व्यक्ति को रोज कुल मिलाकर कम से कम 30 मिनट तेज गति से टहलना ही चाहिए।

हड्डियों की मजबूती

चलना न केवल स्फूर्तिदायक है बल्कि शरीर की हड्डियों को मजबूती भी देता है। हफ्ते में चार घंटे चलने से हिप फैक्चर का खतरा 43 प्रतिशत कम हो जाता है। इतना ही नहीं हड्डियों और मांसपेशियों में तकलीफ होने पर भी पैदल चलना एक कारगर उपाय है। इससे शरीर एक्टिव रहता है । पैदल चलते रहने से बॉडी के ज्वाइंट्स जाम नहीं होते। शरीर की इस गतिशीलता के चलते जोड़ों में होने वाले दर्द में राहत मिलती है और शरीर की कार्यपणाली में भी सुधार होता है। ये तो सभी जानते हैं कि वॉकिंग वजन घटाने में प्रभावी ढंग से काम करता है। इससे हड्डियों और मांसपेशियों को बिना नुकसान पहुंचाये वजन कम किया जा सकता है। क्योंकि यह सबसे आसान और बेहतरीन कसरत है। – चैतन्या

ताकि सांसों में बनी रहे ताजगी

यदि किसी से वार्तालाप करते समय आपके मुंह से अथवा आपके सामने वाले व्यक्ति के मुंह से बदबू आ रही हो, तो उस वक्त आपका उसका व्यक्तित्व कैसा प्रदर्शित होगा, इसे बतलाने की आवश्यकता नहीं है। यह हमारी शारीरिक स्वच्छता एवं स्वास्य के प्रति लापरवाही दिखलाती है। सांस की बदबू से पीड़ित व्यक्ति हमेशा हीनभावना से ग्रस्त रहते हैं तथा किसी से भी देर तक खुलकर बात नहीं करता है। आजकल सांस की बदबू आम समस्या बन चुकी है।

सांसों की बदबू के कुछ कारण मुंह से संबंधित तथा कुछ पेट की बीमारी, अपच, गुर्दे के रोग, टांसिल, मधुमेह, फेफड़ों के रोग, नाम एवं गले की बीमारियों से संबंधित होते हैं। मुंह की दुर्गन्धता के प्रमुख कारण मुंह, दांतों एवं जीभ की उचित तरह से साफ-सफाई न होना है। हमारे मुंह के अंदर दांतों के बीच बहुसंख्या में जीवाणु (बैक्टीरिया) रहते हैं, दांतों की समुचित सफाई न होने पर ये जीवाणु प्रभावी हो जाते हैं तथा तीक्ष्ण दुर्गन्ध युक्त गैसें पैदा करते हैं। इन गैसों में हाइड्रोजन सल्फाइड और मेथिल मारकैप्टन प्रमुख हैं। इन गैसों को पैदा करने वाले जीवाणुओं की वृद्धि आक्सीजन की अनुपस्थिति में होती है। मुंह की लार में ऑक्सीजन की प्रचुरता होती है, अतः लार से भरे मुंह में जीवाणुओं का पल्लवन तीव्रता से नहीं हो पाता है। सोते समय अथवा उपवास के समय जब लार का उत्सर्जन मंद हो जाता है, तब जीवाणु अतिसक्रिय हो जाते हैं तथा उनकी संख्या में तेजी से वृद्धि होती है। इसी कारण सुबह बासी मुंह से तीव्र दुर्गन्ध आती है। जैसे-जैसे हमारी आयु बढ़ती जाती है, मुंह में लार का उत्सर्जन धीमा होता जाता है। इसी कारण बच्चों की अपेक्षा युवाओं एवं प्रौढ़ों में सांस की बदबू की समस्या अधिक पायी जाती है। मदिरापान, धूम्रपान, भूख लगना, बहुत बोलना, व्यायाम करते समय मुंह से सांस लेना अथवा नाक के बंद होने पर मुंह से सांस लेना, किसी दवा के दुष्प्रभाव इत्यादि के कारण भी मुंह में शुष्कता आती है, जिससे सांसों में बदबू आने लगती है।

कुछ तय-

1-यदि दांतों की सही ढंग से सफाई न की जाए तो दांतों पर पीलापन लिये हुए चिपचिपा पदार्थ जमा होने लगता है, जिस पर जीवाणुओं का प्रभाव हो जाता है, जिसे ''प्लाक' कहते हैं। इसी से मुंह में दुर्गन्ध पैदा होने लगती है। प्याज, लहसुन आदि खाने से भी सांसों में बदबू आने लगती है। उपवास एवं अत्यल्पाहार (डाइटिंग) से भी मुंह में दुर्गन्ध पैदा होने लगती है, क्योंकि ऐसी अवस्था में लार का उत्सर्जन मंद हो जाता है जिसके कारण मुंह में शुष्कता आ जाती है। इसके अलावा वसा ह्रास से तीखी गंध वाली एसीटोन गैस बोलते वक्त निकलती है। अतः उपवास एवं अत्यल्पाहार काल में मुंह की सफाई का विशेष ध्यान रखना चाहिए, साथ ही तरल पदार्थो- जल, रस, सूप आदि का सेवन करते रहना चाहिए ताकि मुंह सूखा न रहे तथा लार का प्रभाव बना रहे।

2-सांस की बदबू पर विजय पाने के लिए प्रातःकाल मंजन, ब्रश आदि करने के बाद ही कुछ खाना चाहिए। कुछ भी खाने के बाद मुंह को भलीभांति कुल्ला करके साफ करना चाहिए। भोजनोपरांत नियमित रूप से ब्रश आदि करना चाहिए। दांतों तथा मसूढ़ों में फंसे भोजन के कणों को बाहर निकालने के लिए ''वाटर स्प्रे' का प्रयोग भी किया जा सकता है। नीम, बबूल, आदि की दातून करना अति लाभकारी होता है।

3-मुंह की शुष्कता से पीड़ित व्यक्ति को लार का उत्सर्जन बनाए रखने के लिए मुंह में लौंग, इलायची, सौंफ, मिश्री, च्यूइंगम, टॉफी इत्यादि डाले रहना चाहिए। बीच-बीच में पानी या फलों का रस पीते रहने से भी मुंह लार से तर रहता है। उपवास, अत्यल्पाहार एवं मुंह की शुष्कता के समय नींबू पानी का सेवन अति उत्तम है, क्योंकि नींबू पानी की रासायनिक अभिक्रिया लार ग्रंथियों को सदैव सक्रिय रखती है जिसके लार का उत्सर्जन होता रहता है।

4-मुंह की दुर्गन्ध हटाने के लिए रासयनिक मुंहधावनों (माउथवाष) का इस्तेमाल कम करना चाहिए। क्योंकि ये मुंहधावन केवल अपनी सुगंध से सांस की दुर्गन्ध को दबाते हैं, न कि मिटाते हैं। परीक्षणों से पता चला है कि किसी भी प्रकार के रासायनिक मुंहधावन का प्रभाव मात्र डेढ़-दो घंटे ही रहता है, लेकिन इसका अल्कोहल मुंह की शुष्कता को बढ़ाता है। सामान्यतया मुंहधावन दांतों और मसूढ़ों पर प्लाक की मोटी परत के नीचे नहीं पहुंच पाता है, जहां बदबू पैदा करने वाले जीवाणु छिपे रहते हैं।

5-मुंह की दुर्गन्ध से छुटकारा पाने के लिए तुलसी की पत्तियों का सेवन भी लाभकारी है। कुछ खाने-पीने के पश्चात तीन-चार पत्तियां तुलसी की चबा लेने से सांस की बदबू पर काबू पाया जा सकता है। एक चम्मच अदरक के अर्क को एक कप गुनगुने पानी में मिलाकर सुबह-शाम गरारा करने से मुंह की दुर्गन्ध समाप्त हो जाती है। लससुन, प्याज आदि खाने के बाद थोड़ी सी हरी धनिया की पत्तियां चबाने से मुंह तरोताजा और दुर्गन्ध रहित रहता है। अनार के छिलकों को पानी में उबाल लें फिर पानी को छानकर किसी बर्तन में रख लें, सुबह शाम इस पानी की उचित मात्रा लेकर गुनगुना कर गरारा करने से मुंह की दुर्गन्ध दूर होती है। लौंग, इलायची, सौंफ आदि से मुंह में दुर्गन्ध नहीं पैदा होने पाती, साथ ही मुंह सुवासित रहता है।

– नीरज पाण्डेय

मनी लॉन्ड्रिंग केस में ED ने 6 राज्यों में छापेमारी की

3,500 करोड़ रुपए के शराब घोटाले से जुड़ा मामला

भिलाई हुडको में राइस मिलर सुधाकर राव के घर पर टीम ने खंगाले दस्तावेज

लोकतंत्र प्रहरी। भिलाई। भिलाई हुडको और तालपुरी इलाके में गुरुवार को सुबह श्वष्ठ की टीम ने बड़ी छापेमार कार्रवाई की है। मिली जानकारी के मुताबिक राइस मिलर सुधाकर राव के घर पर श्वष्ठ की टीम ने दस्तावेज खंगाली है। आंध्र प्रदेश के कथित 3,500 करोड़ रुपए के शराब घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग केस में श्वष्ठ ने करीब देश के 6 राज्यों के 20 ठिकानों पर छापेमारी की है।

6 राज्यों में छत्तीसगढ़, हैदराबाद, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, कर्नाटक और दिल्ली-एनसीआर शामिल हैं।

आपको बता दें, 2019 से 2024 तक आंध्र प्रदेश में वाईएसआर कांग्रेस पार्टी की सरकार रही। इसी दौरान राज्य की शराब आपूर्ति व्यवस्था में बड़ा घोटाले का आरोप है।एसआईटी जांच में इसका खुलासा हुआ था।

एसआईटी की जांच में पता चला कि 16 डिस्टिलरी कंपनियों ने करोड़ों की रिश्वत दी। आंध्र प्रदेश स्टेट बेवरेजेस कॉर्पोरेशन लिमिटेड से बड़े सप्लाई ऑर्डर हासिल किए गए। कंपनियों ने लगभग ?1,677.68 करोड़ की रिश्वत दी। कुल घोटाला ?3,500 करोड़ से ज्यादा का अनुमान है। मिली जानकारी के मुताबिक श्वष्ठ ने एरेट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, श्री ज्वेलर्स एक्जिम्प, एनआर उद्योग एलएलपी, द इंडिया फ्रूट्स प्राइवेट लिमिटेड (चेन्नई), वेंकटेश्वर पैकेजिंग, सुवर्णा दुर्गा बॉटल्स, राव साहेब बुरुगु महादेव ज्वेलर्स, उषोदय एंटरप्राइजेज और मोहन लाल ज्वैलर्स (चेन्नई) में छापेमारी की है।

बताया जा रहा है कि यह कार्रवाई विशेष जांच दल (स्ढ्ढञ्ज) की शुरुआती जांच के बाद हुई है, जिसमें सेल कंपनियों, बेनामी फर्मों और हवाला नेटवर्क के जरिए धन के लेन-देन का खुलासा हुआ था।

इस घोटाले में सरकारी अफसर ही नहीं, फर्जी कंपनियां भी शामिल थीं। कई कंपनियां अलग-अलग नाम से चल रही थीं, लेकिन जांच में उनके मालिक एक ही निकले।लीला डिस्टिलरीज़, अदान डिस्टिलरीज़, यूवी डिस्टिलरीज़ और पीवी स्पिरिट्स इसमें शामिल थीं।

बजरंग दल के खिलाफ क्रिश्चियन समाज ने किया प्रदर्शन, रैली निकाल जताया आक्रोश

भीम आर्मी ने दिया समर्थन

लोकतंत्र प्रहरी/दुर्ग। छत्तीसगढ़ में धर्मांतरण के मामले को लेकर जगह जगह हिंदू संगठनों का विरोध चल रहा है।आए दिन इस मामले को लेकर मारपीट जैसी स्थिति निर्मित हो रही है।हाल ही में दुर्ग में भी एक ऐसी घटना हुई है।इस बात से नाराज़ ईसाई समाज ने भीम आर्मी के साथ मिलकर बजरंग दल के खिलाफ रैली निकाली।

और बजरंग दल के खिलाफ नाराज़गी ज़ाहिर करते हुए संवैधानिक अधिकार की रक्षा करने की मांग की जिसमें बड़ी संख्या में शामिल भीम आर्मी के सदस्यों ने भी अपनी आवाज बुलंद की।

आपको बता दें,ईसाइयों की धर्म सभा में बजरंग दल लगातार पहुंचकर धर्मांतरण का आरोप लगाते हुवे प्रदर्शन कर रहा है जिसकी कड़ी में पिछले दिनों पद्मनाभपुर में प्रदर्शन के दौरान ईसाई समाज के लोगों के साथ झूमाझटकी और मारपीट की घटना भी सामने आई जिसको लेकर ईसाई समाज में भारी आक्रोश है।

रूआबांधा मार्केट से निगम ने हटाया अतिक्रमण, रात भर में किया था दस फीट की जुड़ाई

रिसाली। आयुक्त मोनिका वर्मा के निर्देश पर तोड़ू दस्ते ने रूआबांधा सब्जी मार्केट में हो रहे अतिक्रमण को हटाया। तोड़-फोड़ विभाग के प्रभारी अधिकारी दुर्गेश गुप्ता नें इंट से खड़ी की गई दीवार को ढहाया। साथ ही नागरिकों और फुटकर व्यापारी को आगाह किया है कि बिना अनुमति निर्माण न किया जाए। उल्लेखनीय है कि निगम आयुक्त मोनिका वर्मा रोज की तरह सुबह वार्ड भ्रमण के तहत रूआबांधा सब्जी मार्केट पहुंची थी। यहां पर नौ रात्र के तैयारियां हो रही थी। पण्डाल के सामने कुछ मजदुर ईंट जुड़ाई का कार्य कर रहे थे। निगम अमला को देखते ही मजदुर काम बंद कर इधर उधर हो गए। पता साजी पर खुलासा हुआ कि कुछ लोग खाली जमीन पर अतिक्रमण कर रहे है। मौके पर आयुक्त ने तत्काल तोड़-फोड़ विभाग प्रभारी को तलब कर तोड़ने के निर्देश दिए।

व्यापारियों को किया आगाह- आयुक्त ने मुख्य बाजार और सड़क किनारे दुकान चलाने वाले व्यापारियों को आगाह किया है कि वें समानों को दुकान के सामने सड़क की जमीन पर न रखे।

चेतावनी के बाद भी समान रखे पाए जाने पर उसे जब्त किया जाएगा। आयुक्त ने नागरिकों से अपील की है कि खाली जमीन देखकर उस पर अतिक्रमण न करे। अतिक्रमणकारियों के खिलाफ निगम सख्ती से कार्यवाही करेगा।

आयुक्त ने नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने के दिए निर्देश

भिलाई। शासकीय वाई.वाई.टी पी.जी. स्वशायी महाविद्यालय दुर्ग में स्थित जिला अर्बन पब्लिक सर्विस सोसायटी अंतर्गत संचालित डिस्ट्रिक्ट इन्क्यूबेशन हब (डी.आई. एच.) की अतिविधियों का नगर निगम भिलाई आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय द्वारा निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान नगर निगम रिसाली आयुक्त मोनिका वर्मा, दुर्ग आयुक्त सुमित अग्रवाल, चरोदा आयुक्त डी. एस. राजपूत एवं दुर्ग अपर जिलाधिकारी अग्रवाल उपस्थित रहे। दुर्ग जिले में नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जिला प्रशासन दुर्ग एवं टाटा इन्क्यूब फाउंडेशन के संयुक्त प्रयास से डिस्ट्रिक्ट इन्क्यूबेशन हब की स्थापना 2024 में की गई है। यह हब युवाओं और स्टार्टअप के लिए एक ऐसा मंच है, जहां उन्हें मेम्बररशिप, प्रशिक्षण को-वर्किंग स्पेस, निवेशकों से संपर्क और व्यवसाय को विस्तार देने के अवसर उपलब्ध कराए जाते हैं।

डी.आई.एच. का उद्देश्य जिले में एक सशक्त और आत्मनिर्भर स्टार्टअप इकोसिस्टम विकसित करना है। टाटा इन्क्यूब फाउंडेशन देश ही अग्रणी संस्था है, जो मूल्य आधारित उद्यमिता, सामाजिक नवाचार और कौशल विकास को प्रोत्साहित करती है। टी.आई.एफ और डी.आई.एच मिलकर दुर्ग में उद्यमिता की नई संभावनाओं को बढ़ावा दे रहे हैं। डी.आई.एच, सीएसआईडीसी तथा अन्य को इन्क्यूबेटर्स नेटवर्किंग प्लेटफार्म और निवेश अवसर प्राप्त हो रहे हैं। अब तक आयोजित इन्वेस्टर कान्क्लेल, एग्रीटेक उद्यमी एवं किसान सम्मेलन, प्रशिक्षण कार्यशालाएं और कालेज आउटरीच कार्यक्रमों ने जिले में युवाओं और उद्यमियों को नई दिशा देने का काम किया है। यह संयुक्त पहल दुर्ग को प्रदेश का एक अभरता हुआ स्टार्टअप हब बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

जिला, विकासखंड एवं ग्राम स्तर पर सभी केंद्रों पर पोषण माह का किया जाएगा आयोजन

राष्ट्रीय पोषण माह 2025 का आयोजन प्रारंभ

दुर्ग। भारत सरकार एवं राज्य शासन के निर्देशानुसार 17 सितंबर 2025 से 16 अक्टूबर 2025 तक राष्ट्रीय पोषण माह 2025 का आयोजन किया जाएगा। इस वर्ष पोषण माह का शुभारंभ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान के अंतर्गत किया जाएगा। इस अभियान का उद्देश्य पोषण के प्रति जनजागरूकता बढ़ाना, पोषण पंचायतों को सक्रिय करना तथा पोषण को जनआंदोलन का रूप देना है। ग्राम स्तर पर सरपंचों एवं ग्राम पंचायतों की सक्रिय भागीदारी के माध्यम से इस अभियान को जनभागीदारी से जोड़ने पर विशेष बल दिया गया है। पोषण माह के प्रभावी, सुचारु एवं परिणाममूलक क्रियान्वयन के लिए जनप्रतिनिधियों, पंचायती राज संस्थाओं, स्थानीय निकायों, सहयोगी विभागों, स्वयंसेवी संस्थाओं, महिला स्व-सहायता समूहों, महिला मंडलियों, नेहरू युवा केंद्रों, एनसीसी, एनएसएस आदि की सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी। पिछले वर्षों की तरह इस वर्ष भी जिला, विकासखंड एवं ग्राम स्तर पर सभी केंद्रों पर पोषण माह का आयोजन किया जाएगा।इसके लिए विभिन्न विभागों के मैदानी अमलों के बीच प्रभावी समन्वय स्थापित करते हुए गतिविधियों का संचालन किया जाना है। राष्ट्रीय पोषण माह 2025 के अंतर्गत प्रमुख थीम आधारित गतिविधियां-मोटापे का समाधान- चीनी और तेल की खपत को कम करना। स्थानीयता को बढ़ावा- वोकल फॉर लोकल को अपनाना।

धर्म की नगरी कौही में लाखों के विकास कार्यों का भूमिपूजन जिला पंचायत सभापति कल्पना नारद साहू रहीं मुख्य अतिथि

रानीतराई। दक्षिण पाटन क्षेत्र के धर्म की नगरी कौही में सोमवार को मंदिर प्रांगण में कलामंच निर्माण तथा साहू समाज के सामुदायिक भवन निर्माण कार्यों का भूमिपूजन विधि-विधान से मंत्रोच्चार व पूजा-अर्चना के साथ किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में जिला पंचायत दुर्ग की सभापति कल्पना नारद साहू शामिल हुईं। उनके साथ मंच पर कमलेश साहू (मंडल अध्यक्ष भाजपा जामगांव आर), लालेश्वर साहू (पूर्व मंडल अध्यक्ष), लीना सुरेश साहू (सरपंच कौही), कमलेश वर्मा (उपाध्यक्ष जनपद पंचायत पाटन), निर्मल जैन, धनराज साहू, योगेश्वर साहू (मंदिर अध्यक्ष), कामता साहू, गुमान साहू, यशवंत साहू, डॉ. संतोष साहू, सोहन साहू, हेमलाल साहू, माधुरी निषाद (सरपंच अकतई) सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। मोदी जन्मदिवस व विश्वकर्मा जयंती की शुभकामनाएँ-कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कल्पना नारद साहू ने भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जन्मदिवस की हार्दिक बधाई दी और उनकी उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। साथ ही उन्होंने वास्तुकला और कलात्मक रचनाओं के देव भगवान श्री विश्वकर्मा जयंती पर क्षेत्रवासियों को शुभकामनाएँ दीं। ग्रामीणों की व्यापक भागीदारी- भूमिपूजन कार्यक्रम में अरविंद साहू, पवन साहू, मनोज कुमार, जेठूराम निषाद, संजू साहू, बेनीराम साहू, मुकेश साहू, नारायण साहू, हर्ष साहू, विजय कुमार सहित पूरे ग्राम के लोग बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन मूलचंद साहू ने किया, जबकि आभार प्रदर्शन कामता साहू द्वारा किया गया।

कलेक्टर सिंह ने की डिजिटल फसल सर्वेक्षण की समीक्षा, समय सीमा बैठक में दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

दुर्ग। कलेक्टर अभिजीत सिंह ने कलेक्टोरेट सभा कक्ष में समय सीमा की बैठक में अधिकारियों से जिले में चल रहे डिजिटल फसल सर्वेक्षण की प्रगति की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों से अब तक हुई प्रविष्टियों और उनके सत्यापन की जानकारी ली। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि फसल सर्वेक्षण का कार्य गुणवत्तापूर्ण और निर्धारित समय सीमा में पूरा होना चाहिए। उन्होंने सभी अनुविभागीय अधिकारियों और तहसीलदारों को निर्देशित किया कि वे डिजिटल फसल सर्वेक्षण का कार्य शीघ्र पूर्ण कराएं। सर्वेक्षण कर्ताओं द्वारा दर्ज प्रविष्टियों का हल्का पटवारी प्रतिदिन निरीक्षण करे और उनका सत्यापन समय पर पूरा किया जाए। कलेक्टर ने कहा कि डिजिटल फसल सर्वेक्षण की अंतिम तिथि 30 सितम्बर तक है। इस सर्वे रिपोर्ट को ग्राम सभा में प्रकाशित किया जाएगा। यदि ग्राम सभा से कोई आपत्ति प्राप्त होती है, तो उसका भौतिक सत्यापन जिला स्तरीय अधिकारियों द्वारा मोबाइल एप के माध्यम से किया जाएगा। इस कार्य के लिए अधिकारियों को खसरा आबंटित किया जाएगा। भौतिक सत्यापन के लिए अधिकारियों को आज प्रशिक्षण भी प्रदान किया गया है। कलेक्टर ने बैठक में कृषक पंजीयन की स्थिति की भी जानकारी ली और संबंधित अधिकारियों को यह कार्य शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि विगत दिवस मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण हेतु बीएलओ और पर्यवेक्षकों को प्रशिक्षण दिया जा चुका है। बीएलओ और पर्यवेक्षकों द्वारा वर्ष 2003 एवं 2025 की मतदाता सूची का मिलान कार्य को 20 सितम्बर तक शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने जनगणना-2027 के लिए जिले में प्रारंभिक तैयारियों की जानकारी ली और जिला शिक्षा अधिकारी को शिक्षकों की सूची जल्द उपलब्ध कराने के निर्देश दिए, ताकि प्रगणकों और पर्यवेक्षकों की नियुक्ति की जा सके। साथ ही विद्यार्थियों के आधार अपडेशन, जाति प्रमाण पत्र और निवास प्रमाण पत्र वितरण की स्थिति की भी जानकारी ली गई। समय-सीमा बैठक में कलेक्टर ने ई-ऑफिस, आर्थिक सहायता, धार्मिक संस्थाओं को आबंटित भूमि के संबंध में तथा दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मजदूर कल्याण योजना के अंतर्गत क्रियान्वयन की भी समीक्षा की और सभी कार्यों को निर्धारित समय में पूर्ण करने के निर्देश दिए।

प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिन पर युवा सरपंच रवि सिंगौर ने स्कूली बच्चों व उपस्वास्थ्य केंद्र में बांटी मिठाई

अमलेश्वर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 75वां जन्मदिन भारतीय जनता पार्टी द्वारा पूरे देश में सेवा पखवाड़ा के रूप में मनाया जा रहा है। 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक चलने वाले इस अभियान में स्वास्थ्य, शिक्षा, स्वच्छता और जागरूकता से जुड़े विविध कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत गतिविधियाँ-स्वास्थ्य शिविर और रक्तदानः विभिन्न स्थानों पर रक्तदान एवं स्वास्थ्य शिविर आयोजित होंगे। प्रदर्शनी और जागरूकता अभियानः प्रधानमंत्री मोदी के सेवा व विकास कार्यों पर आधारित प्रदर्शनी और मिशन लाइफजन आंदोलन को बढ़ावा दिया जाएगा। शिक्षा और स्वच्छताः शिक्षा व स्वच्छता पर आधारित कई कार्यक्रम आयोजित होंगे।

सांकरा में सरपंच ने बढ़ाई सेवा की परंपरा- जनपद पंचायत पाटन अंतर्गत ग्राम सांकरा के युवा सरपंच रवि सिंगौर ने प्रधानमंत्री के जन्मदिन के अवसर पर विशेष पहल करते हुए सांकरा स्कूल और उपस्वास्थ्य केंद्र में स्कूली बच्चों एवं उपस्थित लोगों को मिठाई वितरण किया। यह आयोजन सेवा पखवाड़ा की भावना के अनुरूप समाज में सेवा, सहयोग और सामूहिक उत्सव की परंपरा को बढ़ावा देता है।

ग्रामवासियों की रही सहभागिता-इस मौके पर तुलाराम सिंगौर पंच, महेंद्र पारधी पंच, संतोष सिंगौर, तिहारु बघेल, छोटू यादव, नरेंद्र गायकवाड़, विकास सिंगौर सहित अनेक ग्रामवासी मौजूद रहे और प्रधानमंत्री के जन्मदिन को उत्साहपूर्वक मनाया।

नशे के विरूद्ध अभियान में लाएं तेजी, उच्च न्यायालय के पत्रों का समयावधि में करें निराकरण

खाद दुकानों की करें आकस्मिक जांच : संभागायुक्त राठौर

दुर्ग। संभागायुक्त एस एन राठौर ने आज संभागीय कार्यालय के सभाकक्ष में संभाग स्तरीय अधिकारियों की बैठक में विभागीय काम-काजों की समीक्षा की और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने संभाग के विभिन्न जिलों में खरीफ फसलों के लिए खाद की उपलब्धता की जानकारी ली। संभागायुक्त राठौर ने जिलों में खाद/ उर्वरक दुकानों की आकस्मिक निरीक्षण करने और कृषि विभाग के मैदानी अमले को नियमित फील्ड विजिट करने संयुक्त संचालक कृषि को निर्देशित किया। उन्होंने कहा दुकानों की जांच के दौरान नकली खाद/दवा पाए जाने पर जब्ती की कार्यवाही की जाए। संयुक्त संचालक कृषि ने अवगत कराया कि विभागीय अधिकारी/कर्मचारियों द्वारा खाद दुकानों का नियमित निरीक्षण किया जा रहा है। अधिक भण्डारण पर खाद जब्त कर किसानों को वितरण कराया गया है। संभागायुक्त राठौर ने जिलों में नशा के विरूद्ध अभियान/जन-जागरूकता में तेजी लाने स्कूल व कॉलेज के विद्यार्थी, एनएसएस, एनसीसी ग्रुप के अलावा सामाजिक संस्थाओं को भी अभियान में जोड़ने शिक्षा विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया। उन्होंने संयुक्त संचालक शिक्षा से कहा कि स्कूलों के नजदीक नशीले पदार्थों की ब्रिकी न हो इस पर कड़ी नजर रखी जाए। स्कूलों के पास नशीले पदार्थ बेचने वाले दुकानदारों पर कोटपा एक्ट के तहत् कड़ी कार्यवाही की जाए। समीक्षा के दौरान सेतु निगम के अधिकारी को मालूद-बेलौदी मार्ग पर शिवनाथ नदी पुल की मरम्मत कराने तथा कोटनी-नगपुरा मार्ग पर नवनिर्मित पुल के शेष कार्य शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए। संभागायुक्त राठौर ने संभाग अंतर्गत जलाशयों में पानी के भराव की जानकारी ली। साथ ही जल संसाधन विभाग के अधिकारी को किसानों की मांग पर जरूरत के मुताबिक नहरों से सिंचाई पानी देने के निर्देश दिए। जल जीवन मिशन के कार्यों की समीक्षा करते हुए पीएचई विभाग द्वारा ग्राम पंचायतों को हैंड ओव्हर किए गए कार्य और ऐसे ग्राम पंचायत जहां मिशन का कार्य पूर्ण हो चुका है, लोगों के घरों में पानी प्रदाय किया जा रहा है, लेकिन कार्य ग्राम पंचायत को हैंड ओव्हर नहीं किया गया है की सूची संभाग कार्यालय में उपलब्ध कराने निर्देशित किया। उन्होंने पीएचई विभाग से सूची प्राप्त होने पर उपायुक्त द्वैय यादव और ठाकुर को संबंधित जनपद पंचायत से कार्यों को सत्यापित कराने निर्देशित किया। संभाग के पंचायतों को एक प्राथमिक सहकारी समिति से जोड़ने के संबंध में मत्स्य एवं वनोपज समिति को प्राथमिकता देने संयुक्त पंजीयक सहकारिता को निर्देशित किया। बैठक में बताया गया कि संभाग अंतर्गत 2444 ग्राम पंचायतों में से 1114 पंचायत प्राथमिक सहकारी समिति से कव्हर्ड कर लिया गया है। संभागायुक्त राठौर ने कहा कि माननीय उच्च न्यायालय से प्राप्त पत्रों का निर्धारित समयावधि में निराकरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि सभी संभाग स्तर के कार्यालयों में ई-ऑफिस प्रक्रिया प्रारंभ किया जाए। संभागायुक्त राठौर ने कहा, कार्यालयों में अनुशासन झलकना चाहिए, चतुर्थ वर्ग के कर्मचारी नियमित ड्रेस पर हो साथ ही नाम पट्टिका भी होनी चाहिए। अधिकारी गंभीरता से पालन कराना सुनिश्चित करें। उन्होंने उप आयुक्त द्वैय यादव एवं ठाकुर को कार्यालयों का रैंडम निरीक्षण करने के निर्देश दिए। संभागायुक्त राठौर ने संभाग स्तरीय सभी कार्यालयों में समय-सीमा के लंबित प्रकरणों की भी समीक्षा की।

स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) अंतर्गत स्वच्छता ही सेवा अभियान 02 अक्टूबर 2025 तक

दुर्ग। स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) अंतर्गत ''स्वच्छता ही सेवा 2025'' अभियान 17 सितम्बर 02 अक्टूबर 2025 तक चलाया जा रहा है। एसएचएस-2025 अभियान का आयोजन पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, जल शक्ति मंत्रालय और आवास एवं शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा संयुक्त रूप से किया जा रहा है। स्वैच्छिकता और सामूहिक कार्यवाही को मजबूत करने के लिए 2017 से ''स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा'' मनाया जा रहा है। यह वार्षिक अभियान समग्र समाज और समग्र सरकार के दृष्टिकोण का उदाहरण प्रस्तुत करता रहा है, जो सभी स्तरों पर नागरिकों, संस्थाओं और नेतृत्व को एक साथ लाता है। पिछले कुछ वर्षों में इस अभियान का दायरा और प्रभाव बढ़ता गया है। करोडों लोग स्वेच्छा से कई स्थानों पर एक घंटे की स्वैच्छिक स्वच्छता सेवा में योगदान देने के लिए शामिल हुए हैं। अभियान के तहत् इस वर्ष 25 सितंबर, 2025 को एक साथ राष्ट्रव्यापी श्रमदान, एक दिन-एक घर-एक साथ प्रस्तावित है, जिसमें नागरिकों से राष्ट्र की स्वच्छता के लिए हाथ मिलाने का आह्वान किया जाएगा। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी से प्राप्त जानकारी के अनुसार एसएचएस-2025 अभियान कुछ प्रमुख फोकस क्षेत्र हैं, जिनमें स्वच्छता लक्षित इकाइयों का चयन, सफाई मित्र सुरक्षा शिविर का आयोजन, डिग्निटी कार्ड का वितरण, व्यापक प्रचार-प्रसार, विशेष ग्राम सभाओं का आयोजन, स्वच्छ हरित उत्सव का आयोजन एवं स्वच्छता की वकालत जैसे क्षेत्र शामिल है।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। Email : loktantraprahrinews@gmail.com